डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

06 जनवरी 2025

सोमवार

आपकी आवाज

मुख्यमंत्री नीतीश ने मुजफ्फरपुर को दी 76 योजनाओं की सौगात

2

देश तब तक तरक्की नहीं कर सकता, जब तक उसके नागरिक राष्ट्रवाद के प्रति प्रतिबद्ध न हों: उपराष्ट्रपति

एजेंसी/नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर-2025 का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने युवाओं से कहा कि दुनिया का कोई भी देश तब तक तरक्की नहीं कर सकता, जब तक उसके नागरिक राष्ट्रवाद के प्रति गहराई से प्रतिबद्ध न हों। राष्ट्रवाद को हमारे सभी हितों चाहे व्यक्तिगत हो या संगठनात्मक से ऊपर होना चाहिए। अपनी मातृभूमि के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में इन गुणों को बनाए रखें। आपकी पीढ़ी 2047 तक भारत के गौरव का निर्माण करेगी।

उन्होंने कहा कि आप देश के बेहतरीन युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। एनसीसी में आपकी सदस्यता एक अत्यधिक अनुशासित बल के तौर पर आपको उन गुणों को आत्मसात करने में सक्षम बनाती है जो मानव विकास के लिए आवश्यक हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय परिवर्तन की नींव पांच प्रमुख स्तंभों पर टिकी है। इसमें सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक प्रबोधन, पर्यावरण चेतना, आत्मनिर्भरता और नागरिक कर्तव्य शामिल है। सामाजिक सद्भाव विविधता को राष्ट्रीय एकता में बदलता है इसकी आज के समय में आवश्यकता है। जमीनी स्तर पर देशभक्ति के मूल्यों को पोषित करना हमारे पारिवारिक प्रबोधन का हिस्सा होना चाहिए।

देश में तेजी से बढ़ रहे युवाओं के लिए अवसर

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम राष्ट्रीय आशावाद के दौर में जी रहे हैं, क्योंकि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। वैश्विक संस्थाओं द्वारा भारत को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्वीकार किए जाने के कारण युवाओं के लिए अवसर बढ़ रहे हैं। यह बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के माध्यम से हासिल किया गया है। जो हर युवा को अपनी क्षमता और प्रतिभा का एहसास कराने में सक्षम बनाता है। शासन ने सभी क्षेत्रों में भेदभावपूर्ण प्रथाओं को योग्यता आधारित तंत्र में बदलते हुए बहुत जरूरी पहल की है।

मातृभूमि के प्रति हमारा समर्पण दृढ़ व अडिग होना चाहिए

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। उसका संरक्षण और सृजन करना चाहिए। पर्यावरण को संरक्षित करना हम सभी का परम कर्तव्य होना चाहिए। पर्यावरण से जिंदगी है। स्वदेशी और आत्मनिर्भरता आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक हैं और हमें इन्हें बढ़ावा देना चाहिए। नागरिक कर्तव्य प्रत्येक नागरिक को प्रगति का पथ प्रदर्शक बनाते हैं। ये पंच प्राण हमारी संस्कृति में रच-बसकर, व्यक्तिगत जिम्मेदारी, पारंपरिक मूल्यों और एकता की ओर यात्रा को प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि ये पांच मूल्य जिम्मेदारी और चेतना के माध्यम से एक मजबूत राष्ट्रवादी भावना का निर्माण करेंगे। इनका प्रतिदिन अभ्यास करें और हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए राष्ट्र विरोधी ताकतों के खिलाफ सतर्क रहें। मातृभूमि के प्रति हमारा समर्पण दृढ़ और अडिग होना चाहिए, क्योंकि यह हमारे अस्तित्व का आधार है। चुनौतियां इसलिए पैदा होती हैं क्योंकि राष्ट्र पिछले एक दशक में वैश्विक स्तर पर प्रशंसित वृद्धि देख रहा है। जिससे दुनिया ईर्ष्या करती है और हर नागरिक पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

खबरें फटाफट

सिंधु घाटी लिपि को पढ़नेवाले को मिलेगा 10 लाख डॉलर

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को घोषणा की कि सिंधु घाटी लिपि एक अनसुलझी पहेली बनी हुई है और इसे पढ़ने वाले को 10 लाख डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। सिंधु सभ्यता की खोज के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिनी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हम अब भी सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि को स्पष्ट रूप से समझने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि इसे समझने का विद्वान आज भी प्रयास कर रहे हैं। ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करने के मद्देनजर इस लिपि की पहेली को सुलझाने वाले व्यक्तियों या संगठनों को 10 लाख डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। सिंधु लिपि, जिसे हड़प्पा लिपि और सिंधु घाटी लिपि के नाम से भी जाना जाता है, सिंधु घाटी सभ्यता द्वारा निर्मित प्रतीकों का एक संग्रह है। इन प्रतीकों वाले अधिकांश शिलालेख बेहद छोटे हैं, जिनमें से किसी की भी पहचान नहीं की जा सकी है। लिपि को समझने में मदद करने के लिए कोई ज्ञात द्विभाषी शिलालेख नहीं है, जो समय के साथ कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं दिखाता है।

पीएम मोदी ने दिल्ली में 12,200 करोड़ रु. की योजनाओं का किया शिलान्यास

दिल्ली को मिली नमो भारत की सौगात

अब 40 मिनट में पहुंचेंगे दिल्ली से मेरठ

- पीएम मोदी ने नमो भारत कॉरिडोर के तहत दिल्ली के न्यू अशोक नगर से यूपी के साहिबाबाद तक के खंड का किया उद्घाटन

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली को नमो भारत कॉरिडोर के साथ-साथ कुल 12,200 करोड़ रुपये की योजनाओं की बड़ी सौगात दी है। पीएम मोदी ने रविवार को नमो भारत कॉरिडोर के तहत दिल्ली के न्यू अशोक नगर से यूपी के साहिबाबाद तक के खंड का उद्घाटन किया। इन दोनों स्टेशनों के बीच इस कॉरिडोर का कुल 13 किलोमीटर का स्ट्रेच है। दिल्ली के न्यू अशोक नगर से चलने वाली नमो भारत ट्रेन का परिचालन रविवार शाम पांच बजे से शुरू हो गया। पीएम मोदी ने जिन अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन किया है, उसमें जनकपुरी पश्चिम व कृष्णा पार्क के बीच बनकर तैयार हुई मेट्रो का कॉरिडोर भी शामिल है।

नमो भारत कॉरिडोर के इस नए फेज के शुरू होने से अब दिल्ली से मेरठ के बीच क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को एक नाय आयाम मिला है। आपको बता दें कि अभी तक साहिबाबाद और मेरठ के बीच पहले से ही 42 किलोमीटर का मार्ग चालू था। 42 किलोमीटर के इस रूट पर कुल 9 स्टेशन पड़ते थे। इस नए फेज के शुरू होने से अब ये पूरा रूट कुल 55 किलोमीटर का हो गया है और इसमें कुल स्टेशन की संख्या 9 से बढ़कर 11 हो गई है। ये ट्रेन प्रत्येक 15 मिनट के अंतराल पर चलेगी। इस ट्रेन के चलने से दिल्ली से मेरठ तक यात्रा में लगने वाले समय में एक तिहाई की कमी आएगी। अब यात्री महज 40 से 45 मिनट में दिल्ली से मेरठ पहुंच पाएंगे। मौजूदा समय में आरआरटीएस के फेज-1 में तीन कॉरिडोर प्रस्तावित हैं। जिसमें से दिल्ली-मरेठ कॉरिडोर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। शेष दो अन्य दिल्ली-अलवर और दिल्ली पानीपत कॉरिडोर पर भी जल्द काम शुरू होगा। वहीं फेज-दो में पांच कॉरिडोर प्रस्तावित हैं। इस तरह से आरआरटीएस के आठ कॉरिडोर के तैयार हो जाने से दिल्ली-एनसीआर में मास ट्रांजिट सिस्टम दुनिया के अन्य शहरों से भी बड़ा हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के रोहिणी में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान के लिए नए अत्याधुनिक भवन की आधारशिला भी रखी, जिसका निर्माण लगभग 185 करोड़ रु की लागत से किया जाएगा।

पीएम ने साहिबाबाद स्टेशन पर नमो भारत ट्रेन का टिकट खरीदा

पीएम मोदी साहिबाबाद स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने नमो भारत ट्रेन के साहिबाबाद-न्यू अशोक नगर सेक्शन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही साहिबाबाद स्टेशन पर मौजूद बच्चों से मिले। पीएम मोदी ने साहिबाबाद स्टेशन पर नमो भारत ट्रेन का टिकट खरीदा। इसके बाद उन्होंने स्कूली छात्रों के साथ मेट्रो रेल में दिल्ली के न्यू अशोक नगर तक सफर किया। बच्चों ने पीएम मोदी को गिफ्ट दिए। इस दौरान पीएम मोदी ने बच्चों से बातचीत भी की।

दिल्ली सरकार किसी आपदा से कम नहीं है : पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम ने कहा कि देश भाजपा को बार बार अवसर दे रहा है। दिल्ली का विश्वास भाजपा पर है। भाजपा ही दिल्ली का विकास कर सकती है। आपदा नहीं सहेंगे बदल कर रहेंगे। हम 2025 में हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली सरकार किसी आपदा से कम नहीं है। दिल्ली को आपदा से बचाना है। पीएम मोदी ने कहा कि ये भाजपा ही है जो दिल्ली का विकास कर सकती है। दिल्ली के भविष्य के लिए ये बहुत महत्वपूर्ण चुनाव है। बीते 10 साल में दिल्ली ने जिस तरह की राज्य सरकार देखी है, वो किसी 'आप-दा' से कम नहीं है। यह एहसास आज दिल्ली वालों को अच्छे से हो चुका है। इसलिए अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है- आप-दा नहीं सहेंगे... बदल के रहेंगे। पीएम ने कहा कि अब दिल्ली विकास की धारा चाहती है और मुझे खुशी है कि दिल्ली का विश्वास भाजपा पर है। भाजपा पर ये विश्वास इसलिए है, क्योंकि भाजपा सुशासन लाने वाली पार्टी है।

प्रधानमंत्री मोदी हर बार झूठ बोलकर जाते हैं: केजरीवाल

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सियासी दलों के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली को करोड़ों की सौगात दी। साथ ही आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। वहीं अब उनके बयान का पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पलटवार किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा, जो लोग आरोप लगाते हैं कि आम आदमी पार्टी लड़ती बहुत है आज जो केंद्र और दिल्ली सरकार ने उद्घटान किया है यह उसका जवाब है। आम आदमी पार्टी केवल दिल्ली वालों के लिए काम करती है। हमारे ऊपर यह जितने मर्जी अत्याचार कर लें लेकिन दिल्ली का विकास रुकना नहीं चाहिए ,हमारे लिए दिल्ली का विकास सबसे ऊपर है।

पूर्व सीएम ने आगे कहा, आज दिल्ली को एनसीआर से जोड़ने वाली आरआरटीएस साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक की मेट्रो लाइन का शुभारंभ हुआ है। आज तीन परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ। ये तीनों प्रोजेक्ट केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार का ज्वाइंट प्रोजेक्ट है और ये प्रोजेक्ट आज बताता है कि दिल्ली सरकार कैसे विकास का काम कर रही है सीवर को हमने पहले भी ठीक किया है और आगे भी करेंगे।

पीएम मोदी ने किए कई वादे, पर पूरे नहीं हुए

केजरीवाल ने कहा, आज मैंने अपने साथ हुए अत्याचार को मुद्दा बनाया होता तो शायद आज ये आरआरटीएस का शुभारंभ नहीं हुआ होता। एक एक करके हम सबको जेल में डाल दिया, लेकिन हमने दिल्ली के विकास के लिए गिड़गिड़ाया और जब ये नहीं मानें तो हमने कुछ विरोध भी किया। जहां भी इनकी डबल इंजन की सरकार है वहां के काम उठा लें और चेक कर लें कि उनसे कितने ज्यादा काम दिल्ली सरकार ने किया है। आप संयोजक ने कहा, 2020 के चुनाव में प्रधानमंत्री ने दिल्ली के लोगों से कई वादे किए लेकिन आज तक वो पूरे नहीं हुए। धारा 81 धारा 33 वापस लेने की बात कही थी लेकिन आज तक वापस नहीं लिया किसानों को इस पर पूछना चाहिए वादे का क्या हुआ। मुझे 29 मिनट की जगह 25 मिनट गाली दे देना और चार मिनट में अपने वादों पर भी जबाब दे देना। आज दिल्ली के लोग बदला लेने के लिए बैठे हैं कि प्रधानमंत्री हर बार झूठ बोलकर जाते हैं।

पोरबंदर में तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर क्रैश, 3 लोगों की मौत

एजेंसी/अहमदाबाद

गुजरात के पोरबंदर एयरपोर्ट पर तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। भारतीय तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर एएलएच ध्रुव रुटीन उड़ान पर था, जिस दौरान वह हादसे का शिकार हो गया। हादसे में क्रू के सदस्यों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। क्रू के सदस्यों को जली हुई हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर पोरबंदर हेलीकॉप्टर पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे हादसे का शिकार हुआ। हेलीकॉप्टर नियमित उड़ान पर था और हादसा हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के वक्त हुआ। लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर में आग लग गई। हेलीकॉप्टर में दो पायलट समेत कुल तीन लोग थे। इस दुर्घटना में तीनों की मौत हो गई।

ध्रुव हेलीकॉप्टर को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया था। साल 2002 में इसे भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था। इस हेलीकॉप्टर में दो पायलट समेत 12 लोग बैठ सकते हैं। इस सैन्य और नागरिक दोनों उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

युवा हित में आगे आएं राहुल-तेजस्वी: प्रशांत

केटी न्यूज/पटना

प्रशांत किशोर 2 जनवरी की रात से बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में आमरण अनशन पर बैठे हैं। इस बीच प्रशांत किशोर ने रविवार को कहा कि बिहार में युवाओं के खिलाफ हो रहे अन्याय को देखते हुए एक मंच बनाया है, जो न्याय की मांग करेगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि यह मंच किसी राजनीतिक दल का नहीं है। छात्र युवाओं और बिहार के भविष्य के लिए छात्रों के आंदोलन के समर्थन में बैठे हैं। उन्होंने राहुल गांधी तेजस्वी यादव और तमाम नेताओं को युवा हित में गांधी मैदान में आमंत्रित किया।

प्रशांत किशोर ने कहा कि अब यह सिर्फ बीपीएससी छात्रों का आंदोलन नहीं रह गया है, बल्कि बिहार की व्यवस्था परिवर्तन का आंदोलन बन गया है। इस व्यवस्था परिवर्तन के आंदोलन का नेतृत्व युवा कर रहे हैं। शनिवार को छात्र संगठनों ने मिलकर एक नया संगठन बनाया है. अलग-अलग राजनीतिक दल से जुड़े छात्र युवा हित और बिहार हित में 51 सदस्यीय युवा सत्याग्रह समिति का गठन किया गया है। प्रशांत किशोर इस मंच का नेतृत्व नहीं कर रहा बल्कि समर्थन कर रहा है। इस मंच पर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं का स्वागत है। ये अभियान बिहार के युवाओं का है। बिहार में युवाओं के साथ अन्याय रुकना चाहिए। मंच पर बैठा कोई राजनीतिक नेता नहीं बल्कि युवाओं का नेता है। चाहे हो कांग्रेस के राहुल गांधी हो या राजद के तेजस्वी यादव हो। हमारी आपकी राजनीति चलती रहेगी। आईये और इन युवाओं का समर्थन कीजिए।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर

एजेंसी/रायपुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 4 नक्सली ढेर हो गए। वहीं 1 जवान भी शहीद हुआ है। इसकी शुरूआत उस वक्त हुई जब नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में 4 नक्सली ढेर हो गए हैं वहीं 1 जवान भी शहीद हुआ है, चारों के शव को पुलिस ने बरामद कर लिया है इस गोलीबारी में दंतेवाड़ा डीआरजी का जवान सन्नू कारम शहीद हो गया।

जानकारी के अनुसार चार जिलों की डीआरजी के साथ एसटीएफ की संयुक्त पार्टी दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना हुई थी। नक्सलियों के पास से एके 47 और एसएलआर जैसे ऑटोमेटिक हथियार मिले हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के जंगल में नक्सलियों का डेरा है इस सूचना के बाद नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, कोंडागांव जिले की डीआरजी के साथ एसटीएफ की संयुक्त पार्टी अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना हुई थी। बताते हैं कि सुरक्षाबल जब क्षेत्र में पहुंचे और नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

छत्तीसगढ़ में पत्रकार सुरक्षा कानून लाया जाएगा : सीएम साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या पर प्रशासन पर भी सवाल उठने लगे हैं। अब सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून लाया जाएगा। अब तक मुकेश हत्याकांड में तीन आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। मामले में एसआईटी का गठन कर जांच की जा रही है। मीडिया से बातचीत में सीएम विष्णु देव साय ने कहा, निश्चित तौर पर हमारी सरकार पत्रकारों के साथ खड़ी है। हम पत्रकार सुरक्षा कानून लाएंगे लेकिन सरकार ने जिस तेजी से काम किया है, वह प्रदेश और देश जानता है।

प्रयागराज में 13 जनवरी से लगनेवाले महाकुंभ में बनने वाले हैं कई विश्व रिकॉर्ड

नेत्र कुंभ में बांटे जाएंगे 3 लाख चश्मे, 5 लाख आंखों की होगी जांच

केटी न्यूज/प्रयागराज

महाकुंभ 2025 में कई संभावित विश्व रिकॉर्ड बनने जा रहे हैं, जिसमें एक ही कार्यक्रम में सबसे अधिक चश्मे बांटने और आंखों की जांच करने का रिकॉर्ड भी शामिल है। स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने नेत्र कुंभ की पहल की प्रशंसा की। स्वामी ने कहा, नेत्र कुंभ प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में भक्तों को मुफ्त नेत्र जांच प्रदान करने के लिए आयोजित एक पहल है। भारतीय संस्कृति की मुख्य अभिव्यक्ति सेवा ही है। आंख सबसे संवेदनशील अंग है, हम इससे पूरी दुनिया और खुद को देख सकते हैं। क्षमता के अनुसार नेत्र कुंभ कार्यक्रम पूरी तरह से स्वागत योग्य है।

पिछली बार लगभग 1 लाख चश्मे बांटे गए थे और इस बार भी चश्मे बांटे जाएंगे। नेत्र कुंभ के आयोजन समिति में शामिल डॉ रंजन बाजपेयी ने बताया कि नेत्र कुंभ में भाग लेने वालों की संख्या पिछली बार से दोगुनी है, जिसमें 3 लाख चश्मे बांटने और 5 लाख आंखों की जांच करने की योजना है। डॉ. बाजपेयी ने मीडिया को बताया, ह्लपिछले नेत्र कुंभ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आंखों की जांच की गई थी। इस बार इसमें भाग लेने वालों की संख्या दोगुनी हो गई है। इस बार तीन लाख चश्मे और पांच लाख ओपीडी का लक्ष्य है। एक दिन में 10 हजार ओपीडी का लक्ष्य है। इसके लिए बड़े स्तर पर इंतजाम किए गए हैं। स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल कराने का प्रयास: डॉ रंजन बाजपेयी ने आगे बताया, ह्यइसका उद्घाटन मुख्य अतिथि जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज के हाथों होगा, जबकि गौरांग प्रभु जी महाराज विशिष्ट अतिथि होंगे और संघ के सहकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी मुख्य वक्ता होंगे। नेत्र कुंभ को पहले ही लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल किया जा चुका है, इस साल इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

10 एकड़ में बना नेत्र कुंभ: भीड़ प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे राजेश कुमार सिंह ने बुनियादी ढांचे के बारे में विस्तार से बताया। ह्लनेत्र कुंभ करीब 10 एकड़ में बनाया गया है। इसमें कुल 11 हैंगर बनाए गए हैं। पिछली बार सिर्फ 5 हैंगर थे। यहां व्यवस्थित तरीके से आंखों की जांच की जाएगी। एक बड़ा हैंगर बनाया गया है, जहां सभी श्रद्धालु एकत्र होंगे। इसके बाद उन्हें दो अलग-अलग ओपीडी चैंबर में भेजा जाएगा, जहां वे अपना पंजीकरण करवाकर डॉक्टरों से परामर्श ले सकेंगे।

वक्फ की संपत्तियां सरकारी होनी चाहिए, महाकुंभ को लेकर कोई राजनीति नहीं हो रही है: ऋतंभरा

एजेंसी/प्रयागराज

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने दावा किया है कि महाकुंभ के लिए वक्फ की 55 बीघा जमीन का इस्तेमाल किया जा रहा है। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि प्रयागराज के मुसलमानों ने वक्फ की जमीन पर मेले की अनुमति देकर बड़ा दिल दिखाया है और हिंदुओं को भी मुसलमानों को इस आयोजन में प्रवेश की अनुमति देकर इसका बदला चुकाना चाहिए। उन्होंने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की तरफ से गैर-हिंदुओं को कुंभ में प्रवेश करने से रोकने के आह्वान की निंदा की। वहीं मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी के इस बयान पर साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि, जिन्होंने धर्म के आधार पर देश को बांटा, वे वक्फ की साजिश के तहत भारत की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं, इस साजिश को रोका जाना चाहिए। वक्फ की सारी संपत्तियां सरकारी होनी चाहिए। महाकुंभ को लेकर कोई राजनीति नहीं हो रही है, यह धर्म और पुण्य पाने का स्थान है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने इस मामले में कहा कि, 'सच्चाई यह है कि प्रयागराज कुंभ बहुत प्राचीन है। तब इस्लाम का अस्तित्व ही नहीं था,उन्हें कुंभ का इतिहास नहीं पता। इसीलिए वह कह रहे हैं कि यह वक्फ की जमीन पर हो रहा है, यह सच नहीं है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने मुजफ्फरपुर को दी 76 योजनाओं की सौगात

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

सीएम नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दूसरे चरण में मुजफ्फरपुर जिले को 45140.12 लाख (451 करोड़ 40 लाख) रुपये की सौगात दी है। 76 योजनाओं से संबंधित शिलापट्टों का अनावरण कर उद्घाटन, शिलान्यास एवं कायारंभ किया। इनमें 9405.46 लाख रुपये की लागत से 51 योजनाओं का उद्घाटन, 24590.31 लाख रुपये की लागत से 23 योजनाओं का शिलान्यास एवं 11144.35 लाख रुपये की लागत से 2 योजनाओं का कायारंभ शामिल है। वहीं इस यात्रा के दौरान सीएम ने फिर स्पष्ट कर दिया है कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में ही रहेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के ऑफर का भी संदेश के जरिए जवाब दे दिया। उन्होंने कहा कि हम दो बार गलती से उनलोगों के साथ चले गये थे लेकिन अब उनको छोड़कर इधर आ गये हैं। अब पुराने साथियों के साथ ही है। महिलाओं के लिए भी कोई काम नहीं किया। 2005 के बाद हमलोगों ने काफी काम किया। सबके विकास के लिए काम किया। हमलोगों ने हिन्दू-मुस्लिम, अगड़ा-पिछड़ा, दलित-महादलित समेत सभी वर्गों के काम किया। **लालू राबड़ी राज की दिलाई याद:** सीएम नीतीश कुमार ने लालू-राबड़ी राज की याद दिलाते हुए कहा कि पहले महिलाओं की स्थिति क्या थी सभी जानते हैं। शाम में लोग घर से बाहर नहीं निकलते थे। उनलोगों ने महिलाओं के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया। जबसे हमलोगों की सरकार आयी महिलाओं के उत्थान के लिए कई कार्य किए गए। जिसके फलस्वरुप आज काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। हमलोगों ने स्वयं सहायता समूह का गठन किया उसे नाम दिया जीविका। जीविका समूह से जुड़नेवाली महिलाओं की स्थिति में काफी बदलाव आया है। आप देख रहे हैं जीविका दीदियां कितना अच्छा काम कर रही हैं। बिहार में जीविका अच्छा काम करने लगी तो उस समय की केंद्र सरकार ने इसकी सराहना की और उसी की तर्ज पर आजीविका नाम देकर पूरे देश में इसे चलाया। जीविका दीदियों को जिन चीजों की जरुरत होती है हमलोग उसे पूरा करते है। जीविका दीदियों को हमलोग आगे बढ़ा रहे हैं। राज्य के विकास के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। जीविका दीदियों को आर्थिक रूप से मजबूत किया जा रहा है। ताकि वह अपने आप को आर्थिक रूप से मजबूत करें। उन्हें किसी दूसरे पर निर्भर नहीं रहना पड़े। आने वाले समय में जीविका को और मजबूत किया जाएगा। बता दें कि यह सब बातें सीएम नीतीश कुमार ने मुजफ्फरपुर में प्रगति यात्रा के दौरान कही।

बोले तेजस्वी... सीएम की दुर्गति यात्रा में अधिकारियों को लूट की छूट

मोतिहारी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव संवाद यात्रा पर निकले हैं। उन्होंने मोतिहारी में नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 20 साल में जितना काम नहीं किया है। उससे ज्यादा काम हमने 17 महीने की सरकार में किया। मैंने आईटी, स्पोर्ट्स के क्षेत्र में काम किया है। हमारी सरकार में टोला सेवक से लेकर तालिमी मरकज हो या विकास मित्र सबका वेतन बढ़ाया। इन लोगों ने जो सोचा नहीं था वो काम हमारी सरकार ने किया हमने टूरिज्म पॉलिसी बनाने काम किया। शिक्षकों को समान काम के बदले समान वेतन दिलाया। तेजस्वी ने कहा कि हमारी 17 महीने की सरकार ने पांच लाख सरकारी नौकरी देने का काम किया। खिलाड़ियों को नौकरी देने का काम किया। हमारी 17 महीने की सरकार में लोगों के चेहरे पर खुशी थी। आज बिहार में लाठी-डंडे की सरकार है। नौजवान निराश हैं। रोज पेपर लीक मामला आता है। निर्दोष छात्रों को बेरहमी से पीटा जा रहा है। अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री चुप्पी साधे हैं वहीं सीएम नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जो प्रगति यात्रा पर निकले हैं। यह अधिकारियों को लूट की छूट यात्रा है। बिहार में अधिकारी लूट रहे है और मुख्यमंत्री मूकदर्शक बनकर सबकुछ देख रहे हैं। यह मुख्यमंत्री के यह प्रगति यात्रा नहीं बल्कि बिहार की दुर्गति यात्रा है। अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री चुप्पी साधे हैं। ना किसी से संवाद करते है ना किसी अधिकारी से बात करते है। हर एक महत्वपूर्ण मुद्दा पर चुप्पी लगाए है। छात्रों को लाठी डंडे से पीटा जा रहा है लेकिन यह नौजवानों का खोज खबर नहीं रखते हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री को श्रद्धांजलि देने पहुंचे सीएम नीतीश

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी के जयंती समोरह का आयोजन पटना के एसके मेमोरियल हॉल में किया गया है। सीएम नीतीश कुमार भी यहां पहुंचे और स्व० सुशील कुमार मोदी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान सुशील मोदी स्मृति शोध संस्थान के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने मुख्यमंत्री को अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे सहित अन्य उपस्थित थे। इधर, सीएम नीतीश कुमार और भाजपा के वरीय नेताओं के सामने ही पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी को भारत रत्न देने की मांग उठने लगी है।

केंद्रीय मंत्री जीतन मांझी ने तेजस्वी और प्रशांत किशोर पर जमकर साधा निशाना

केटी न्यूज/दरभंगा

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने तेजस्वी यादव के द्वारा भाजपा के बी टीम प्रशांत किशोर को बताने पर कहा कि वह इसके स्पेशलिस्ट हैं क्या। वह क्या बोलते हैं, पता नहीं चलता। आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार में एक बार फिर नीतीश कुमार के अगुवाई में सरकार बनने जा रही है। तेजस्वी यादव बार-बार नीतीश कुमार के आने और नहीं आने की बात पर उन्होंने कहा कि कोई बिहारी आदमी बरगद का पेड़ छोड़कर खजूर के पेड़ के पास नहीं जाता है। नीतीश कुमार अब कहीं जाने वाले नहीं हैं। तेजस्वी यादव द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रगति यात्रा को दुर्गति यात्रा बताने पर उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार लगभग 20 साल से मुख्यमंत्री हैं और पहले भी

राजा अपनी जनता का हाल लेने के लिए भेष बदलकर घूमते थे।

प्रशांत को अनशन खत्म करना चाहिए: जीतन राम मांझी ने प्रशांत किशोर के द्वारा गांधी मैदान में अनशन के सवाल पर कहा कि जिस मुद्दे को लेकर वह अनशन कर रहे हैं, परीक्षार्थियों की परीक्षा सही ढंग से संपन्न हो गयी। उनकी मांग थी कि पूरी परीक्षा को रद्द किया जाए, लेकिन हम कहना चाहते हैं कि 912 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हुई थी, जिसमें 911 परीक्षा केंद्र पर कोई गड़बड़ी नहीं हुई और एक परीक्षा केंद्र, जहां गड़बड़ी की संभावना लग रही थी, ऐसी स्थिति में प्रशांत किशोर को अपना अनशन खत्म कर लेना चाहिए।

शिक्षा व्यवस्था पर बोले: मांझी ने बिहार के सरकारी विद्यालय के शिक्षकों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकारी स्कूल के शिक्षकों को हर प्रकार की सुविधा और सम्मानजनक वेतन सरकार दे रही है। बावजूद इसके वे सही ढंग से बच्चों को शिक्षा नहीं दे रहे हैं। इसी का नतीजा है कि निजी स्कूलों में गरीब हो या अमीर सभी के बच्चे पढ़ने जा रहे हैं। सभी लोग जानते हैं कि निजी स्कूलों में सरकारी स्कूलों की तरह शिक्षकों को वेतन नहीं मिलता है, फिर भी निजी स्कूल के शिक्षक अच्छी शिक्षा देते हैं। इन शिक्षकों की तरह ही सरकारी विद्यालय के शिक्षकों को भी बच्चों को सही ढंग से पढ़ाने की आवश्यकता है।

डॉ शीला कुमारी डीएमसीएच की बनीं अधीक्षक

दरभंगा। स्वास्थ्य विभाग ने डीएमसीएच में नए अस्पताल अधीक्षक और डीएमसी में नए प्राचार्य की तैनाती की गई है। डीएमसीएच की नई अधीक्षक डॉ शीला कुमारी को बनाया गया है। वहीं डीएमसी के नए प्राचार्य पद पर डॉ अलका झा को तैनात किया गया है। डीएमसी के प्रिंसिपल डॉ केएन मिश्रा 31 दिसंबर को सेवानिवृत हो गए थे। जबकि डीएमसीएच के अधीक्षक डॉ अलका झा को वरीयता के आधार पर अधीक्षक से प्रिंसिपल बनाया गया है। स्वास्थ्य विभाग के नोटिफिकेशन जारी होने के बाद प्रभार दिया गया है।

वैशाली की सांसद वीणा देवी को जान से मारने की मिली धमकी, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/पटना

वैशाली की सांसद वीणा देवी को जान से मारने की धमकी मिली है। रविवार की दोपहर अज्ञात नंबर से धमकी भरा कॉल आया था। इस संबंध में सांसद वीणा देवी का कहना है कि उनके नंबर पर कई बार कॉल आया। जब उन्होंने कॉल रिसीव किया तब फोन करने वाले ने उधर से अपशब्द बोलते हुए उन्हें धमकी दी। वीणा देवी ने सदर थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनके मोबाइल नंबर 9162065579 पर मोबाइल नंबर 8539019720 से अज्ञात लोगों ने कई बार फोन किया है। बार-बार कॉल पर आने पर

सांसद ने जब कॉल रिसीव किया तो कॉल करने वाले अपशब्द बोलते हुए उन्हें धमकी दी। पुलिस कॉल करने वाले नंबर की सीडीआर और लोकेशन के आधार पर छानबीन कर रही है। सांसद वीणा देवी ने पुलिस को बताया है कि रविवार को उनके मोबाइल पर एक अंजान नंबर से बार-बार कॉल आ रहा था। कई बार उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। लेकिन लगातार रिंग होने पर उन्होंने कॉल रिसीव किया। कॉल रिसीव करने वह गाली गलौज करते हुए उन्हें गोली मारकर जान मारने की धमकी दी। इसके बाद फोन काट दिया। धमकी भरी कॉल आने के बाद सांसद ने वरीय पुलिस अधिकारियों को इसकी जानकारी दी और शाम में सदर थाने में आवेदन देकर पूरे मामले से अवगत कराया। पुलिस महकमे में अलर्ट हो गया। वरीय अधिकारी सांसद के आवास पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। आवास पर तैनात सुरक्षा कर्मी और बॉडीगार्ड को चौकन्ना कर दिया गया है।

इस विधानसभा चुनाव में एक भी विपक्ष उम्मीदवार को जीतने नहीं दूंगा : नित्यानंद

केटी न्यूज/हाजीपुर

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विपक्षी दलों को चेतावनी देते हुए कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में वैशाली जिले के सभी 8 सीट एनडीए ही चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को वैशाली जिले में विधानसभा 2025 के चुनाव में एक सीट भी नहीं मिलने वाली है। दरअसल केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय वैशाली जिले में पार्टी जिला अध्यक्ष की चुनाव में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि एक यही भारतीय जनता पार्टी है, जिस पार्टी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद प्रखंड अध्यक्ष से भी संवाद करते हैं और अध्यक्ष के बूथ अध्यक्ष भी नमो ऐप के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से डायरेक्ट संवाद करते हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए वैशाली जिले के सभी आठ सीटें चुनाव जीतेगी। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि मैं विपक्षी दलों को कहना चाहता हूं कि

बिहार विधानसभा चुनाव में वैशाली जिले में आपको एक भी सीट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि विजय की संकल्प के साथ हम सभी लोग यहां से चुनाव की शुरुआत करने वाले हैं। इस दौरान उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि आने वाले विधानसभा चुनाव से पूर्व अपनी तैयारी शुरू कर दें। हर बूथ स्तर को मजबूत किया जाए। ताकि जनता के बीच भाजपा की पकड़ मजबूत बन सके। हर सीट पर बीजेपी समर्थित उम्मीदवार जीते।

मोतिहारी में फर्जी 14 शिक्षकों पर केस दर्ज

मोतिहारी। बिहार सरकार और शिक्षा विभाग ने युवाओं को नौकरी देने के लिए पिटारा तो खोल दिया। लेकिन, इसी नौकरी की चाहत में कई लोग फजीर्वाड़ा कर रहे हैं। कई लोग फर्जी अंक प्रमाण पत्र बनवा कर नौकरी करते पाये गये। शिक्षा विभाग ने फर्जी शिक्षकों पर अंकुश लगाने के लिए सभी शिक्षकों के कागजातों की जांच निगरानी विभाग को दे दिया है। जब निगरानी विभाग ने बिहार टीईटी अंक प्रमाण पत्रों की जांच की तो कई शिक्षक फर्जी पाए गए। बीते साल 2024 में भी निगरानी की टीम ने मोतिहारी के अलग अलग थानों 24 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करवाया था और अभी नए साल के शुरूआत में ही निगरानी विभाग ने मोतिहारी के सात अलग अलग थानों में 14 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

बोर्ड परीक्षा से संबंधित शैक्षणिक गतिविधियां पहले की तरह जारी रहेंगी

ठंड के कारण पटना सहित कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी

केटी न्यूज/पटना

पटना में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। पटना जिला प्रशासन ने आगामी 11 जनवरी तक के लिए 8वीं तक से सभी सरकारी और निजी स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया है। वही जमुई और भोजपुर जिले में भी स्कूलों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। कपकपाती ठंड को देखते हुए जमुई डीएम अभिलाषा शर्मा ने पांचवी कक्षा तक के स्कूलों को 11 जनवरी तक बंद किया है। मिशन दक्ष एवं बोर्ड परीक्षा के लिए संचालित किये जाने वाली विशेष कक्षाओं का संचालन इससे मुक्त रहेगा। यह आदेश दिनांक-06.01.2025 से लागू होगा एवं दिनांक-11.01.2025 तक प्रभावी रहेगा।

वही भोजपुर डीएम ने भी जिले में अत्यधिक ठंड को देखते हुए एवं बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के दृष्टिकोण से दिनांक 6.01.2025 से दिनांक 9.01.2015 तक जिले के सभी निजी एवं सरकारी विद्यालयों(आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं प्री-स्कूल सहित) में कक्षा-8 तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। बढ़ते ठंड को देखते हुए राजधानी पटना में 8वीं तक के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने आगामी 11 जनवरी तक 8वीं तक की सभी कक्षाएं बंद रखने का निर्देश दिया है। ठंड को लेकर जिला प्रशासन की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक, पटना जिला के सभी निजी, सरकारी स्कूलों में 8वीं क्लास तक की सभी कक्षाएं बंद रहेंगी। 6 जनवरी से 11 जनवरी तक के लिए यह आदेश जारी किया गया है। वहीं 8वीं कक्षा से ऊप के क्लास सुबह 9 बजे से दोपहर साढ़े तीन बजे तक संचालित किए जाएंगे। वहीं बोर्ड परीक्षा से संबंधित शैक्षणिक गतिविधियां पहले की तरह जारी रहेंगी। यह आदेश 11 जनवरी 2025 तक प्रभावी रहेगा। पटना के डीएम चंद्रशेखर सिंह की तरफ से जारी आदेश में कहा गया कि जिले में अत्यधिक ठंड का मौसम और कम तापमान की स्थिति बनी हुयी है, जिसके कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। डीएम डॉ० चन्द्रशेखर सिंह ने सभी निजी सरकारी विद्यालयों में वर्ग-8 तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया है। वर्ग 8 से ऊपर की कक्षाओं की शैक्षणिक गतिविधियाँ पूर्वाहन 09.00 बजे से अपराह्न 03.30 बजे के बीच संचालित की जा सकती है। बोर्ड परीक्षा से संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन इससे मुक्त रहेगा।

विडंबना: कैसे मिलेगी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रतिनियुक्ति पर हैं जिले के सैकड़ों शिक्षक

- अनुमंडल, प्रखंड व अंचल कार्यालय में कई शिक्षकों ने करायी है अपनी प्रतिनियुक्ति
- दर्जनों शिक्षक 10 साल से प्रतिनियुक्ति की आड़ में बन बैठे हैं मठाधीश

केटी न्यूज/बक्सर

राज्य सरकार और शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने की बात करते हैं। वहीं, पहले से ही स्कूलों में शिक्षकों की कमी झेल रहे बच्चे, अब प्रतिनियुक्ति का भी दंश झेल रहे हैं। क्योंकि, जिले के विभिन्न विद्यालयों के 100 से भी अधिक शिक्षक अपनी प्रतिनियुक्ति किसी सरकारी या राजस्व कार्यालय में करा कर, स्वयं को शैक्षणिक कार्यों से दूर कर लिया है। जिसका हरजाना इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को उठानी पड़ रही है। अपनी पहुंच व पैरवी के बल पर ये शिक्षक जिले के सभी सरकारी कार्यालय मसलन अनुमंडल, प्रखंड व अंचल कार्यालय में प्रतिनियुक्ति करा कर अन्य कार्यों का निष्पादन कर रहे हैं। जिससे न केवल विभाग को राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य से भी खेला जा रहा है।

कई विभागों के कार्यालयों में भी प्रतिनियुक्ति पर हैं कई शिक्षक : नाम न लिखने की शर्त पर एक शिक्षक ने बताया कि बक्सर व डुमरांव अनुमंडल कार्यालय के अलावा शिक्षक प्रखंड व अंचल जैसे कार्यालयों में अपनी प्रतिनियुक्ति कर सालों से वहां जमा है। कई शिक्षक तो प्रतिनियुक्ति अवधि 10 से 12 की हो चुकी है। शिक्षा विभाग की सख्ती पर महज एक सप्ताह के लिए प्रतिनियुक्ति टूटती है और पुनः प्रतिनियुक्ति शुरू हो जाती है। जिसके कारण उक्त शिक्षक प्रतिनियुक्ति स्थल के मठाधीश बन गए हैं। हालात यह हो चुके हैं कि उन शिक्षकों को शिक्षक नहीं उक्त कार्यालय के कर्मचारी मानते हैं। वहीं, ऐसे शिक्षकों का हाल यह हो चुका है कि अब वो पढ़ाना भी भुल चुके हैं। अभी हाल ही में सदर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा के कार्यालय में एक शिक्षक की प्रतिनियुक्ति चुनाव कार्य के लिए की गई है। उक्त शिक्षक अपनी नियुक्ति से लेकर अब तक एक भी बार चुनाव ड्यूटी में नहीं लगे हैं।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जारी किया था निर्देश : वर्ष 2023 में माध्यमिक शिक्षा निदेशक कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव ने प्रतिनियुक्ति का खेल रोकने के लिए आदेश दिए थे। जिसमें उन्होंने अपने मूल विद्यालय या कार्यालय से इतर शिक्षकों या कर्मचारियों के प्रतिनियोजन पर सख्ती के साथ रोक लगा दी थी। उन्होंने सख्ती के साथ निर्देश दिया था कि अगर कोई शिक्षक और कर्मचारी पहले से कहीं प्रतिनियुक्ति हैं तो उसे भी अपने मूल विद्यालय या कार्यालय अनिवार्य रूप से लौटना होगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशकों को दिए निर्देश में स्पष्ट कर दिया है कि शिक्षकों के प्रतिनियोजन, पदस्थापन या स्थानांतरण पर तत्काल पूरी तरह रोक लगी रहेगी। इस प्रकार शिक्षा विभाग के किसी कर्मचारी से विभाग के ही किसी दूसरे कार्यालय में काम नहीं लिया जा सकेगा।

नियमित अवधि के लिए ही की जाती है शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति

"किसी भी शिक्षक की प्रतिनियुक्ति प्रशासनिक विभाग की मांग के अनुसार की जाती है। जो एक नियमित अवधि के लिए की जाती है। कार्य पूरा होने के बाद प्रतिनियुक्ति स्थल/कार्यालय उन्हें मुक्त कर सकता है। फिलवक्त भी अनुमंडल व अन्य कार्यालयों में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। वहीं, लंबे अवधि से प्रतिनियुक्ति पर गए शिक्षकों की खास जानकारी नहीं है। इस मामले की जांच कराई जाएगी।

– विष्णुकांत राज, डीपीओ स्थापना, शिक्षा विभाग, बक्सर

खबरें फटाफट

पूर्व मुखिया का निधन, शोक की लहर

सिमरी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राजपुर कला पंचायत के पूर्व मुखिया मीरा देवी का असामयिक निधन हो गया। जिसके बाद पूरे पंचायत में शोक की लहर दौड़ गयी। पूर्व मुखिया मीरा देवी पटना के वेदांत अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार की रात्रि में अंतिम सांस ली रविवार को अहले सुबह पैतृक गांव में पार्थिव शरीर को लाया गया। जहां वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर आकस्मिक निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मीरा देवी नेक दिल महिला के साथ माता के समान थी।

ठंड से बचाव के लिए आलू की सिंचाई जरूरी

केसठ। कृषि विभाग ने किसानों को सलाह देते हुए कहा है कि जनवरी माह में अधिक ठंड की आशंका होने के कारण आलू की फसल में सिंचाई कर देनी चाहिए, जमीन भीगी रहने पर पाले का असर कम हो जाता है। पहाड़ों पर बर्फबारी होने के कारण ठंड में इजाफा लगातार बना हुआ है। तापमान गिरने से लोगों को आने वाले दिनों में कड़ाके की ठंड की उम्मीद है। वहीं अभी तक प्रखंड प्रशासन के द्वारा ठंड और शीतलहर को देखते हुए भी अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। क्षेत्र के प्रबुद्धजनों ने चौक चौराहों पर अलाव जलाने की मांग की है।

खुलासा: जिले में चकबंदी को लेकर चल रहा है बड़ा रैकेट, आमजन इससे हैं अनजान

चकबंदी की रिपोर्ट को सदर एसडीएम ने किया था दरकिनार, दिया अपना फैसला

केटी न्यूज/बक्सर

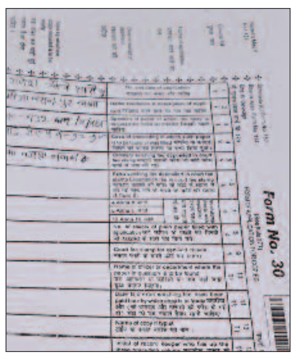

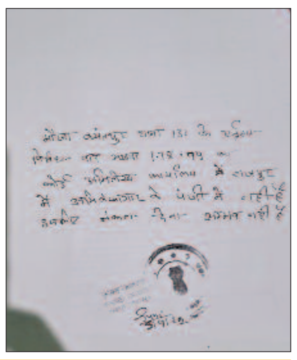

जिले में चकबंदी से अधिकत्तर रैयत त्रस्त होते जा रहे है। इसका सहारा लेकर जमीन के दलाल रैयतों को किसी ने किसी परेशानी में फंसा दें रहे है। मजबूरीवश रैयत आनन-फानन में कौड़ियों के भाव से अपनी जमीन बेच दे रहे हैं या जमीन के तथाकथित दलाल उसे हड़प ले रहे है। यदि आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो सीओ, डीसीएलआर, एडीएम से लेकर सिविल कोर्ट तक हर प्रखंड से करीब सौ से अधिक मामले चकबंदी से संबंधित वाद चल रहे थे। इसके पीछे मुख्य वजह है कि चकबंदी से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कर दिया जा रहा है। जिसमें अधिकारियों को समक्ष दिखाया जाता है कि चकबंदी से संबंधित वाद चकबंदी कार्यालय में चल रहा था। जिसका फैसला वर्षों पहले आया था। उस आधार पर जमीन पर दावा कर जमाबंदी अपने नाम पर करा ली जाती है।

हालांकि इसमें कहीं न कहीं अधिकारी या कर्मियों की मिली भगत से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। जब तक इस बात की जानकारी मूल रैयतों को हो रही है और मूल रैयत कार्यालयों का चक्कर लगाते रह जा रहे है। तथाकथित दलालों की इतनी पकड़ होती है कि रैयत को एक-एक कागजात नहीं मिलने देते है। इसी का फायदा उठाकर जमाबंदी अपने पर दिखाकर तथाकथित दलाल धड़ल्ले से जमीन बेचने में लग जाते है। रैयतों के आंखों के सामने उनकी पुस्तैनी जमीन बिक जा रही है और वह कुछ नहीं कर पा रहे है। ताजा मामला सामने आया है जब एक रैयत गणेश चौबे के चकबंदी कार्यालय से प्राप्त रिपोर्ट को दरकिनार कर दिया था और वाद से संबंधित आदेश के आधार पर अपना फैसला सुना दिया था।

क्या है चकबंदी का मतलब : चकबंदी के जरिए अलग-अलग जगहों पर बिखरे हुए खेतों को एक ही जगह पर इकट्ठा करना है। किसानों को उनकी कुल जमीन के बराबर एक ही जगह पर खेत दिए जाते हैं। चकबंदी से खेती करने में आसानी होती है और उत्पादन बढ़ता है। बिहार में 70 के दशक में पहली चकबंदी शुरू हुई थी, लेकिन 1992 में इसे बंद कर दिया गया था।

चकबंदी का खेल : पूर्व में चकबंदी पदाधिकारी को अंचलाधिकारी के बराबर शक्तियां मिली थी। 1970 से लेकर 1992 के बीच चकबंदी से लेकर कार्य चल रहा था उस समय रैयत अपना चक सही करने के लिए चकबंदी कार्यालय में परिवाददायर किए थे। उस वक्त जो आर्थिक रूप से संपन्न थे या इन बातों को समझ सकते थे उन्होंने ही परिवाददायर किया था। तत्कालीन समय में अधिकत्तर लोग इससे अनभिज्ञ थे आर्थिक रूप से मजबूत भी नहीं थे कि वह प्रखंड और चकबंदी कार्यालय का चक कर लगाकर परिवाददायर कर सके। परंतु वर्तमान समय में अधिकत्तर लोग नौकरी चाकरी वाले है। दूसरे शहरों में रहते है। जब उनके अभिभावक की मौत होती है वह अपनी जमीन के बारे में जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करते है या किसी के जिम्मे छोड़कर जा रहे है। उसी वक्त का फायदा उठाकर जमीन के दलाल चकबंदी से फर्जी दस्तावेज बना ले रहे है।

किराया के कारण कार्यालय का भवन कई बार बदला गया

फर्जी दस्तावेज बनाने में जमीन के दलालों को इसलिए आसानी हो रही है कि चकबंदी कार्यालय जर्जर हो चुके है। कुछ निजी भवन में चल रहे है। किराया के कारण कार्यालय का भवन कई बार बदला गया है। दस्तावेज फट गए है या चुहा या दीमक चट कर चुके है। उसी समय का चकबंदी से संबंधित फर्जी दस्तावेज खड़ा कर दिया जा रहा है। जिसमें दिखाया जा रहा है कि वर्षों पहले उनके पक्ष में फैसला आ चुका है। उसी आधार पर अंचल कार्यालय में मिली भगत से जमाबंदी मूल रैयत से दूसरे के नाम पर हो जा रही है। उसी जमाबंदी के आधार पर जमीन की बिक्री धड़ल्ले से शुरू हो जा रही है। जब तक मूल रैयत को इसकी जानकारी मिलती है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। पीड़ित एसडीओ, डीसीएलआर व एडीएम की कोर्ट में चक्कर लगाते रह जा रहे है। सबसे आश्चर्य की बात है कि जब अधिकारियों के समक्ष दिखाया जाता है कि वर्षों पहले जब चकबंदी के केस का आर्डर है। तब अधिकारी यह नहीं पूछ रहे है कि इतने दिनों तक आप कहा था। अभी यह आदेश कहा से लेकर आए है। यदि मूल रैयत चकबंदी कार्यालय से आरटीआई के माध्यम से उस आदेश के बारे में जानकारी प्राप्त करते है तब यहीं सूचना मिलती है कि इस केस से संबंधित कोई दस्तावेज कार्यालय में उपलब्ध नहीं है। अधिकारी सूचना के अधिकार से मिले रिपोर्ट को भी दरकिनार कर देते हैं।

ऐसे हुआ खुलासा

विदित हो कि राजपुर थाना क्षेत्र के सैंथू गांव निवासी गणेश चौबे की जमाबंदी को इसी तरह के चकबंदी आदेश के तहत सीओ ने रद्द कर दिया था। पीड़ित ने डीएम से लेकर एडीएम कोर्ट तक का चक्कर लगाया था। अंत में उन्हें एडीएम कोर्ट से राहत मिली थी। उनके नाम पर जमाबंदी पुनः बहाल हुआ था। इसी बीच विरोधी ने कुछ जमीन भी बेच दिया था। इसी बीच सदर एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा ने चकबंदी कार्यालय से प्राप्त रिपोर्ट को दरकिनार कर दिया था। वाद के फैसला के आधार पर अपना निर्णय दे दिया था।

एक नजर

कल से सिमरी बाजार में अतिक्रमणकारियों के खिलाफ प्रशासन का चलेगा बुलडोजर

सिमरी। प्रखंड मुख्यालय बाजार अतिक्रमण के कारण भारी जाम की समस्या से विगत कई वर्षों से कहार रहा हैं। हालांकि स्थानीय प्रशासन की ओर से अनेक बार सड़क किनारे किये गए अतिक्रमण को हटाया गया। लेकिन पुनः अतिक्रमणकारियों ने उसे कब्जे में लेकर परेशानी का सबब बना देते है, लेकिन अब अंचल कार्यालय की ओर से मुख्यालय बाजार के सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा जमाने वाले के खिलाफ सामत की नोटिस जारी कर दिया है। इस संबंध में अंचलाधिकारी भगवती शंकर पाण्डेय ने सड़क किनारे अवैध रूप से सरकारी जमीन पर मालिकाना हक दिखाने वाले लोगों को नोटिस देकर 07 जनवरी तक अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया हैं। अतिक्रमण नोटिस में उल्लेख कि गई है कि यदि निर्धारित तिथि पर अतिक्रमणकारियों के द्वारा सरकारी जमीन स्वतः खाली नहीं कि जाती है तो अंचल प्रशासन के द्वारा सरकारी जमीन के जद में आने वाले दुकान, मकान, रेस्टोरेंट पर बुलडोजर चलाया जायेगा बहरहाल प्रशासन की तरह की इस कार्यवाही से शायद लोगों की तकलीफे कम होने की संभावना है, लेकिन अचानक प्रशासन को इस तरह एक्टिव होना कहीं ना कहीं मुख्यमंत्री के संभावित यात्रा से जोड़ा जा रहा है।

धनसोई में खाना बनाते समय सिलिंडर ब्लास्ट, बाल-बाल बची महिलाएं

बक्सर। जिले के धनसोई थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव में रविवार की देर शाम खाना बनाते समय गैस का सिलिंडर ब्लास्ट हो गया। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नही हुआ सभी महिलाएं बाल-बाल बच गई। लेकिन इस घटना में भयंकर आग लग गई। जिसमें घांस-फूंस की झोपड़ीं व अन्य सामान जल गए। हालांकि, सूचना पर पहुंचे अग्निशमक दलों के कड़ी परिश्रम के बाद आग पर काबू पाया गया। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार धनसोई निवासी गुड्डू साह के घर मे महिलाएं खाना बनाने जा रही है। हालांकि, गैस सिलिंडर लीक हो रहा था। जिसकी महिलाओं ने ध्यान नही दिया गया। और आग जला दी। हालांकि, पहले सिलिंडर को बुझाने का प्रयास किया गया। लेकिन सिलिंडर की आग फैलते-फैलते झोपड़ीं को पकड़ लिया। स्थिति भयावह होते देख महिलाएं बच्चों को लेकर बाहर भाग गई और चिल्लाना शुरू किया। लोग इकठ्ठा हुए लेकिन, आग का विकराल रूप देख ग्रामीणों ने पुलिस व अग्नि शमक दल को सूचित किया। जहा पहुंचे अग्नि शमक दलों के कड़े परिश्रम के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में आग से झोपड़ी जलकर स्वाहा हो गई। वही, अन्य सामानों के जलने का आंकड़ा लगाया जा रहा है।

नैनीजोर में मिला अधेड़ का शव, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

नैनीजोर थाना क्षेत्र के ढाबी व गजाधर बाबा के डेरा गांव के दियारा इलाके में एक अधेड़ का शव मिला है। रविवार की शाम ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुट गई है। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। उसकी उम्र 50 वर्ष के आसपास है।

ग्रामीण सूत्रों की माने तो मृतक मानसिक रूप से विक्षिप्त था तथा पिछले चार-पांच दिनों से ढाबी व गजाधर बाबा के दियारा इलाके में दिखाई पड़ रहा था। आशंका जताई जा रही है कि ठंड लगने से उसकी मौत हुई होगी। हालांकि, पुलिस अभी उसके मौत 3के कारणों पर कुछ नहीं बता पा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। गौरतलब हो कि पिछले कुछ दिनों से जिला शीतलहर की चपेट में है, ऐसे में ठंड लगने से उसकी मौत होने से इनकार नहीं किया जा सकता है। नैनीजोर थानाध्यक्ष मोहम्मद फिरोज आलम ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और पहचान का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है कि उसकी मौत कैसे हुई है।

छतनवार में उत्तर प्रदेश की पुलिस टीम पर हमला: कई पुलिस जवान जख्मी, ग्रामीणों ने पुलिस वाहन भी तोड़ा

केटी न्यूज/डुमरांव

इस वक्त की एक बड़ी खबर कृष्णा ब्रह्म थाना क्षेत्र के छतनवार गांव से आ रही है, जहां ग्रामीणों ने छापेमारी करने आई यूपी पुलिस की टीम पर हमला कर दिया है। ग्रामीणों के इस हमले में यूपी पुलिस के पदाधिकारी व जवान जख्मी हुए हैं। ग्रामीणों ने पुलिस वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है।

घटना रविवार देर शाम की है। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच तथा आवश्यक कार्रवाई में जुट गई है। हालांकि छापेमारी से पहले यूपी पुलिस ने स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी नहीं दी थी। जानकारी के अनुसार सोमवार की देर शाम यूपी पुलिस छतनवार गांव के कुख्यात बाइक चोर अपराधी धर्मराज यादव और टीनिल यादव के घर छापेमारी करने आई थी। यूपी पुलिस ने छापेमारी से पहले इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को नहीं दी थी। जैसे पुलिस टीम ने छापेमारी शुरू किया, उसके परिजनों समेत कुछ ग्रामीणों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। इस हमले में एक पुलिस पदाधिकारी राजू राय के हाथ में गंभीर चोट की बात बताई जा रही है। वहीं कुछ सिपाहियों को भी चोटे आई है, जबकि पुलिस वाहन का शीशा टूट गया है। डुमरांव सीडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल आरोपित फरार है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। वहीं, घायल जमीदार का इलाज चल रहा है।

मशाल प्रतियोगिता, नया भोजपुर उर्दू मध्य विद्यालय में आयोजित हुआ बैटरी टेस्ट

चयनित छात्रों का प्रतियोगिता के लिए कराया जाएगा रजिस्ट्रेशन

- विभिन्न विधाओं में खिलाड़ियों का लिया गया ट्रायल, ओलंपिक मेडल लाना है उदेश्य

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले में आयोजित मशाल खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत आज उर्दू मध्य विद्यालय नया भोजपुर में प्रधानाध्यापक अब्दुल बारी अंसारी के नेतृत्व में बैटरी टेस्ट का सफल आयोजन किया गया।

इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक, नोडल शिक्षक और कंप्यूटर जानकार शिक्षक के नेतृत्व में कबड्डी, एथलेटिक्स, साइकिलिंग, वालीबॉल, क्रिकेट बॉल थ्रो आदि का ट्रायल लिया गया। बैटरी टेस्ट के लिए वर्ग 5 से वर्ग 8 के विद्यार्थियों को शामिल किया गया था।

जिला से मशाल प्रतियोगिता में सहयोगी शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि भी इस आयोजन में मुख्य रूप से शामिल रहे। डॉ. मनीष ने बताया कि राज्य सरकार व शिक्षा विभाग द्वारा आगामी ओलंपिक प्रतियोगिता में अधिक से अधिक मेडल लाने के लिए खिलाड़ियों को तराश रही है। इसी उदेश्य से मशाल प्रतियोगिता का आयोजन सभी स्कूलों में कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चयनित छात्रों का रजिस्ट्रेशन इस प्रतियोगिता के लिए कराया जाएगा। छात्रों को विद्यालय स्तर से लेकर जिला स्तर तक कई बार खेल प्रतियोगिता के माध्यम से ट्रायल लिया जाएगा तथा अंत में उन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मशाल प्रतियोगिता के तहत पांच विधाओं में खिलाड़ियों के खेल कौशल व दमखम का परीक्षण किया जा रहा है, ताकी ओलंपिक प्रतियोगिता में ये छात्र मेडल ला सकें।

प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच काफी उत्साह, उमंग और जोश का वातावरण देखा गया। बता दें कि 28 दिसंबर से 9 जनवरी के बीच पंजीयन और बैटरी टेस्ट विद्यालय प्रशासन को कराना है। जबकि 7 से 9 जनवरी 25 के बीच इस प्रतियोगिता को विद्यालय प्रशासन द्वारा आयोजित करना है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा मोहम्मद शारिक अशरफ ने बताया कि मशाल प्रतियोगिता विद्यालयों में ऑफलाइन मोड में अंडर 14 और 16 के अंतर्गत आयोजित करना है। विद्यालय प्रशासन द्वारा पूरी रिर्पोटिंग ऑनलाइन मोड में 9 जनवरी के पहले निश्चित रूप से हो जाना है।

मौके पर प्रधानाध्यापक के अलावे मो. नैमुल्ला, मो. यूसुफ कुरेशी, मो. असलम, मो. वजीर खान, कमर सुभाना कुरैशी, अफसाना खातून, कार्मेल पीटर, अफरोज, नोडल शिक्षक वजीर खान, कंप्यूटर जानकार शिक्षक शम्स अफरोज, जुबैर आलम, इत्यादि उपस्थित थे।

किला मैदान से गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का होगा लाइव स्ट्रीमिंग, सभी व्यवस्था करें पूरी: डीएम

- गणतंत्र दिवस की तैयारियों को ले डीएम-एसपी ने किया संयुक्त बैठक
- सभी मातहतों को दिए आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के द्वारा संयुक्त रूप से गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन के लिए समाहरणालय सभाकक्ष बक्सर में बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अपने-अपने कार्यालय में झंत्डोत्तोलन का स्थल निर्धारित करते हुए ससमय झंत्डोत्तोलन कराएंगे एवं इसके लिए एक कर्मी को प्राधिकृत करेंगे।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति किला मैदान बक्सर में झंत्डोत्तोलन एवं गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मंच स्थल पर झंत्डोत्तोलन के लिए आवश्यक तैयारी की जिम्मेवारी पुलिस केंद्र बक्सर को दी गई। डीएम ने जिला जन संपर्क पदाधिकारी को निर्देशित किया कि नजारत उप समाहर्ता बक्सर से समन्वय स्थापित कर किला मैदान में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का लाइव स्ट्रीमिंग कराने की सभी व्यवस्था करेंगे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रस्तुत किए जाने वाले झांकियों की तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी ने सभी विभागों से जानकारी प्राप्त की।

महादलित टोलों की सूची उपलब्ध कराएं

डीएम ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति सभी जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा महादलित टोले में झंडतोलन किया जाएगा। इसके लिए जिला कल्याण पदाधिकारी बक्सर को निर्देश दिया गया कि महादलित टोला एवं संबंधित विकास मित्र की सूची उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि बक्सर जिला अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले आमजनों, कर्मियों, पदाधिकारियों को किला मैदान में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया जाएगा। प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा बक्सर को निर्देश दिया गया कि सभी विभागों से उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों की सूची प्राप्त करेंगे।

डीडीसी तय करेंगे किला मैदान में निकलने वाली झांकी : उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल को निर्देशित किया गया कि प्रस्तुत किए जाने वाले झांकियों का चयन एवं प्रस्तुतीकरण की तैयारियों का अनुश्रवण करेंगे। वहीं, जिलाधिकारी ने एनएसएस व एनसीसी स्काउट गाइड एवं अन्य प्लाटून को परेड में सम्मिलित कराने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि परेड में एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस व स्काउट के वोलंटियर के अलावे विभिन्न स्कूल कॉलेजों के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। इसकी जिम्मेवारी शिक्षा विभाग की होगी। वहीं, पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने परेड संचालन, प्लाटून एवं अन्य तैयारियों के संबंध में संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया।

ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव आदि कराना सुनिश्चित करें : सभी कार्यपालक पदाधिकारी नगर निकाय बक्सर जिला को निर्देश दिया गया कि 26 जनवरी के पूर्व सभी मार्गों की साफ-सफाई के साथ चुना एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव आदि कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही गणतंत्र दिवस के पूर्व मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों, प्रतिमा स्थलों पर साफ सफाई, तिरंगा लाइटों, देशभक्ति गीत के प्रबंध हेतु तैयारिया करेंगे। कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर को निर्देश दिया गया कि किला मैदान में आयोजित कार्यक्रम के मद्देनजर सभी मुख्य मार्गों, चौक चौराहा एवं कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई करना सुनिश्चित करेंगे।

बैठक में डीडीसी, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच), एसडीएम डुमरांव, एसडीपीओ सदर, पुलिस उपाधीक्षक यातायात थाना, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित), प्रभारी पदाधिकारी जिला सामान्य शाखा बक्सर, जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

नासूर बना जतकुटवा बस्ती के पास लगा मोटर पंप, फटे पाइप से मुख्य पथ जलमग्न

पीएचईडी की लापरवाही: हर दिन बर्बाद हो रहा हजारों लीटर पेयजल, जर्जर हो चुकी है सड़क

- वार्ड 18 के अंतर्गत आता है जतकुटवा बस्ती, बस्ती वालों का घर से निकलना हुआ मुश्किल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 18 में सात निश्चय योजना के तहत पीएचईडी विभाग द्वारा बनवाया गया जलमीनार जलापूर्ति के बदले लोगों के परेशानी का सबव बन गया है। जलापूर्ति के लिए बिछाए गए पाइप के फटने से हर समय मुख्य पथ पर जलजमाव बना रहता है। आलम यह है कि अब इस पानी से जतकुटवा बस्ती के आधा दर्जन से अधिक घर घिर चुके है, जिससे लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। इस कारण बस्ती वालों में इस व्यवस्था के प्रति गहरा आक्रोश है।

वहीं, मुख्य पथ पर पानी जमा रहने से कुछ माह पूर्व बनी यह सड़क भी जर्जर हो गड्ढें में तब्दील होने लगी है। जिससे आवागमन में कठिनाई हो रही है। इस जगह पर जलजमाव, कीचड़ व गड्ढें के कारण हर दिन बाइक चालक फिसलकर गिर रहे है। बस्ती वालों का कहना है कि पिछले एक पखवाड़े से यह स्थिति बनी हुई है। जिससे जीवन नारकीय बन गया है।

सिर्फ गड्ढा खोद उसे यूं ही छोड़ का भागे मिस्त्री : बस्ती वालों ने बताया कि इसकी शिकायत नगर परिषद प्रशासन से की गई है। तीन दिन पूर्व मरम्मत के लिए मिस्त्री आए थे, लेकिन वे सिर्फ गड्ढा खोद उसे यूं ही छोड़ दिए है। जिससे जलजमाव की समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है। बस्ती के सुदर्शन गुर्जर ने बताया कि इसका पाइप काफी जर्जर है तथा हर कुछ दिन के बाद पाइप फट जाता है, जिससे जलजमाव की समस्या गंभीर हो जाती है। राजेश गुर्जर का कहना है कि इस भीषण ठंड के मौसम में घर के बाहर जलजमाव से बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका असर पड़ रहा है। जबकि स्थानीय निवासी संटू मित्रा, मंटू सिंह, सुरेन्द्र पाल, सरीखे लोगों का कहना है कि पीएचईडी की लापरवाही से हर दिन हजारों लीटर पेयजल सड़क पर गिर बर्बाद हो रहा है तथा इससे सरकार की महत्वपूर्ण जल जीवन हरियाली योजना पर भी बट्टा लग रहा है। बता दें कि राज्य सरकार एक तरफ जल जीवन हरियाली योजना के तहत जल संरक्षण की कवायदे कर रही है तो दूसरी तरफ डुमरांव में नगर पीएचईडी की लापरवाही से हर दिन हजारों लीटर पानी जमीन पर गिर बर्बाद हो रहा है तथा इससे सड़क भी जर्जर हो रही है। जिस कारण लोगों में गहरा आक्रोश है।

मरम्मत भी नहीं कराता है पीएचईडी : स्थानीय निवासियों ने बताया कि यहां हर कुछ समय के बाद पाइप फटता है, लेकिन पीएचईडी विभाग कभी इसकी मरम्मत भी नहीं कराता है, बल्कि शिकायत करने पर नगर परिषद प्रशासन ही इसका मरम्मत कराता है। जबकि पीएचईडी द्वारा इसे नगर परिषद को हैंड ओवर भी नहीं किया गया है। जिससे मरम्मत की जिम्मेवारी पीएचईडी की है।

जलपुत्र ने जताई नाराजगी : जलपुत्र के नाम से विख्यात व नगर परिषद के स्वच्छता व जल जीवन हरियाली योजना के ब्रांड एंबेसडर बनाए गए अजय राय ने भी इस लापरवाही पर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि पेयजल का हर बुंद अनमोल है। फटे पाइप के कारण कई दिनों से यहां पेयजल बर्बाद हो रहा है, यह गंभीर मामला है। संबंधित विभाग को इसे शीघ्र संज्ञान में ले पाइप को बदलना चाहिए। अजय ने कहा कि इसकी शिकायत जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल से की जाएगी।

घटिया सामग्री इस्तेमाल की हो रही है शिकायत

स्थानीय निवासिययों का कहना है कि सात निश्चय योजना के तहत इस इस जलग पर मोटर पंप पीएचईडी विभाग द्वारा बनवाया गया था, लेकिन पंप के शुरू होते ही कुछ दिनों के बाद से ही जलापूर्ति वाले पाइप फटने लगे। जिससे जलजमाव की समस्या गंभीर होने लगी है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि जलापूर्ति के लिए बिछाए गए पाइप मानक के अनुरूप नहीं थे, जिस कारण पाइप बिछाने के साथ ही फटना शुरू हो गए थे। जिस कारण कुछ दिनों के बाद इस पंप से जलापूर्ति के दायरे को घटना सिर्फ जतकुटवा बस्ती तक ही सीमित कर दिया गया। जबकि पहले इस पंप से कमल नगर कॉलोनी व स्टेशन रोड में मंदिर के आस पास तक जलापूर्ति होती थी, लेकिन लगातार पाइप फटने की शिकायत के बाद विभाग द्वारा पाइप बदलने की बाजए इसका दायरा ही सिमटा दिया गया, बावजूद समस्या से निजात नहीं मिल सका।

नगर परिषद को हैंड ओवर नहीं किया गया

"पीएचईडी द्वारा अभी इसे नगर परिषद को हैंड ओवर नहीं किया गया है। बावजूद कई बार नगर परिषद अपने संसाधन से इसकी मरम्मत कराते रहता है। जल्दी ही इसका मरम्मत कराया जाएगा। - मनीष कुमार, ईओ, नप, डुमरांव

एक नजर

महर्षि श्याम सुन्दर दास स्टेडियम में क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ भव्य समापन

चक्की। लक्ष्मण डेरा के महर्षि श्याम सुन्दर दास स्टेडियम में आयोजित क्रिकेट टूनामेंट का समापन रविवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ हुआ। फाइनल मैच में बलिया टीम और सोन हरदेव इंटरनेशनल स्कूल, चक्की के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। बलिया टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 130 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में सोन हरदेव इंटरनेशनल स्कूल की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया लेकिन 128 रन पर सिमट गई और बलिया टीम ने तीन रन से यह मुकाबला जीत लिया। मैच के मुख्य अतिथि बक्सर सांसद सुधाकर सिंह और ब्रह्मपुर विधायक शंभू नाथ यादव ने अपने संबोधन में खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देना बेहद जरूरी है। उन्होंने स्टेडियम में लाइट और सड़क निर्माण का आश्वासन देते हुए राज्य सरकार की नीतियों पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और गंभीरता की जरूरत है। टूनामेंट में कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बलिया टीम के दिनेश सिपाही को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए ह्यमैन ऑफ द सीरीजह्ण चुना गया, जबकि ह्यमैन ऑफ द मैचह्ण का खिताब सोन हरदेव इंटरनेशनल स्कूल के सत्येंद्र यादव को मिला। टूनामेंट 12 ओवरों का था और इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक स्टेडियम में उपस्थित रहे। क्रिकेट आयोजन समिति के सदस्य पवन कुमार पासवान और मणिकांत यादव ने बताया कि हर साल इसी तरह के टूनामेंट का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस टूनामेंट का उद्देश्य युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करना और उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करना है। आयोजन समिति के अन्य सदस्यों में उमेश, उमाशंकर, प्रमोद, अनीश, जितेंद्र, शेखर, दीपक, सुनील, राकेश, बाघ यादव, संजय, राहुल, सोनू और अजय का विशेष योगदान रहा।

जवाहर नवोदय विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों के लिए एलुमनी मीट का आयोजन

नावानगर। रविवार को नावानगर स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में यहां पढ़ चुके पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं का एलुमनी मीट समारोह पूर्वक किया गया। इस अवसर पर विद्यालय से पास कर चुके छात्र-छात्राओं को विद्यालय प्रशासन की तरफ से आमंत्रित किया गया था। इस विद्यालय से पास हो चुके सभी छात्र-छात्राएं अपनी पुरानी यादों को एक बार फिर से जीने के लिए सुबह से ही पहुंचने लगे थे। उनके पहुंचने के पश्चात उनके जलपान का प्रबंध किया गया था। इसके तत्पश्चात एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया, जिसकी शुरूआत विद्यालय के प्राचार्य ने सब खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर विधिवत रूप से किया। दोपहर के समय सभी छात्र-छात्राओं ने भोजन ग्रहण किया। शाम में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम सह मिलन समारोह आयोजित किया गया।

26 जनवरी की परेड में शामिल होंगे बक्सर से अभिराम व डुमरांव से अजय राय समेत तीन युवा

- सामाजिक मसलों के साथ जल व पर्यावरण संरक्षण की कवायदों सहित सामाजिक कार्यो के लिए किया गया है चयन

केटी न्यूज/डुमरांव

इस बार 26 जनवरी को दिल्ली के लालकिले पर होने वाले गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए जिले के तीन होनहार युवाओं को आमंत्रण पत्र मिला है। केन्द्र सरकार द्वारा इनके बेहतर सामाजिक कार्यों से प्रभावित हो गणतंत्र दिवस परेड में आमंत्रित सदस्य के तौर पर चयनित किया गया है। जिला गंगा समिति के अध्यक्ष सह डीएम अंशुल अग्रवाल ने इस संबंध में तीनों चयनित युवाओं को पत्र भेज इसकी जानकारी दी है।

चयनित होने वाले युवाओं में जलपुत्र के नाम से विख्यात अजय राय, बक्सर के अविराम सुंदर व अहिरौली के विकास कुमार चौबे शामिल है। इनमें अविराम सुंदर को लोकसभा चुनाव के दौरान ब्रांड एंबेसडर बनाया गया था, जबकि अजय राय को डुमरांव नगर परिषद ने स्वच्छता व जल जीवन हरियाली योजना का ब्रांड एंबेसडर बनाया है, वही विकास कुमार चौबे भी पिछले छह-सात सालों से पर्यावरण संरक्षण से जुड़े है।

अजय ने इस संबंध में बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने का मौका मिलना उनके लिए गर्व की बात है। बता दें कि अजय लंबे समय से डुमरांव में जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े है। इसके अलावे वे पूर्व में दलित बस्ती के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने काम भी करते थे। अजय ने बताया कि पर्यावरण व जल संरक्षण उनकी फितरत है। वे युवाओं को जल व पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित भी करते है। उनके गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने का आमंत्रण मिलने से डुमरांव के युवाओं में खुशी की लहर दौड़ गई है।

डुमरांव में मनाई गई पूर्व महाराज की पूण्यतिथि, बोले युवराज...

डुमरांव में औद्योगिक इकाईयों व शिक्षण केन्द्रों के जनक थे स्व. महाराजा बाहादूर कमल सिंह

- वक्ताओं ने महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर डाला प्रकाश

केटी न्यूज/डुमरांव

महाराजा बहादूर कमल सिंह डुमरांव में औद्योगिक इकाईयों के जनक थे, उन्होंने अपने जीवन काल में जन कल्याण के उदेश्य से कई स्कूलों व अस्पतालों का निर्माण करवाया था। आज भी उनके समय के बनवाए गए स्कूल व अस्पताल मौजूद है। उक्त बातें राज परिवार के चंद्रविजय सिंह ने रविवार को राज अस्पताल परिसर में कही। अवसर था स्व. महाराजा बहादूर के पूण्यतिथि समारोह का।

राज अस्पताल में प्रथम लोक सभा के सदस्य रहे व डुमरांव रियासत के महाराजा स्व. कमल सिंह की पूण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंद्रविजय सिंह ने किया। इस दौरान उनके तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।

पूण्यतिथि समारोह को संबोधित करते हुए राज परिवार के शिवांग विजय सिंह ने कहा कि उनके दादा आजीवन जन कल्याण के कार्यों से जुड़े रहे। उनका एक विजन था, विकसित व समृद्ध डुमरांव बनाने का। इस उदेश्य को पूरा करने के लिए उन्होंने डुमरांव में सूत मिल की नींव रखी थी, जो सूबे बिहार का पहला टेक्सटाईल इंडस्ट्रीज था। इसके अलावे उन्होने कोल्ड स्टोरेज सहित कई छोटे बड़े उद्योगों की स्थापना कर हजारों लोगों को रोजगार दिए थे। महाराजा ने डुमरांव के अलावे बक्सर, आरा सहित कई अन्य जगहों पर भी शैक्षणिक संस्थानों के लिए जमीन दान किये थे।

वहीं, नगर परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता ने कहा कि महाराजा बहादूर स्व. कमल सिंह एक कुशल प्रशासक, नेक दिल इंसान, विकास की सोंच रखने वाले तथा सबसे बढ़कर डुमरांव के अभिभावक थे। वे हमेशा लोगों को अच्छा करने के लिए प्रेरित करते थे। उन्होंने कहा कि उनके निधन से जो क्षति पहुंची थी, उसकी भारपाई आजतक नहीं हो पाई है। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता रिंकू पांडेय, राजन तिवारी, अजगैबी समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

आठ मवेशी लदा पिकअप दुर्घटनाग्रस्त, सात घायल

गिरीडीह, एजेंसी। इस सूचना मिलते ही तिसरी पंचायत के मुखिया शिवाधीश राय और उनके साथ कई ग्रामीण व तिसरी थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। सभी घायलों को तिसरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को गिरिडीह रेफर कर दिया गया। वहीं दुर्घटनाग्रस्त वाहन व मवेशी को थाना लाया गया और पुलिस जांच पड़ताल में जुट गयी है। हादसे में देवरी प्रखंड के ग्राम ढेंगाडीह निवासी रजेश वर्मा पिता दामोदर वर्मा उम्र लगभग 24 वर्ष, अजय राणा पिता रहदेव राणा उम्र लगभग 27 वर्ष, भरत वर्मा पिता मिस्त्री वर्मा उम्र 28 वर्ष, निरंजन वर्मा पिता अक्सु महतो उम्र 17 वर्ष, कृष्णा वर्मा पिता रामलाल महतो उम्र 40 वर्ष, प्रभु राणा पिता रामनेम राणा उम्र 40 वर्ष और हड्डी बाजार गिरिडीह निवासी 70 वर्षीय श्यामबाबू यादव पिता स्व हरवंश यादव गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जाता है कि सभी बिहार के छपरा से ही मवेशियों को झारखंड के गिरिडीह ला रहे थे।

छात्र केवल राष्ट्रीय पर्वों में भाग लेंगे, अन्य रैलियों से दूर रहेंगे

धनबाद, एजेंसी। झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (जेसीईआरटी) ने सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और अल्पसंख्यक विद्यालयों के लिए एकीकृत वार्षिक अवकाश तालिका जारी की है। सहायक निदेशक बांके बिहारी सिंह ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों व और जिला शिक्षा अधीक्षकों को पत्र लिखकर इस संबंध में निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि विद्यालयों का संचालन अब इस तालिका के अनुसार होगा। नयी तालिका के तहत कुल 60 दिन का अवकाश निर्धारित किया गया है। हालांकि, यह तालिका आवासीय विद्यालयों पर लागू नहीं होगी। राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन सभी विद्यालयों में अनिवार्य रूप से किया जाएगा। लेकिन, इसके अलावा किसी अन्य अवसर पर आयोजित रैली या प्रभातफेरी में छात्रों को भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं जिला और राज्य स्तर पर प्राप्त विभागीय आदेशों या शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार, यदि किसी विशिष्ट दिवस या समारोह का आयोजन आवश्यक हो, तो इसे विद्यालय के नियमित शिक्षण समय (अपराह्न तीन बजे) के बाद ही किया जाएगा।

सांसद ढुलू महतो के मामले में फैसला आज को

धनबाद, एजेंसी। नाजायज मजमा लगाकर मंत्री का पुतला दहन करने, जदयू कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट कर जख्मी करने और सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के मामले में शनिवार को एमपी-एमएलए के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अर्पिता नारायण की अदालत में सुनवाई पूरी हो गई। सुनवाई के दौरान सांसद समेत अन्य आरोपी उपस्थित नहीं थे। कोर्ट ने नामजद सभी आरोपियों को सशरीर उपस्थित रहने का आदेश दिया। अदालत ने फैसले के लिए तिथि निर्धारित की है। कतरास थाना प्रभारी नीडी सिंह की शिकायत पर कतरास थाने में 25 जून-2006 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी के मुताबिक पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि मंत्री जलेश्वर महतो और बीडीओ के पुतला दहन का कार्यक्रम किया जा रहा है, जिसके लिए अनुमति नहीं ली गई थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस का मुराईडीह कोयला भी पथ के सामने पहुंचा। ढुलू महतो के नेतृत्व में 25-30 कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए वहां आए और अचानक उग्र हो गए। 19 फरवरी-2019 को पुलिस ने ढुलू महतो, उनके भाई शरद महतो, तनवीर आलम, सब्बू अंसारी, सुरेश साव, कारू महतो, अजय गोराई, अजय महतो, किरण महतो, राजकुमार राय व बबलू महतो के विरुद्ध आरोप-पत्र दायर किया था। अभियोजन ने तीन गवाहों की गवाही कराई थी।

भतीजी के साथ दुष्कर्म मामले में चाचा दोषी करार

रांची, एजेंसी। रांची सिविल कोर्ट ने नाबालिग भतीजी के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी मांडर निवासी हुसैन उरांव को दोषी करार दिया है। पोक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश की कोर्ट हुसैन को 10 जनवरी को सजा सुनाएगी। घटना को लेकर पीड़िता ने मांडर थाना में अप्रैल 2019 में हुसैन के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के मुताबिक दोषी अपनी भतीजी के साथ किसी रिश्तेदार के यहां गया था। वहां से लौटते समय उसने भतीजी के साथ नदी किनारे ले जाकर जबरदस्ती की थी। घटना के दो दिनों बाद पीड़िता ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

ठंड को देखते हुए झारखंड सरकार का फैसला

8वीं तक के स्कूल 13 जनवरी तक बंद

रांची, एजेंसी। झारखंड समेत उत्तर भारत में शीतलहर और कोहरे का प्रकोप जारी है। बढ़ती ठंड को देखते हुए राज्य भर के सभी स्कूल के केजी से लेकर आठवीं तक के स्कूल 13 जनवरी तक बंद रहेंगे। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने शनिवार को पत्र जारी किया। इसमें कहा गया है कि नौवीं से 12वीं तक की कक्षाएं पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित होंगी। बता दें कि शीतकालीन अवकाश के बाद कई स्कूल सोमवार से खुलने वाले थे, जबकि कुछ स्कूल तीन जनवरी को ही खुल चुके हैं। लेकिन, शिक्षा विभाग के नए आदेश के बाद सोमवार को भी स्कूल बंद रहेंगे। पत्र में कहा गया है कि अवकाश के दौरान, प्राचार्य, शिक्षक और कर्मचारी नियमित विद्यालय आकर अन्य दैनिक कार्यों को पूरा करेंगे। यू-डायस प्लस, अपार आईडी जेनरेशन और हाफ ईयरली सर्वे नियमित रूप से करना है। 9वीं से 12वीं की कक्षाएं पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित होंगी

विमान सेवा और ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित

कोहरे के कारण शनिवार को रांची आने वाले कई विमान और ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ। दिल्ली से 2.20 बजे रांची एयरपोर्ट आना वाला इंडिगो का विमान रद्द रहा। वहीं दिन में 11.20 बजे बेंगलुरु से रांची आने वाला एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान डेढ़ घंटे देर पहुंचा। पटना का विमान दो घंटे लेट पहुंचा। शाम को 5.55 में आने वाला एयर इंडिया एक्सप्रेस भी दो घंटे देर पहुंचा। ट्रेनों की बात करें तो पटना से आने वाली इस्लामपुर-हटिया एक्सप्रेस तीन घंटे, एलेप्पी-धनबाद ट्रेन दो घंटे, हावड़ा-हटिया क्रियायोग दो घंटे, धनबाद-भुवनेश्वर गरीब रथ 2:30 घंटे देरी से रांची पहुंचा। और जम्मूतवी-संबलपुर चार घंटे देरी से रांची पहुंची।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिन आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे, जिससे थोड़ी राहत की उम्मीद है। वहीं तीन दिन बाद यानी आठ जनवरी से ठंड में वृद्धि हो सकती है। कनकनी बढ़ेगी। शनिवार को कांके का न्यूनतम पारा 3 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं मैक्लुस्कीगंज का 5, लोहरदगा का 6 और रांची का न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री रहा। रांची को छोड़कर राज्य के अन्य जिलों में न्यूनतम तापमान कम रहने से कनकनी जारी रही। वहीं दिन के अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई।

आगे क्या दो दिन आंशिक बादल छाए रहेंगे

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिन आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे, जिससे थोड़ी राहत की उम्मीद है। वहीं तीन दिन बाद यानी आठ जनवरी से ठंड में वृद्धि हो सकती है। कनकनी बढ़ेगी। शनिवार को कांके का न्यूनतम पारा 3 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं मैक्लुस्कीगंज का 5, लोहरदगा का 6 और रांची का न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री रहा। रांची को छोड़कर राज्य के अन्य जिलों में न्यूनतम तापमान कम रहने से कनकनी जारी रही। वहीं दिन के अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई।

बिजली एरिया बोर्ड में बिलिंग फिर हो सकती है ठप

धनबाद, एजेंसी। दो माह के बकाया मानदेय का भुगतान नहीं होने पर सिस्टम डिविजन के अधीन दर्जनों ऊर्जा मित्र शनिवार को हड़ताल पर चले गए। कार्यपालक व सहायक अभियंता को लिखित रूप से सूचना दी गई है। वहीं धनबाद एरिया बोर्ड के अधीन ऊर्जा मित्र भी हड़ताल पर जाने की रणनीति बना रहे हैं। अगर ऐसा हुआ तो धनबाद में एक बार फिर बिलिंग पूरी तरह से ठप हो जाएगी। इससे उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ जाएगी।

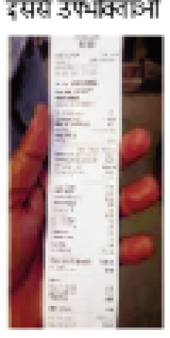

52 दिन हड़ताल पर थे ऊर्जा मित्र: ऊर्जा मित्रों का कहना है कि बकाया मानदेय भुगतान की मांग को लेकर एक अक्तूबर से 22 नवंबर तक हड़ताल पर थे। इस कारण बिलिंग पूरी तरह से ठप हो गई थी। कहा कि अगस्त व सितंबर माह में काम करने के बावजूद बकाया का भुगतान नहीं किया गया। एजेंसी कंपीटेंट/एक्सप्लोर टेक के धनबाद सर्किल हेड प्रवीण गौतम ने बकाया भुगतान को लेकर पांच बार आश्वासन दिया है। इसके बाद धनबाद एरिया बोर्ड के अधीन सभी ऊर्जा मित्र व कंप्यूटर ऑपरेटर हड़ताल पर चले गए। इस बार भी एजेंसी सिर्फ आश्वासन दे रही है। इसको देखते हुए सिस्टम डिविजन के अधीन ऊर्जा मित्र हड़ताल पर चले गए। वहीं पूर्व में हड़ताल खत्म करने के बाद जब ऊर्जा मित्र काम पर लौटे थे। 23 नवंबर से बिलिंग शुरू की। दिसंबर महीने का बिल बनाया। ओवरऑल 71 प्रतिशत बिल बनाया गया। 30 प्रतिशत उपभोक्ताओं का बिल नहीं बना। ऐसे में ऊर्जा मित्र अगर हड़ताल पर जाते हैं, तो उपभोक्ताओं का बकाया अधिक हो जाएगा, जिससे भुगतान में परेशानी होगी। एजेंसी के धनबाद सर्किल हेड प्रवीण गौतम से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

ट्रेन और विमान पर मौसम की मार, यात्री परेशान

रांची, एजेंसी। झारखंड में बदले मौसम और कोहरे की मार ट्रेन और विमान सेवा पर भी पड़ रही है। राजधानी रांची में शनिवार को कोहरे की वजह से ट्रेन और विमान से आने और यहां से जाने वाले यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। एयरपोर्ट पर रेलवे स्टेशन पर घंटों इंतजार करना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी दिल्ली, बेंगलुरु और पटना के विमान यात्रियों को झेलनी पड़ी। कोहरे की वजह से इंडिगो की दिल्ली-रांची फ्लाइट (6ई5071) रद्द कर दी गयी। एक दर्जन से अधिक विमानों की रांची में लैंडिंग घंटों देर से हुई।

इंडिगो की पुणे-रांची फ्लाइट (6E484) सुबह 8:25 बजे की जगह सुबह 8:55 बजे आई। इंडिगो की दिल्ली-रांची फ्लाइट (6ई5044) सुबह 8:40 बजे की जगह सुबह 9:10 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस की मुंबई रांची फ्लाइट (आईएक्स 1237) सुबह 8:20 बजे की जगह सुबह 8:50 बजे, इंडिगो की कोलकाता-रांची फ्लाइट (67561) सुबह 8:50 बजे की जगह सुबह 9:20 बजे, इंडिगो की हैदराबाद-रांची फ्लाइट (6ई421) सुबह 10:20 बजे की जगह सुबह 10:55 बजे, इंडिगो की कोलकाता-रांची फ्लाइट (66152) सुबह 11:50 बजे की जगह दोपहर 12:30 बजे, इंडिगो की कोलकाता-रांची फ्लाइट (6ई198) दोपहर 1:40 बजे की जगह दोपहर 3:00 बजे, इंडिगो की हैदराबाद-रांची फ्लाइट (6ई6083) सुबह 9:00 बजे की जगह सुबह 9:35 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली-रांची फ्लाइट (आईएक्स 1116) सुबह 10:00 बजे की जगह सुबह 10:30 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु-रांची फ्लाइट (आईएक्स 2722) दिन के 11:20 बजे की जगह 11:50 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली-रांची फ्लाइट (आईएक्स 1102) दोपहर 12:50 बजे की जगह दोपहर 1:20 बजे रांची पहुंची।

इंडिगो की पटना-रांची फ्लाइट (6ई6902) दोपहर 1:30 बजे, एयर इंडिया दिल्ली-रांची फ्लाइट (एआई417) दोपहर 3:40 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु-रांची फ्लाइट (आईएक्स 2706) शाम 5:05 बजे, इंडिगो की दिल्ली-रांची फ्लाइट (6ई5044) शाम 6:05 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली-रांची फ्लाइट (आईएक्स 1113) शाम 7:10 बजे और इंडिगो की बेंगलुरु-रांची फ्लाइट (6ई221) रात 9:00 बजे रांची पहुंची।

कोहरे का असर लंबी दूरी की ट्रेनों पर भी पड़ा। नयी दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन 2:15 घंटे विलंब से रांची पहुंची। वहीं, इस्लामपुर-हटिया ट्रेन 7 घंटे देरी से रांची पहुंची। इस कारण यह ट्रेन रात 10:10 बजे रांची से इस्लामपुर के लिए रवाना हुई। जम्मूतवी-संबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन 4 घंटे विलंब से रांची आयी।

28 फीसदी महिला आबादी का सशक्तिकरण किसी सरकार ने नहीं किया, हेमंत सरकार कर रही है

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जन आकांक्षाओं की पूर्ति राज्य सरकार 6 जनवरी को करेगी। हमने जो वादे किये, जिसे लेकर हम लोगों को जन आशीर्वाद मिला, उन्हीं जन आकांक्षाओं की पूर्ति का प्रथम कदम उठाते हुए राज्य सरकार पूरा करेगी। हम लोगों ने चुनाव के पूर्व कहा था कि सामाजिक सुरक्षा हम लोगों का दायित्व है। प्राथमिकताओं में खास कर महिला सशक्तिकरण सर्वोपरि है हम लोगों ने कहा था, दिसंबर से मईयां सम्मान राशि जो पहले 1000 थी, उसे 2500 रुपये कर देंगे।

दिसंबर में 2500 रुपये बहनों के खाते में गये

दिसंबर में 2500 रुपये बहनों के खाते में गये। कहा कि देश में पहली बार कोई सरकार इतनी बड़ी संख्या 56 लाख, जो 2 करोड़ की महिला आबादी का एक चौथाई से भी अधिक होगा। लगभग 28 फीसदी आबादी की आर्थिक सशक्तिकरण का कार्य कोई सरकार नहीं करती है। एक मात्र हेमंत सोरेन की सरकार यह करने जा रही है। वह शनिवार को हमू स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।

जिन बहनों के खाते में दिसंबर में नहीं गयी राशि, उनके खाते में 5000 आयेंगे

उन्होंने कहा कि दिसंबर में जिन खातों में राशि नहीं गयी, जनवरी में उन खातों में वह भी आ जायेंगी। उनमें एक साथ 5000 रुपये आयेंगे। सुप्रियो ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर तंज कसते हुए कहा कि वे भाजपा के बड़े विद्वान हैं। विधानसभा गठन के एक माह से अधिक समय हो गया। किंतु अब तक उन्हें विधायक दल का नेता नहीं मिला है। उन्होंने 3200 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदने की बात कही थी, आरोप लगाया कि उसे पूरा नहीं किया। अपने कार्यकाल में भाजपा बताये कि एमएसपी पर कब धान की खरीदारी की है।

देश में सैकड़ों किसानों की जान चली गयी.

देश में सैकड़ों किसानों की जान चली गयी, कहा कि कृषि मंत्री तीन माह तक झारखंड में थे। भाजपा एक बार फिर से झारखंड में भ्रमजाल फैलाने का कार्य कर रही है। सुप्रियो ने कहा कि चुनाव से पहले भाजपा ने गोगो दीदी योजना के नाम पर फर्जीवाड़ा किया है। उन पैसों की अब रिकवरी कराई जायेगी। उन्होंने कहा कि गोगो दीदी योजना को केंद्र से लागू कर देश भर की सभी महिलाओं को 2100 रुपये दिये जाये।

बोकारो में इस जगह एनआईए की ताबड़तोड़ छापामारी, ग्रामीणों के बीच मचा हड़कंप

बेरमो (बोकारो), एजेंसी। बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड की कई जगहों पर शनिवार सुबह दस बजे के आस-पास नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की छापामारी की गई। जानकारी के अनुसार यह छापेमारी नक्सल गतिविधियों, लेवी और अवैध हथियार रखने की गुप्त सूचना के आधार पर की गई। छापामारी के दौरान कई थानों की पुलिस मौजूद रही।

सूत्रों के अनुसार छापामारी में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है लेकिन कई लोगों के मोबाइल, डायरी आदि जब्त किया गया है। छापामारी के दौरान महिला सुरक्षाकर्मी भी मौजूद रहीं। इस दौरान ग्रामीणों के बीच हड़कंप मच गया।

बता दें कि एक दिन पहले यानी शुक्रवार को ही बोकारो एसपी ने मीटिंग कर कहा था कि कहीं भी विकास कार्यों के दौरान नक्सलियों के द्वारा लेवी या धमकी की सूचना मिलती है तो तत्काल पुलिस को सूचना देने की बात कही थी। इसके अगले ही दिन हुई छापामारी को लेकर इसके तार लेवी से जुड़ा होना माना जा रहा है। धनबाद समेत राज्य भर के सभी सरकारी विभाग के कर्मियों को अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्योरा देना होगा। इसके लिए सरकार के सचिव का आदेश सभी जिला को मिला है।

एक जनवरी से 28 फरवरी तक सभी कर्मियों को एचआरएमएस के माध्यम से आनलाइन चल अचल संपत्ति की जानकारी अनिवार्य रूप से समर्पित करना है। इसके लिए कार्मिक प्रशासनिक विभाग के सचिव प्रवीण कुमार टोप्पो की ओर से सभी जिला को आदेश जारी किया गया है।

संपत्ति का विवरण नहीं जमा करनेवाले कर्मियों की परेशानी बढ़ेगी। समय पर प्रोन्नति मिलना उनके लिए कठिन होगा। संपत्ति का सही आंकड़ा प्रस्तुत नहीं करनेवाले कर्मियों पर विभागीय जांच भी हो सकती है। चतुर्थवर्गीय कर्मियों को छोड़ सभी सरकारी कर्मियों को यह आंकड़ा प्रस्तुत करना होगा। पदाधिकारी हो या फिर कर्मचारी सभी को अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा देना होगा। सरकार के इस कदम से भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में काफी हद तक मदद मिलने की गुंजाइश है। सभी सरकारी विभाग के कर्मियों को संपत्ति की जानकारी एचआरएमएस के माध्यम से आनलाइन जमा करने के लिए कहा गया है। कार्मिक विभाग के आदेश के बाद सभी सरकारी कार्यालय के कर्मियों के बीच संपत्ति विवरण को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

शीतलहर को देखते हुए रांची डीसी का अधिकारियों को जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटने का निर्देश दिया

रांची, एजेंसी। रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने शीतलहर को देखते हुए सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) और अंचल अधिकारियों (सीओ) को विशेष निर्देश दिये हैं। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटने का निर्देश दिया है। साथ ही प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। डीसी ने बेघर लोगों को ठंड से बचाने के लिए उन्हें आश्रय गृहों में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। बता दें कि उपायुक्त खुद प्रति भ्रमण कर व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही जरूरतमंदों के बीच कंबल भी बंटवा रहे हैं।

आवासीय विद्यालय की 350 बच्चियां नदी में स्नान करने को मजबूर, चौंका देगी वजह

शंभू प्रसाद सोनी, कैरो (लोहरदगा)। तस्वीरें सोचने को विवश करती हैं। शिक्षा व्यवस्था की पोल खोलती हैं। बेटियों की सुरक्षा पर सवाल खड़ी करती हैं। आवासीय विद्यालयों में सुविधाएं न सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है।

इसकी बानगी लोहरदगा जिले के कैरो प्रखंड स्थित झारखंड आवासीय विद्यालय में देखने को मिलती है। यहां नामांकित बेटियां नदी में नहाने को विवश हैं। क्योंकि उनके विद्यालय में पानी का घोर अभाव है।

विद्यालय में अध्ययनरत बेटियों का भविष्य नदियों में डुबकी लगा रहा है और विभाग कागजी नैया पर सवार है। लोहरदगा जिले के कैरो प्रखंड स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाली बच्चियों को पानी के लिए नदी और कुएं की दौड़ लगानी पड़ती है। छात्राओं को पेयजल के लिए पानी का जुगाड़ दूर-दराज से करना पड़ता है। विद्यालय में कुल 350 छात्राएं नामांकित हैं। विद्यालय में बोरिंग हुई थी, लेकिन फेल हो गई। इस कारण पानी कम मात्रा में निकलता है। बालिकाओं को स्नान करने, कपड़ा धोने सहित अन्य कार्यों के लिए नदी जाना पड़ता है।

इसलिए, वह विद्यालय में असुरक्षित महसूस करती हैं। इनके अभिभावक भी चिंतित रहते हैं। वे अपनी बेटियों को अकेले नदी तरफ नहीं जाने की सलाह फोन पर भी देते रहते हैं। इस व्यवस्था से अभिभावक आहत हैं। इससे पहले कैरो के इस झारखंड आवासीय विद्यालय का संचालन कुडू में होता था। जिसके बाद कुछ महीनों से विद्यालय का संचालन कैरो-विजुपुर सीमा पर हो रहा है। विद्यालय में पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण बालिकाओं सहित शिक्षकों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ती है। बालिकाओं को विद्यालय के बगल स्थित कुआं या नदी के पानी पर निर्भर रहना पड़ता है।

कैरो-विजुपुर सीमा पर स्थित झारखंड आवासीय विद्यालय में पानी के अलावे अन्य समस्याएं भी हैं। विद्यालय आने-जाने के लिए विद्यार्थी, शिक्षक व अभिभावकों को नदी पार होकर जाना पड़ता है। हालांकि, विद्यालय जाने के रास्ते में पड़ने वाली नदी में पुल निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

लेकिन पुल का निर्माण कार्य काफी सुस्त गति से चल रहा है। बिना संसाधनों के ही आनन-फानन में भवन निर्माण कर दिया गया है। जहां वर्तमान में विद्यालय का संचालन हो रहा है। दो महीने पूर्व पानी की भीषण समस्या के कारण कुछ दिनों के लिए विद्यालय छुट्टी दे दी गई थी। जिसके बाद विद्यालय का संचालन फिर से शुरू हुआ है। पानी के अभाव में अभिभावक भी काफी चिंतित रहते हैं।

राज्यपाल से हाई कोर्ट के जस्टिस ने की मुलाकात

रांची, एजेंसी। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शनिवार को झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस डॉ. एसएन पाठक ने राजभवन में भेंट की। इस दौरान न्यायमूर्ति ने राज्यपाल को स्वरचित पुस्तक न्याय पथ के पथिक भेंट की। राज्यपाल ने पुस्तक रचना के लिए न्यायमूर्ति को बधाई दी और उनकी इस उत्कृष्ट साहित्यिक उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने आशा प्रकट की यह पुस्तक न्यायिक प्रक्रिया, उसके मूल्यों और आदर्शों को समझने में सहायक सिद्ध होगी।

दूसरी ओर, राज्यपाल से श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को नव वर्ष 2025 की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी उन्हें नूतन वर्ष की शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा राज्यपाल से राज्यसभा के पूर्व सदस्य अजय मारू ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। अजय मारू ने राज्यपाल को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी मारू को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

सुभाषितम्

प्रेम करने वाला व्यक्ति कभी भी उद्दंड, अत्याचारी और स्वार्थी नहीं होता।

- महात्मा गांधी

चीन और अमेरिका, मोदी पर भारी पड़े?

चीन ने लद्दाख की सीमा पर एक बार फिर अवैध रूप से घुसपैठ शुरू कर दी है। भारत के केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में चीन ने नए निर्माण शुरू कर दिए हैं। दो नए गांव बना दिए हैं। लद्दाख के लोगों को अब अपने पशुओं को चराने में दिक्कत हो रही है। चीन अवैध कब्जा करने के लिए पहले चार कदम चलकर कब्जा करता है। फिर एक या दो कदम पीछे हटकर अवैध कब्जे को पुख्ता करता है, फिर चार कदम आगे बढ़ता है। चीन की यह प्रवृत्ति कई दशकों से देखने को मिलती रही है। इस बार विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने लद्दाख क्षेत्र में जो अवैध कब्जा चीन ने किया है, उस पर नाराजगी जताई है। चीन ने तिब्बत की सीमा पर बह रही ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने का काम शुरू कर दिया है। जिसके कारण भारत के हितों को आहत करने का काम चीन कर रहा है। लद्दाख के स्थानीय लोग बार-बार केंद्र सरकार को आगाह करते आ रहे हैं। लद्दाख की सीमा पर बड़ी तेजी के साथ चीन अपना अवैध कब्जा बढ़ाता चला जा रहा है। केंद्रीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कुछ साल पहले यह कहकर, भारत से अधिक शक्तिशाली चीन है, हम उससे कैसे लड़ाई कर सकते हैं, अपनी कमजोरी बता दी थी। गलवान में चीन ने जब अवैध कब्जा किया था। उस समय भारत सरकार ने यह कह दिया, ना कोई कब्जा हुआ है, ना कोई कब्जा होने देंगे। उसके बाद से ही चीन ने लद्दाख और तिब्बत में धीरे-धीरे अपना कब्जा बढ़ाना शुरू कर दिया। चीन भारत की कमजोरी को समझ गया है। रही सही कसर अब अमेरिका पूरी कर रहा है। पिछले 10 वर्षों में भारत सरकार की विदेश नीति में बड़े बदलाव हुए हैं। व्यापारिक हितों को देखते हुए भारत सरकार ने रूस, चीन और अमेरिका के साथ अपने फायदे के लिए बार-बार नीतियों में बदलाव किया है। भारत की नीयत परखने के कारण अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप जैसे राष्ट्रपति बनने के पहले ही भारत के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उससे भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है इसे आसानी से समझा जा सकता है। भारत के लिए अमेरिका में प्रतिबंध बढ़ना शुरू हो गई है। रूस से जिस तरह के संबंध पहले भारत के थे। अब वह संबंध नहीं रहे। रूस पर जब अमेरिकी प्रतिबंध लगे, भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल आयात किया, भारी मुनाफा कमाया। यह मुनाफा भारत सरकार को नहीं बल्कि दो मित्रों को हुआ। रूस और अमेरिका को भारत सरकार ने अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। जिसके कारण भारत की विश्वसनीयता और भारत के साथ संबंधों पर इसका असर पड़ा। ऐसा लगता है, वर्तमान में कोई भी महाशक्ति भारत सरकार पर विश्वास नहीं कर पा रही है। अमेरिका, रूस और चीन तीनों से भारत के बड़े आर्थिक और व्यापारिक संबंध हैं। भारत सरकार के लिए तीनों महाशक्तियों के साथ विश्वसनीयता का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। रही सही कसर विश्व गुरु बनने के लिए मोदी और ट्रंप में होड़ लग गई है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आप को विश्व गुरु बताते हैं। विश्व गुरु बनने की आकांक्षा अब डोनाल्ड ट्रंप में भी जाग गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव के समय नरेंद्र मोदी अमेरिका गए थे। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप से बात करना गंवारा नहीं किया। जबकि डोनाल्ड ट्रंप उनसे संपर्क कर रहे थे। जिसके कारण डोनाल्ड ट्रंप और मोदी के रिश्ते में तनाव आया है। जो बयान अभी डोनाल्ड ट्रंप के आ रहे हैं। उससे स्पष्ट रूप से यह समझ आ रहा है, दोस्त दोस्त ना रहा। रही सही कसर एलन मस्क पूरी कर रहे हैं। वर्तमान स्थिति में भारत सरकार को अपनी विदेश नीति और महाशक्तियों के साथ अपने संबंधों को लेकर पुनर्विचार करने की जरूरत है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है। सारे विश्व में आर्थिक मंदी का नया दौर शुरू हो गया है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को सोच समझकर आगे बढ़ना होगा। यही अब समय की पुकार है।

चिंतन-मनन

माँ है तो सबकुछ है

माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं। जो अपनी माँ को प्रसन्न रखता है, वह उसके आशीर्वाद का वरदान भी पाता है। ऐसी परम उपकारी वात्सल्य मूर्ति माँ की आँखों में कभी आँसू नहीं आने देना। जो विनयपूर्वक परमात्मा और सद्गुरु के चरणों में समर्पित हो जाता है, वह सबकुछ पा जाता है। सद्गुरु ज्ञान देते हैं। सद्गुरुरूपी नाविक के साथ भक्तिरूपी नौका में बैठकर इंसान संसार सागर को पार कर लेता है। आज व्यक्ति धन-वैभव का अहंकार करता है, परंतु वह अंत में धराशायी हो जाता है। जिसके जीवन में विनय का गुण है, वह ज्ञान प्राप्त कर सकता है। माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं।

गुरु गोविन्द सिंह जी से लें प्रेरणा

संजय गोस्वामी

गुरु गोविन्द सिंह की जयंती 6 जनवरी, सोमवार के दिन गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती मनाई जा रही है तब श्री गुरु गोविन्द सिंहजी से आज के व्यक्ति प्रेरणा ले क्योंकि आज सभी अपने अपने के स्वार्थ मे लगे हैं और सिखों पर विदेश मे नेता अतिरंजित गलत बयान देते जो उनके जाने बगैर ही आसक्ता आ जाती है हमें गुरु से सीखना चाहिए मैं गलत हो सकता हूँ पर गुरु नहीं जैसा सभी को मालूम है श्री गुरुगोविंद सिंहजी भारत के महान संत और योद्धा दोनों थे वे सभी के प्रति दया के सागर थे क्योंकि जब चमकौर की लड़ाई में मात्र 40 सिख वजीर खान के 10 लाख सैनिकों से लड़ रहे थे तब गुरुजी ने पांच पांच की टुकड़ी बनाई और जब उनका पुत्र साहिब जादा अजित सिंह दुश्मन से लड़ने जा रहे थे तभी एक सेवादार ने कहा कि गुरुजी ये आपका पुत्र है इसे ना भेजें तभी श्री गुरु गोविन्द सिंह जी ने कहा सब मेरे अपने हैं, गुरु गोविंद सिंह सिक्खों के दसवें गुरु थे। वे एक महान शूरवीर और तेजस्वी थे। उन्होंने मुगलों के अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई थी और सत श्री अकाल का नारा दिया था। उन्होंने कायरों को वीर और वीरों को सिंह बना दिया था। काल का अवतार बनकर उन्होंने शत्रुओं के छक्के छुड़ा दिए थे। इस तरह उन्होंने धर्म, जाति और राष्ट्र को नया जीवन दिया था। गुरु जी का जन्म- गुरु गोविन्द सिंह जी का जन्म 22 दिसम्बर, सन 1666 ई० को पटना में हुआ। इनका बचपन का नाम गोविन्द राय रखा गया। इनके पिता नौवें गुरु श्री तेग बहादुर जी कुछ समय बाद पंजाब लौट आए थे। परन्तु वह अपनी माता गुजरी जी के साथ आठ साल तक पटना में ही रहे। तीव्र बुद्धि- गोविन्द राय बचपन से ही स्वाभिमानी और शूरवीर थे। घुड़सवारी करना, शस्त्र चलाना, साथियों की दो टोलियाँ बनाकर युद्ध करना तथा शत्रु को जीतने के खेल खेलते थे। वे खेल में अपने साथियों का नेतृत्व करते थे। उनकी बुद्धि बहुत तेज थी। उन्होंने आसानी से हिन्दी, संस्कृत और फारसी भाषा का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया था। बलिदान के लिए प्रेरित करना- उन दिनों औरंगजेब के अत्याचार जोरों पर थे। वह तलवार के जोर से हिन्दुओं को मुसलमान बना रहा था। कश्मीर में भी हिन्दुओं को जबरदस्ती मुसलमान बनाया जा रहा था। भयभीत कश्मीरी ब्राह्मण गुरु तेग बहादुर जी के पास आए। उन्होंने गुरु जी से हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए प्रार्थना की। गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि इस समय किसी महापुरुष के बलिदान की आवश्यकता है। पास बैठे बालक गोविन्द राय ने कहा, पिता जी, आप से बढ़कर महापुरुष और कौन हो सकता है। तब गुरु तेग बहादुर जी ने बलिदान देने का निश्चय कर लिया। वे हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए दिल्ली पहुँच गए और वहाँ धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया और गुरु तेग बहादुर जी को उनके शहीदी पर उन्हें हिन्द की चादर भी कहा जाता है क्योंकि वो कश्मीरी पंडितों की रक्षा यानि हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया

और उनके साथ दो अन्य सिक्खों ने भी बलिदान दिया जो सम्पूर्ण जुल्म के खिलाफ एक मिसाल कायम की। पिता जी की शहीदी के बाद धर्म की रक्षा के लिए गोविन्द राय 11 नवम्बर, 1675 ई० को गुरु गद्दी पर बैठे। उन्होंने औरंगजेब के अत्याचारों के विरुद्ध आवाज उठाई और हिन्दू धर्म की रक्षा का बीड़ा उठाया। उन्होंने गुरु परम्परा को मजबूत किया। अब वे मसन्दों और अपने सेवकों से शस्त्रों की साज-सज्जा और युद्ध के सामान भेंट में लेने लगे। वे अपने शिष्यों को सैनिक शिक्षा देते थे। खालसा पंथ की स्थापना- सन 1699 में वैशाखी के दिन गुरु गोविन्द राय जी ने आनन्दपुर साहिब में दरबार सजाया। भरी सभा में उन्होंने बलिदान के लिए पाँच सिरों की माँग की। गुरु की यह माँग सुनकर सारी सभा में सन्नाटा छा गया। फिर एक एक करके पाँच व्यक्ति अपना बलिदान देने के लिए आगे आए। गुरु जी एक-एक करके उन्हें तम्बू में ले जाते रहे। इस प्रकार उन्होंने पाँच प्यारों का चुनाव किया। फिर उन्हें अमृत छकाया और स्वयं भी उनसे अमृत छका। इस तरह उन्होंने अन्याय और अत्याचार का विरोध करने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की। उन्होंने अपना नाम गोविन्द राय से गोविन्द सिंह रख लिया। पहाड़ी राजाओं से युद्ध- गुरु जी की बढ़ती हुई सैनिक शक्ति को देखकर कई पहाड़ी राजे उनके शत्रु बन गए। भंगाणी दुर्ग के पास भंगाणी के स्थान पर फतेह शाह ने गुरु जी पर आक्रमण कर दिया जिसमें गुरु जी विजयी रहे। अन्त में गुरु जी विजयी रहे। नादौन का युद्ध- जम्मू के सूबेदार मियाँ खाँ ने अपने सेनापति अलिफ खां को पहाड़ी राजा भीमचन्द से कर (टैक्स) लेने के लिए भेजा, कर देने से इनकार करने पर अलिफ खाँ ने भीमचन्द पर हमला कर दिया। गुरु जी भीमचन्द की सहायता के लिए पहुँचे। अलिफ खां युद्ध में मारा गया। इसे नादौन का युद्ध कहते हैं। आनन्दपुर छोड़ना- औरंगजेब ने गुरु जी की शक्ति समाप्त करने का निश्चय किया। उसने लाहौर और सरहिन्द के सूबेदारों को गुरु जी पर आक्रमण करने का हुक्म दिया। पहाड़ी राजा मुगलों के साथ मिल गए, उन सबने कई महीनों तक आनन्दपुर को घेरे रखा। सिक्ख इस लड़ाई से तंग आ चुके थे। औरंगजेब ने गुरु जी को पत्र लिखा कि वे दुर्ग छोड़ दें उन्हें कोई हानि नहीं पहुँचाई जाएगी। गुरु जी ने किला छोड़ दिया तब शत्रु सेना ने विश्वासघात किया। उसने गुरु जी पर आक्रमण कर दिया। गुरु जी को काफी हानि उठानी पड़ी। चमकौर का युद्ध 1704 में 21, 22, और 23 दिसम्बर को गुरु गोविंद सिंह और मुगलों की सेना के बीच पंजाब के चमकौर में लड़ा गया था। गुरु गोबिंद सिंह जी 20 दिसम्बर की रात आनंद पुर साहिब छोड़ कर 21 दिसम्बर को शाम को चमकौर पहुँचे थे, और उनके पीछे मुगलों की एक विशाल सेना जिसका नेतृत्व वजीर खां कर रहा था, भी 22 दिसम्बर की सुबह तक चमकौर पहुँच गयी थी। 23 दिसम्बर को गुरु गोविंद सिंह और मुगलों की सेना के बीच चमकौर में युद्ध लड़ा गया था वजीर खां गुरु गोविंद सिंह को जीवित या मृत पकड़ना चाहता था। चमकौर के इस युद्ध में गुरु गोविंद सिंह की सेना में केवल उनके दो बड़े साहिबजादे अजीत सिंह एवं जुझार सिंह और 40 अन्य सिंह थे। इन 43 लोगों ने मिलकर ही वजीर खां की पूरी सेना का विनाश कर दिया था वजीर खान किसी भी सूरत में गुरु गोबिंद सिंह जी को जिंदा या मुर्दा पकड़ना चाहता था क्योंकि औरंगजेब की लाख कोशिशों के बावजूद गुरु गोविंद सिंह मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं कर रहे थे। लेकिन गुरु गोविंद सिंह के दो बेटों सहित 40 सिक्खों ने गुरुजी के आशीर्वाद और अपनी वीरता से वजीर खान को अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होने दिया और 10 लाख मुगल सैनिक भी गुरु गोबिंद सिंह जी को नहीं पकड़ पाए। यह युद्ध इतिहास में सिक्खों की वीरता और उनकी अपने धर्म के प्रति आस्था के लिए जाना जाता है नवाब वजीर खां ने माता गुजरी और दोनों छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और फतेह सिंह बहुत अत्याचार किए और धर्म बदलने के लिए कहा। लेकिन इन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उस समय बाबा जोरावर सिंह 7 और बाबा फतेहसिंह 9 साल के थे। गुस्सा होकर वजीर खान ने 26 दिसंबर 1705 को दोनों साहिबजादे को दीवार में जिंदा चुनवा दिया। जब ये बात माता गुजरी को पता चली तो उन्होंने भी अपना शरीर त्याग दिया गुरु गोविंद सिंह का जन्म भारत में ऐसे समय मे हुआ था जब लोग राजनीतिक रूप से विभाजित, धार्मिक रूप से पतित और आर्थिक रूप से शोषित थे उन्होंने एक नए नैनातिक युग की शुरुआत की और अपने देश के निष्क्रिय और सुस्त लोगों को जीवन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण से उत्प्रेरित किया। हिंदू पंजाब मे एक राजनीतिक शक्ति नहीं रह गए थे जो मुगलों के अत्याचारी शासन की चपेट में था। हिंदू गौरव और विनम्र थे, और अपने विश्वास के प्रति कठोर थे और उन्हें अपने आहत सम्मान और मर्दानगी को सही ठहराने के लिए एक महादुर भावना से ओतप्रोत होना पड़ा।

नफरत की इंतिहा: कहाँ गई शीर्ष नेताओं की नसीहतें

राम पुनियानी

अपने गठन के बाद से ही आरएसएस ऐसी अनेक संस्थाओं का निर्माण करता आया है जो हिंदुत्व या हिन्दू राष्ट्रवाद की उसकी विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। हिंदुत्व की अवधारणा आर्य नस्ल, ब्राह्मणवादी मूल्यों और सिन्धु नदी से लेकर समुद्र तक की भूमि के पवित्र होने पर आधारित है। आरएसएस ने जिन संगठनों और संस्थाओं को जन्म दिया है, उनकी संख्या 100 से ज्यादा है। इसके अलावा अनेक ऐसे संगठन हैं जो भले ही औपचारिक रूप से संघ परिवार के सदस्य न हों, मगर वे उसकी विचारधारा में रचे-बसे हैं। इनमें बाहु-बली के अनेक संगठनों व गौरक्षकों के समूहों सहित ऐसे अनेक गिरोह शामिल हैं जो हिन्दू धर्म के नाम पर हिंसा करने के मौकों की तलाश में रहते हैं। अब ऐसे कई संगठन अस्तित्व में आ चुके हैं जो अत्यंत आक्रामक हैं और जो आरएसएस द्वारा उसके अनुयायियों के लिए निर्धारित लक्ष्मणरेखा को पार करने में तनिक भी संकोच नहीं करते। गौरक्षकों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि गाय के नाम पर मनुष्यों की हत्या स्वीकार्य नहीं है। उनके इस वक्तव्य के कुछ ही घंटे बाद, दादरी में एक मुसलमान को पीट पीट कर मार डाला गया। इसी तर्ज पर, प्रधानमंत्री ने क्रिसमस की पूर्वसंध्या पर कहा कि प्रेम, सौहार्द और भाईचारा ईसा मसीह के शिक्षाओं का केन्द्रीय तत्व है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे इन मूल्यों को मजबूती दें। इसके कुछ ही दिन बाद, बजरंग दल के सदस्यों और हिन्दू धर्म के अन्य स्व-नियुक्त ठेकेदारों ने जबलपुर में सांता क्लाज के भेष में उपहार बांट रहे एक व्यक्ति पर हमला किया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में दिखाया गया है कि अहमदाबाद के कांकरिया कार्निवल में सांता क्लॉस की वेशभूषा पहने दो लोगों की गुंडों ने जबरदस्त पिटाई की। यह शायद पहली बार है कि सांता क्लाज का भेष धरे लोगों पर हमले हो रहे हैं। इसके पहले कैरोल गायकों पर हमले हो चुके हैं। भाजपा के सत्ता में आने के बाद से राष्ट्रपति भवन में कैरोल गायन को परम्परा बंद कर दी गई है। बजरंग दल हिन्दुओं को क्रिसमस पार्टियों में भाग न लेने की चेतावनियां जारी कर चुका है। इस बार क्रिसमस पर ये जब हरकतें कुछ कम क्यों हुईं? हाल में हमने हर मस्जिद के नीचे मंदिर खोजने के अभियान का आगाज भी देखा है, जो बाबरी मस्जिद को ढहाए जाने की याद दिलाता है। इस तरह के काल्पनिक दावों के ज्वार के बाद आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत ने भी कहा कि हमें हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजने के प्रयास बंद करने चाहिए। यह वास्तव आश्चर्यजनक है कि काशी में फव्वारे को शिवलिंग बताया जा रहा है और मस्जिद को मंदिर में बदलने की मांग हो रही है। उत्तरप्रदेश के संभल में ऐसे ही दावों के बाद हिंसा हो चुकी है शायद इस सब ने देश के सबसे बड़े राजनैतिक परिवार के शीर्ष नेता को झकझोर दिया है। या फिर शायद उन्हें यह लग रहा है कि इससे संघ परिवार की छवि खराब होगी इसलिए उन्होंने एक ऐसा बयान किया जो सामंजस्यपूर्ण लगता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के राममंदिर का सम्बन्ध आस्था से था और हिन्दू इस मंदिर का निर्माण चाहते थे। मगर सिर्फ नफरत के कारण नए स्थानों के बारे में विवाद खड़े करना अस्वीकार्य है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि कुछ लोग सोचते हैं कि नए विवाद खड़े कर वे हिन्दुओं के नेता बन सकते हैं। इसकी इजाजत कैसे दी जा सकती है। मगर इससे बाद एक चमत्कार हुआ। हिंदुत्व की राजनीति से जुड़े कई संगठनों ने भागवत की इस सलाह का विरोध किया। हम सब जानते हैं कि आरएसएस में सख्त अनुशासन होता है और उसके सदस्य कभी अपने शीर्ष नेता के आदेशों का उल्लंघन नहीं करते। तो फिर यह कैसे हो रहा है कि दर्जनों संगठन और धर्म संसदें भागवत की सलाह के खिलाफ बात और काम कर रही हैं? इससे भी बड़ी बात यह है कि आरएसएस के अनाधिकारिक मुखपत्र ऑर्गनाइजर ने भी अतिवादियों की मांग का समर्थन करते हुए लिखा कि, मंदिरों की पुनर्स्थापना हमारी सभ्यता की खोज है। (द टाइम्स ऑफ इंडिया, दिसम्बर 27, 2024)। उसने यह भी लिखा कि मंदिरों की पुनर्स्थापना का उद्देश्य हमारी राष्ट्रीय पहचान स्थापित करना और सभ्यतागत न्याय हासिल करना है। क्या नफरत फैलाने वाले यह नहीं समझते कि अनुयायी अपने नेताओं की बात भी नहीं सुन रहे हैं? या क्या नरेंद्र मोदी जैसे नेता चाहते हैं कि नफरत भड़काने वाली हरकतें होती रहें क्योंकि इनसे उनकी राजनीति को मजबूती मिलती है? अगर ऐसा नहीं है तो हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्यवाहियां क्यों नहीं होतीं? क्या कारण है कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने वाली मशीनरी से लेकर कुछ हद तक न्यायपालिका तक का उन तत्वों के प्रति नरम रवैया है जो नफरत फैलाते हैं और हिंसा करते हैं? बाबरी मस्जिद को ध्वस्त करने वालों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई। गाय और गौमांस के नाम पर लिंचिंग करने वाले छुट्टे घूम रहे हैं। लव-जिहाद के नाम पर हत्याएं और हमले करने वालों का बाल भी बांका नहीं हुआ है। जाहिर है कि ऐसे तत्वों को यह पता है कि वे आसानी से कानून तोड़ सकते हैं। वे जानते हैं कि कानून को तोड़ मरोड़ कर उनका बचाव किया जाएगा। ऑर्गनाइजर द्वारा भागवत का विरोध मन में एक जिज्ञासा पैदा करता है। क्या आरएसएस विभाजित हो गया है? यह कैसे हो रहा है कि भागवत शांति और सौहार्द की बात कर रहे हैं और ऑर्गनाइजर के संपादक चाहते हैं कि नफरत और हिंसा की राह पर तेजी से आगे बढ़ा जाए?

सेप्टिक टैंक में बस्तर जंक्शन

राकेश अचल

लिखते हुए हाथ कांपते नहीं हैं, दिल में सिहरन जरूर होती है, हमपेशा मुकेश चंद्राकर के बारे में सोचकर। 33 साल के मुकेश चंद्राकर बस्तर के रवीश कुमार थे, हालांकि उन्हें कोई रमन मैग्सेसे पुरस्कार नहीं मिला था उन्हें सच लिखने का ईनाम मिला, लेकिन मौत की शक्ल में। मुकेश चंद्राकर की हत्या कर उनका शव एक सेप्टिक टैंक में डाल दिया गया लेकिन मुकेश की हत्या लाख कोशिशों के बाद भी छिपाई नहीं जा सकी, हाँ अब मुकेश के हत्यारे को बचाने की कवायद और राजनीति जरूर हो रही है। बस्तर में चंद्राकर ही चंद्राकर के कातिल हो सकते हैं, इसकी कल्पना करना आसान नहीं है, लेकिन ऐसा हुआ, क्योंकि सभी चंद्राकर एक जैसे नहीं होते। सभी चंद्राकर चंदूलाल चंद्राकर नहीं होते, सभी मुकेश चंद्राकर नहीं होते। मैं चंदूलाल चंद्राकर को जानता था। वे अपने जमाने के एक शालीन पत्रकार थे और हिंदुस्तान जैसे अखबार के सम्पादक रहे। कांग्रेसी थे, लेकिन जमीन से जुड़े थे, उनकी सलाह से ही पृथक छत्तीसगढ़ की नींव पड़ी। इसी छत्तीसगढ़ में मुकेश चंद्राकर भी हुए। वे अपने सीमित साधनों से बस्तर में भय, भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ अलख जगाये हुए थे। मुकेश चंद्राकर 2025 की पहली रात से ही अपने घर से लापता थे। मुकेश ने स्वतंत्र पत्रकार के तौर पर एक नेशनल टीवी चैनल के लिए काम शुरू किया और साथ में ही वे यूट्यूब पर अपना चैनल बस्तर जंक्शन का संचालन भी करते थे। इस चैनल पर बस्तर की अंदरूनी खबरें प्रकाशित होती थीं, इसीलिए ये चैनल लोकप्रिय भी था। मुकेश केवल पत्रकार ही नहीं थे बल्कि एक सामाजिक कार्यकर्ता भी थे। वे उग्रवादियों में भी विश्वसनीय थे, ग्रामीणों में भी और पुलिस में भी, लेकिन वे शासनप्रिय थे, भ्रष्ट नेताओं में, अफसरों में। और उनकी यही रूप उनकी जान का दुश्मन बन गया। मुझे किसी ने बताया कि बस्तर में माओवादियों की ओर से अगवा पुलिसकर्मियों या ग्रामीणों की रिहाई में मुकेश ने कई बार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुकेश की हत्या का आरोप उनके ही सजातीय ठेकेदार सुरेश चंद्राकर पर है। वो कांग्रेस का नेता है, इसलिए, भाजपा के लिए मुकेश की हत्या राजनीति का औजार बन गयी। मुकेश चंद्राकर के भाई की शिकायत के बाद से ही पुलिस की विशेष टीम बना कर जांच की जा रही थी शुक्रवार को शाम चट्टान पारा बस्ती में ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के परिसर में एक सेप्टिक टैंक से मुकेश चंद्राकर का शव बरामद किया गया। पुलिस का कहना है कि पत्रकार मुकेश चंद्राकर के मोबाइल के अंतिम लोकेशन और फोन कॉल के आधार पर जांच चल रही थी। मुकेश की हत्या के पीछे कांग्रेस है या भाजपा, मैं इस फेर में नहीं पड़ता। मुकेश चंद्राकर की हत्या के तमाम पहलुओं के बारे में लिखा जा चुका है, इसलिए मेरे पास इस विषय में आपको चौंकाने वाला कोई विशेष नहीं है।

आज का राशिफल

राशि	फल	राशि	फल
मेष	आज कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकते हैं। इन बदलावों से आपके सहकर्मी थोड़े परेशान हो सकते हैं।	तुला	आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष सफलता मिल सकती है।
वृषभ	आज दिन परिवार के साथ खुशियों से भरा रहेगा। दोपहर तक कोई अच्छी खबर मिल सकती है।	वृश्चिक	आज आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आपके मान, सम्मान, यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।
मिथुन	संपत्ति मिल सकती है। पिता का आशीर्वाद और उच्च अधिकारियों की कृपा काम आएगी।	धनु	आज दिन काफी खर्च वाला रहेगा। घर के सामान पर खर्चा करना पड़ सकता है।
कर्क	आज अचानक धन लाभ हो सकता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।	मकर	आज व्यापार में अच्छा लाभ होगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी।
सिंह	आज राजनीति के क्षेत्र में बड़ी सफलता मिल सकती है। संतान के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे।	कुंभ	आज दिन लाभ और तरक्की से भरा होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी।
कन्या	आज मेहनत से लाभ होगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा।	मीन	आज वैवाहिक जीवन आनंददायक रहेगा। आज छोटी या लंबी यात्रा हो सकती है।

विशेष

भारत नहीं आ रहे हैं, विदेशी पर्यटक

भारत का पिछले वर्षों में पर्यटन तेजी के साथ बढ़ा है। विदेशी पर्यटक भारत घूमने के लिए नहीं आ रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में पर्यटकों की संख्या लगातार कम हो रही है। गोवा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थल हमेशा से विदेशी पर्यटकों का पसंदीदा स्थल था। 2024 में सबसे कम पर्यटक आए हैं। भारतीय पर्यटन सरकार की प्राथमिकताओं की सूची से गायब हो गया है। रणवीर सिंह शाहरुख खान का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। रैपर शाली खान और शाहरुख खान अभिताभ बच्चन के साथ मिलकर दुबई के ब्रांड एंबेसडर बने हैं। भारत सरकार ने पर्यटन के बजट में भी भारी कटौती कर दी है। सरकार पहले 100 करोड़ रुपए खर्च करती थी। अब मात्र 33 करोड़ रुपए का बजट है। रही सही कसर भारत की कानून व्यवस्था ने पूरी कर दी है। अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़े हैं। भारत में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हुई है जिसके कारण विदेशी पर्यटकों का भारत से मोह भंग हो रहा है। भारत को जो विदेशी मुद्रा मिलती थी। उसमें भी लगातार कमी आ रही है। भारत के पर्यटक बड़ी संख्या में अबू धाबी और दुबई जा रहे हैं।

इस साल 75 के हो जाएंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2025 में 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने जा रहे हैं। भाजपा विधान के अनुसार 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर उन्हें प्रधानमंत्री का पद छोड़ना पड़ेगा। इसको लेकर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में इस बात की चर्चा होने लगी है। मोदी के बाद कौन होगा भारत का अगला प्रधानमंत्री। यह भी कहा जा रहा है कि यह नियम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लागू नहीं होगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1913 तुर्की और बाल्कन देशों के बीच लंदन शांति सम्मेलन को निलंबित कर दिया गया. 1947 अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने भारत का विभाजन स्वीकार किया, जिसमें 99 मत प्रस्ताव के पक्ष में तथा 52 मत विपक्ष में पड़े. 1953 एशियाई के समाजवादियों ने अंतर्राष्ट्रीय संगठन का स्थापना करने के लिए काम किया. 1972 अमरीकी नौसैनिक बेड़े ने हिंद महासागर में नियमित अभ्यास शुरू किया. 1988 अविभक्त भारत मुद्दे और चाहे किनारे में इजराइली सैनिकों ने हिंसा पर उतारू प्रदर्शनकारियों को बल प्रयोग से काबू किया. 1990 पोलैंड में कम्युनिस्ट नेताओं ने पार्टी को भंग करने के पक्ष में मतदान किया. 1992 जॉर्जिया के साथ विद्रोहियों के घेरे से निकलने में सफल हुए. 1993 बेले और जाज के महानायक डिजी गिलेस्पी तथा डिजी गिलेस्पी का निधन. 1998 उत्तर प्रदेश में हरदोई के पास बरेली वाराणसी पैसेंजर गाड़ी से काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस के टकरा जाने से 72 लोगों की मृत्यु.

दैनिक पंचांग

6 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2025 वर्ष का छठा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु हेमन्त।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास पौष पक्ष शुक्ल
तिथि सप्तमी 18.24 बजे तक को अष्टमी।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 19.07 बजे को समाप्त। योग परिघ 02.05 बजे रात को समाप्त।
करण गर 07.21 बजे, वणिज 18.24
चन्द्र रेवती नक्षत्र 5.28 बजे प्रातः को समाप्त। दिनमान 06.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 29'
सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872216
जूलियन दिन 2460681.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885125
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रजब
तारीख 05
विशेष गुरु गोविंद सिंह जयंती।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.19 बजे से
चंद्र	मीन में	कुंभ	09.06 बजे से
मंगल	कर्क में	मीन	10.39 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.09 बजे से
गुरु	वृष में	वृष	13.49 बजे से
शुक्र	कुंभ में	मिथुन	15.47 बजे से
शनि	कुंभ में	कर्क	18.01 बजे से
राहु	मीन में	सिंह	20.17 बजे से
केतु	कन्या में	कन्या	22.29 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		तुला	00.39 बजे से
		वृश्चिक	02.51 बजे से
		धनु	05.10 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.22 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभवार बोध शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। उपरोक्त समय भारतीय मानक समय की गणना ऐसा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ©Jagrukdaur.com, Bangalore

धान की कटाई, मड़ाई, सुखाई एवं भण्डारण कैसे कर

भारत धान उत्पादन मे चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। कटाई से लेकर भंडारण तक लगभग 10 प्रतिशत धान की क्षति हो जाती है।

धान की कटाई

हंसिया द्वारा कटाई में फसल की क्षति काफी कम होती है एवं धान का पुआल भी अधिक मात्रा में मिलता है। पुआल का उपयोग पशु आहार, ईंधन एवं रसायन निर्माण में किया जाता है। अतः पुआल संरक्षण से किसानों की आय बढ़ जाती है। परन्तु हंसिया से कटाई काफी मंद गति से होती है जिससे कटाई का खर्च अधिक आता है। शक्ति चालित मशीनों में रीपर एवं ट्रैक्टर चालित कम्बाइनर का प्रयोग धान कटाई में किया जाता है। इंजन चालित कटाई मशीन धान को काटकर एक तरफ पंक्ति में लगा देती है, जिसे बाद में इकट्ठा किया जाता है। कम्बाइनर द्वारा धान की कटाई जमीन से काफी ऊपर से की जाती है तथा कटाई के साथ-साथ मड़ाई एवं ओसाई भी किया जाता है। कटाई हेतु कम्बाइनर मशीनें विभिन्न क्षमताओं में उपलब्ध हैं। कुछ ट्रैक्टर चालित एवं कुछ इंजन द्वारा स्वचालित मशीनें हैं। कम्बाइन से धान कटाई में पुआल की क्षति होती है एवं काफी धान टूट जाते हैं। टूटने से धान का विपणन मूल्य कम हो जाता है। परन्तु कम्बाइन की कटाई क्षमता काफी अधिक होती है जिससे समय की बचत होती है एवं कटाई लागत भी कम आती है। कटाई के समय क्षति को कम करने के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना जरूरी है-

* कटाई उचित नमी एवं सही समय पर ही करनी चाहिए। धान की कटाई हेतु 20-22 प्रतिशत नमी उपयुक्त पाई गई है। इससे अधिक नमी पर चावल की प्राप्ति कम हो जाती है, अपरिपक्व, टूटे एवं कम गुणवत्ता के दानों की संख्या अधिक हो जाती है। कम नमी पर कटाई करने से मिलिंग के दौरान धान टूटकर गिरने लगता है।
* देरी से कटाई करने पर फसल भूमि पर गिर सकता है जिससे चूहे, चिड़ियों, कीटों का आक्रमण हो सकता है।
* नम वातावरण में धान की कटाई नहीं करनी चाहिए।
* अगर खेत में पानी भरा हो तो कटाई से 7-10 दिन पूर्व पानी की निकासी कर देना चाहिए जिससे मशीनों द्वारा कटाई आसानी से हो सके।
* कटाई के समय धान की सभी बालियों को एक दिशा में रखना चाहिए जिससे कि मड़ाई (थ्रेशिंग) में समस्या न हो।
* कटाई उपरांत धान को वर्षा एवं ओस से बचाना चाहिए।
* कटाई के बाद किस्मों के अनुसार धान को अलग-अलग रखना चाहिये जिससे आपस में विभिन्न किस्मों का मिश्रण न हो।
* कटाई के बाद धान को अत्यधिक सुखाने से बचना चाहिये।
* धान की किस्मों के अनुसार जैसे अगेती किस्में 110-115 दिन बाद, मध्यम किस्में 120-130 दिन बाद एवं देर से पकने वाली किस्में लगभग 130 दिन बाद काटने लायक हो जाती हैं।

धान की मड़ाई

धान के बालियों एवं पुआल से बीजों/दानों को अलग करना मड़ाई कहलाता है। मड़ाई का काम श्रमिकों द्वारा, पशु द्वारा एवं शक्ति चालित यंत्रों द्वारा किया जाता है। मड़ाई का काम फसल कटाई के बाद जितना जल्दी हो सके कर लेना चाहिये। श्रमिकों द्वारा मड़ाई हेतु लकड़ी या लोहे के पाइप का प्रयोग किया जाता है। दो-तीन बार लकड़ी या लोहे से मारने से धान बीज पौधों से अलग हो जाता है। धान के पौधों को लकड़ी या किसी अन्य कठोर सतह पर पीटने से भी मड़ाई हो जाती है। मड़ाई हेतु तारों से बने ड्रम का उपयोग भी होता है। धान के पौधों को ड्रम पर इस तरह रखा जाता है कि बालियां तार के सम्पर्क में रहे एवं ड्रम को पैर से घुमाया जाता है। इस विधि से व्यक्ति की मड़ाई क्षमता बढ़ जाती है। मड़ाई हेतु बैलों का प्रयोग भी किया जाता है। धान की बालियों को जमीन पर फैलाया जाता है एवं इसके ऊपर बैलों को घुमाया जाता है। पैर के दबाव से धान-पौधों से अलग हो जाता है। शक्ति चालित यंत्रों जैसे थ्रेशर एवं पद चालित थ्रेशर से भी धान की मड़ाई की जाती है। इन यंत्रों में एक मड़ाई ड्रम, पंखा एवं जाली लगी होती है। अतः मड़ाई के साथ-साथ सफाई भी हो जाती है। यदि मड़ाई में किसी कारणवश देरी हो रही हो तो धान का बंडल बनाकर सूखे एवं छायादार स्थानों पर रखना चाहिये।

औसाई

मड़ाई के बाद धान के बीजों के साथ भूसा, धूल कण, कचरा एवं पुआल के टुकड़े रह जाते हैं जिसे ओसाई पंखे की सहायता से अलग किया जाता है।

धान का भण्डारण

लम्बी अवधि के भण्डारण हेतु नमी की मात्रा 12 प्रतिशत एवं अल्पावधि भण्डारण हेतु 14 प्रतिशत होनी चाहिए। लम्बी अवधि तक भण्डारण के लिये पूसा कोठी, धात्विक बिन, साइलो आदि का प्रयोग किया जाता है। भण्डारण अवधि में समय-समय पर हवा का आवागमन करते रहना चाहिए।

धान की सुखाई

धान की कटाई 20-22 प्रतिशत नमी पर की जाती है। परन्तु इस नमी पर धान का न तो भण्डारण किया जा सकता है न ही मिलिंग की जा सकती है। सुखाने के समय निम्नलिखित बातों का खासतौर पर ध्यान रखना चाहिए-

- धान को अत्यधिक शुष्क तेज सूर्य प्रकाश या तेज गति से नहीं सुखाना चाहिए क्योंकि इससे मिलिंग के दौरान धान के टूटने की समस्या होती है एवं इसे पुनः नमीकरण से बचाना चाहिए।
- सुखाने के लिये पक्के सीमेंट फर्श एवं तिरपाल का उपयोग करना चाहिये।
- कटाई उपरांत धान को जल्दी से जल्दी एवं समान रूप से सुखाना चाहिए।
- सुखाने के समय धान को चिड़ियों, चूहों तथा कीट-पतंगों से सुरक्षित रखना चाहिए।

पशु चलित खेती भूमि की गुणवत्ता बनाये

हमारे देश की लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या खेती एवं खेती आधारित कार्यों में लगी हुई है। आधुनिक समय में खेती में बहुत अधिक लागत लगती है इस कारण ग्रामीण लोगों का रुझान खेती की ओर से कम होता जा रहा है क्योंकि फसल खराब होने पर मध्यम व छोटे किसान कर्ज तले दब जाते हैं। इस कारण ग्रामीण शहरों की ओर पलायन कर जाते हैं जिससे शहरों में रहने की समस्या पैदा हो जाती है तथा झुग्गी-बस्तियों का विस्तार होने से बीमारी फैलने तथा अन्य समस्याओं का जन्म होता है। परम्परागत खेती में फसल कटाई के बाद जो फसल अवशेष बच जाता है, को आग लगाकर साफ करते हैं जिससे वायु प्रदूषण के साथ-साथ मिट्टी में उपस्थित पोषण तत्व भी नष्ट हो जाते हैं तथा खेती को कम से कम तीन-चार बार जोतना पड़ता है इसमें लगभग 3000 रु./हेक्टेयर का अतिरिक्त खर्चा आता है जबकि खेती में बुवाई के लिए केवल इतनी ही जुताई की आवश्यकता होती है जिससे कि बीज को आवश्यक गहराई मिल सके। इस विधि को अपनाने से लगभग 2000 रु./हेक्टेयर की बचत की जा सकती है इसके अलावा फसल अवशिष्ट जो फसल कटाई के बाद खेत रह जाते हैं धीरे-धीरे खाद में परिवर्तित हो जाते हैं इस विधि को अपनाने से काफी खाद की बचत हो सकती है। जमीन की जुताई कम से कम करने से पानी की आवश्यकता में भी 50 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है तथा इसको अपनाने के अन्य लाभ जैसे मिट्टी में उपस्थित किसानों के मित्र कहलाने वाले कीट जैसे केंचुआ, सूक्ष्म जीवाणु आदि भी अधिक संख्या सुरक्षित रहने में होते हैं इस तरह की खेती करने पर खेती की लागत में 40-50 प्रतिशत की बचत की जा सकती है। तथा डीजल एवं अन्य के आयात पर किए जाने वाले खर्चे को कम किया जा सकता है। इस प्रकार की खेती यदि पशुचलित यंत्रों पर आधारित हो तो यह अधिक लाभकारी होगी।

पशुओं से मिलने वाला गोबर खेत में बाहरी खाद की निर्भरता को घटाएगा जबकि पशुओं पर अधिक खर्च नहीं आता क्योंकि ये खेती में पैदा होने वाले फसल अवशिष्ट को खाकर ही अपना जीवनयापन करने में सक्षम होते हैं। इस प्रकार की खेती अफ्रीकन देशों में जहां पर मुख्य रूप से मक्का, गेहूं, ज्वार, लोबिया इत्यादि की खेती पशुचलित उपकरणों से की जाती है तथा यह 5 से 10 सालों से प्रचलन में है इस प्रकार की खेती करने के लिए परम्परागत कृषि यंत्रों को इस प्रकार सुधारा जाता है कि बुवाई के दौरान कम से कम मिट्टी का हेर फेर हो। खेती में लागत की कमी, अधिक पैदावार, कम श्रम ग्रामीण युवकों को खेती की ओर आकर्षित करेगा इससे पर्यावरण भी अच्छा रहेगा तथा ग्रामीणों का शहर की ओर पलायन रुकेगा जिससे शहरों की समस्या भी कम होगी। छोटे किसानों के लिए पशुशक्ति का उपयोग सबसे अच्छा विकल्प है जो सबसे सस्ता, टिकाऊ, लाभदायक और पर्यावरण अनुकूल है। पशु शक्ति और उचित कृषि मशीनीकरण प्रौद्योगिकी का उपयोग पूरी तरह से करने पर मौजूदा श्रम की लागत को कम किया जा सकता है और उत्पादकता और लाभप्रदता को भी बढ़ाया जा सकता है। अब सरकार और प्रशिक्षण सेवायें भी खेती के लिए बेहतर पशुशक्ति चालित प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही हैं। कई क्षेत्रों में संरक्षण जुताई को अपनाया गया और बड़े पैमाने पर किसानों द्वारा अभ्यास भी कराया गया। पशु चालित संरक्षण खेती को अधिक प्रभावी रूप देने के लिए छोटे और सीमांत किसानों को समायोजित किए जाने की आवश्यकता है। किसान यह नहीं जानते हैं कि परंपरागत विधि से खेती करने पर भूमि नष्ट हो रही है जिस पर किसान निर्भर हैं। अधिकांश किसानों ने यह अवलोकन किया है कि उनके खेतों में उत्पादकता में भारी गिरावट हुई है। इसलिए वे आमतौर पर विश्वास करते हैं कि यह एक प्राकृतिक और अपरिवर्तनीय प्रक्रिया है। संरक्षण खेती के तरीकों का लाभ साबित हो चुका है और छोटे किसानों के लिए यह अवसर देता है कि वे अपने उत्पादकता को बढ़ाने जिससे खाद्य सुरक्षा और सूखे में फसल के जोखिम की आवश्यकता को कम किया जा सके। संरक्षण कृषि में कृषि कार्यों की विधि को एक लंबी अवधि में निरंतर अनुकूल तरीके से किया जाना चाहिए।

गेहूं में खरपतवार नियंत्रण है जरूरी

उचित खरपतवार नियंत्रण न होने की दशा में फसल की उत्पादन क्षमता एवं उसकी गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। अतः खरपतवारों के उचित नियंत्रण हेतु निम्नलिखित उपाय करें-

निवारक विधि

खेतों में खरपतवार प्रवेश निषेध के लिए कुछ साधारण उपायों को अपनाने से खेतों में खरपतवारों की समस्या में कमी आती है जैसे कि-

* उत्तम क्वालिटी के खरपतवार मुक्त बीजों का प्रयोग करें ताकि गेहूं की बुआई के साथ खरपतवारों की बुआई न हो।
* खरपतवार के पौधों को बीज बनने से पहले ही नष्ट कर दें अथवा निकाल दें। यदि खरपतवारों के बीज खेत में ही झड़ गए, तो खेत में खरपतवारों के बीज की मात्रा बढ़ेगी।
* मडूसी गेहूं से लगभग 20 दिन पहले पक जाती है अतः इसे बीज पकने के पहले ही खेतों से निकाल दें।
* गेहूं की कम्बाईन से कटाई या थ्रेशर से मड़ाई करने से पहले मशीन को पूरी तरह साफ कर लें इससे खरपतवारों के बीज वितरण को रोका जा सकता है।

शस्य विधियों द्वारा खरपतवार प्रबंधन

* गेहूं की ऐसी किस्म का चुनाव करें जिसकी बढ़त तेज हो और जो शीघ्रता से जमीन को ढक ले।
* गेहूं के पौधों का समान जमाव व तेज बढ़वार की वजह से खरपतवारों को बढ़वार के लिए कम स्थान मिलता है। इसके लिए उत्तम क्वालिटी के बीज, बीज उपचार, उचित खेत की तैयारी, उचित नमी, उचित बीज मात्रा, उचित गहराई पर बीज की बिजाई एवं बुआई की विधि का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।
* गेहूं की फसल के साथ उगने वाले खरपतवारों का जमाव आमतौर पर नवम्बर के अंतिम सप्ताह से शुरू होता है। कुछ खरपतवार गेहूं के बीजों के साथ-साथ ही अंकुरित हो जाते हैं कुछ खरपतवार पहली सिंचाई के बाद ही अंकुरित होते हैं। इसलिए गेहूं की बुआई को 15 नवम्बर तक पूरी कर लें क्योंकि इस समय का तापमान मंडूसी के जमाव के अनुकूल नहीं होता। जिससे मंडूसी का प्रकोप कम होगा।

यांत्रिकी विधि

खरपतवारों की समस्या होने पर हाथ से निराई करके खरपतवार को निकाला जा सकता है। अतः गेहूं की फसल को क्रांतिक अवस्था में खरपतवार मुक्त रखने के लिए सामान्यतः दो निराई-गुड़ाई, बुआई के 20-25 दिन तथा 40-45 दिन बाद करें।

शाकनाशी रसायनों का प्रयोग

सकरी पत्ती वाले खरपतवारों की पहचान कर हाथ से निराई कर नियंत्रित करना काफी मुश्किल है। जबकि चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों का नियंत्रण इस विधि से किया जा सकता है। किंतु शाकनाशी रसायनों के प्रयोग से इन्हें जल्दी मारा जा सकता है और इसके प्रति हेक्टेयर लागत कम आती है तथा समय की भी भारी बचत होती है। गेहूं में खरपतवारनाशी का प्रयोग दो तरह से किया जा सकता है।

प्री ईमरजेन्स खरपतवारनाशी

फसल खरपतवार जमने से पहले, गेहूं बिजाई के 48 घंटे के अंदर प्री ईमरजेन्स खरपतवारनाशी का प्रयोग करके पहले ही खरपतवारों का नाश किया जा सकता है।

पोस्ट ईमरजेन्स खरपतवारनाशी

गेहूं में पोस्ट ईमरजेन्स खरपतवारनाशी का प्रयोग 21 दिन बाद दी गई पहली सिंचाई के 7-10 दिन बाद करना चाहिए अथवा जब खेतों में खरपतवार 2-4 पत्तों की अवस्था में हों तब किया जाना चाहिए।

रासायनिक खरपतवार प्रबंधन के लिए कुछ ध्यान देने योग्य बातें-

* रासायनिक खरपतवारनाशी (उगने से पहले व उगने के बाद का प्रयोग करें जब मिट्टी में नमी हो।)
* कम से कम 500 लीटर पानी प्रति हे. का प्रयोग करें।
* खरपतवार उगने के बाद के (पोस्ट एमरजेन्स) के खरपतवारनाशी का प्रयोग तभी करें जब खरपतवार 2 से 4 पत्ती अवस्था में हों।
* खरपतवारनाशी का प्रयोग करते समय फ्लैट फैन नोजल का प्रयोग करें।
* सल्फोसल्फ्यूरॉन को मिश्रित फसल जैसे गेहूं, सरसों या गेहूं अन्य फसलों में प्रयोग न करें।

दिल्ली में 25 प्रतिशत डिस्काउंट पर मिल रहा मकान

डीडीए की सस्ता घर स्कीम में लगेंगे स्पेशल कैंप

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) के सस्ता घर हाउसिंग स्कीम के लाभार्थियों के लिए स्पेशल कैंप लगाने की तैयारी हो रही है। डीडीए की पिछली बोर्ड मीटिंग में एलजी वी. के. सक्सेना ने इस स्कीम को मंजूरी दी थी। अब एलजी ऑफिस की तरफ से चीफ सेक्रेटरी को लेटर लिखा गया है कि लाभार्थियों की सुविधा के लिए स्पेशल कैंप लगाएं। इस स्कीम के तहत लोग 25 प्रतिशत डिस्काउंट पर घर ले सकेंगे।

स्कीम के तहत कंस्ट्रक्शन वर्कर, ऑटो-टैक्सी ड्राइवर, महिलाएं, वीर नारी, एक्स सर्विसमैन, दिव्यांग, गैलेंट्री और अर्जुन अवॉर्डी और एससी-एसटी को लाभ मिलेगा। यह स्पेशल कैंप दिल्ली बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वेल्फेयर बोर्ड के साथ लगाए जाएंगे। यह कैंप डीएसआरसी, एलसीआईटीडी, सीपीडब्ल्यूडी, एलएलएफआई और अन्य लोकेशन पर लगेंगे, जिससे यहां काम करने वाले श्रमिक इस स्कीम का लाभ ले सकें। साथ ही बोर्ड की अन्य स्कीमों का लाभ भी ले सकें। स्कीम के तहत वर्कर, लेबर, झुग्गी में रहने वाले और किराये पर रहने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी।

लोन की सुविधा भी मिलेगी

राज्य सैनिक बोर्ड भी स्पेशल आउटरीच प्रोग्राम चलाएगा। इससे वीर नारी, एक्स सर्विसमैन और गैलेंट्री और अर्जुन अवॉर्डी के लिए स्कीम का लाभ लेना आसान हो जाएगा। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट इस तरह के स्पेशल कैंप ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों के लिए बुराड़ी ट्रांसपोर्ट कार्यालय में लगाएगा। वहीं, दिल्ली शेड्यूल्ड कास्ट फाइनेंस एंड डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन एससी-एसटी श्रेणी के आवेदकों को लोन सुविधा दिलाने में मदद करेगा।

हर 15 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

डब्ल्यूसीडी, सोशल वेल्फेयर डिपार्टमेंट और एससी-एसटी डिपार्टमेंट कैंप लगाएगा। हर कैंप साइट में डीडीए के संबंधित अधिकारी मौजूद रहेंगे। इन अधिकारियों के पास स्कीम की पूरी जानकारी होगी। हर कैंप में संबंधित विभागों के एक नोडल अधिकारी भी मौजूद होंगे। डिपार्टमेंट्स को हर 15 दिनों में इन कैंप्स की रिपोर्ट चीफ सेक्रेटरी को देने को कहा गया है।

स्पेशल कैंप से क्या फायदा

सस्ता घर स्कीम के तहत लाभार्थियों के लिए स्पेशल कैंप लगाना इसलिए जरूरी है, क्योंकि इससे उनके लिए आवेदन करना आसान हो जाएगा। जिस तबके के लिए ये स्कीम है, उनके पास अपनी रोजी-रोटी कमाने के अलावा इतना वक्त नहीं होता कि वे सरकारी दफ्तरों में जाकर फॉर्म भरें।

इसके अलावा ये भी आशंका होती है कि ऐसी स्थिति का कुछ दलालनुमा लोग भी फायदा उठाने लगते हैं। इससे इन लोगों को वित्तीय नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में अगर कैंप लगाए जाते हैं तो वे लोग घर के समीप ही जाकर अपना आवेदन भी कर सकेंगे और उन्हें आवेदन के साथ दिए जाने वाले दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी मिल सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

स्वामीनॉमिक्स: एक्सपोर्ट मतलब सिर्फ सामान भेजना नहीं, सर्विस ने तो कमाल ही कर दिया!

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आपको लगता है कि निर्यात का मतलब जहाजों पर लदे सामान को भेजना है तो इस धारणा को भूल जाइए। नवंबर में पहली बार कॉमर्स मिनिस्ट्री ने सेवाओं के निर्यात का अनुमान 35.7 अरब डॉलर लगाया। यह व्यापारिक निर्यात 32.1 अरब डॉलर से अधिक है। कुल निर्यात में सबसे बड़ा योगदान सॉफ्टवेयर सेवाओं का रहा, जिसका हिस्सा 47 प्रतिशत रहा। लेकिन वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) का योगदान लगातार बढ़ रहा है। यह भारत की आर्थिक संरचना को बदल रहा है। सरकार मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने की बेताबी से कोशिश कर रही है। नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां 15 प्रतिशत कॉर्पोरेट टैक्स का भुगतान करती हैं। जबकि अन्य के लिए यह 22 प्रतिशत है। 14 मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना टैरिफ प्रोटेक्शन, उत्पादन से जुड़ी नकद सब्सिडी और प्रोत्साहन के अन्य रूपों की पेशकश करती है। इसका उद्देश्य नए अमेरिकी-चीन शीत युद्ध के बाद चीन से बाहर निकलने को इच्छुक वैश्विक कंपनियों के बड़े पैमाने पर प्रवेश को प्रेरित करना था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। ऐपल ही एकमात्र ऐसी कंपनी रही। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम का कहना है कि हम चीनी निवेश के बिना ग्लोबल वैल्यू चेन में प्रवेश नहीं कर सकते हैं, जिस पर अब तक सख्ती से अंकुश लगाया गया है।

बिना प्रोत्साहन आई तेजी: सेवा निर्यात के लिए ऐसा कोई प्रोत्साहन नहीं दिया जा रहा है। साल 1991 में यह लगभग शून्य था। इसके बाद आए आर्थिक सुधारों से इसमें तेजी आई। इस सेवा निर्यात ने व्यापारिक निर्यात को पीछे छोड़ना शुरू कर दिया है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल को उम्मीद है कि निकट भविष्य में सेवा निर्यात प्रति वर्ष एक ट्रिलियन डॉलर को छू लेगा।

जीसीसी ने लिखी नई कहानी: मैंने इन स्तंभों में तर्क दिया है कि एनडीए के दस वर्षों की सबसे बड़ी सफलता जीसीसी का उदय रहा है। हालांकि, यह वैश्वीकरण की सफलता है न कि किसी सरकारी नीति की (जो सेवाओं के बजाय विनिर्माण पर केंद्रित है)। बहुराष्ट्रीय कंपनियां मैन्युफैक्चरिंग के लिए भारत में नहीं आ रही हैं। लेकिन वे जीसीसी की ओर से प्रदान की जाने वाली सेवाओं के लिए झुंड में आ रही हैं।

121 अरब डॉलर का रेवेन्यू: जीसीसी के लिए कोई अलग बैलेंस शीट नहीं है, जो एमएनसी का हिस्सा है। लेकिन पुणे के कंसल्टेंट विजमैटिक का अनुमान है कि 1500 से ज्यादा जीसीसी 32 लाख भारतीयों को रोजगार देते हैं। इनमें ज्यादातर इंजीनियर और वैज्ञानिक हैं। इनसे 121 अरब डॉलर का रेवेन्यू आता है और 102 अरब डॉलर का निर्यात करते हैं। अन्य अनुमान बहुत कम हैं। फिर भी, ये अब एक प्रमुख भारतीय क्षेत्र का गठन करते हैं जो सार्वजनिक दृष्टि से छिपा हुआ है लेकिन अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

दाल-अनाज की खपत पांच फीसदी घटी, भारतीयों की प्राथमिकता पोषण के बजाय साफ-सफाई और खूबसूरत दिखना

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले 12 वर्षों में भारतीय परिवारों की खर्च प्राथमिकता में काफी बदलाव आया है। नतीजतन, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दालों और अनाज की खपत पांच फीसदी से अधिक घटी है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि लोग खाद्य के बजाय गैर-खाद्य पदार्थों पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं। रिपोर्ट में सामने आए रुझान दर्शाते हैं कि भारतीय परिवारों को पोषक खानपान के बजाय साफ-सफाई और खूबसूरत दिखने के सौंदर्य प्रसाधनों पर खर्च करना ज्यादा पसंद आ रहा है। कपड़ों, जूतों जैसी चीजों पर खर्च करने में भी कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह रुझान आर्थिक विकास और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्राथमिकताओं में आए बदलाव को दर्शाता है। शहरों के मुकाबले गांव ज्यादा तेजी से बदले शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर व्यय ज्यादा तेजी से घटा है। पिछले 12 वर्षों के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में 5.86 फीसदी अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि शहरी क्षेत्र में यह आंकड़ा 2.94 फीसदी रहा। वहीं, गैर-खाद्य पदार्थों की बात करें तो ग्रामीण क्षेत्र में इस पर खर्च 5.86 फीसदी बढ़ा है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि 2.94 फीसदी रही।

खाद्य पदार्थों पर व्यय

ग्रामीण क्षेत्र = 52.9 फीसदी था 2011-12 में, जो 47.04 फीसदी रह गया 2023-24 में।

शहरी क्षेत्र = 42.62 फीसद था 2011-12 में और 2023-24 में 39.68 फीसदी रह गया।

गैर-खाद्य पदार्थों पर व्यय

ग्रामीण क्षेत्र = 47.1 फीसदी (2011-12) की तुलना में 2023-24 में 52.96 पर पहुंच गया।

शहरी क्षेत्र = 57.38 फीसदी (2011-12) की तुलना में 2023-24 में 60.32 फीसदी हो गया।

टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिले, राज्य के विकास पर हुई चर्चा

मुंबई, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। दोनों लोगों ने राज्य के आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए टाटा ट्रस्ट और सरकार के बीच सहयोग पर चर्चा की।

सीएम फडणवीस ने दक्षिण मुंबई स्थित मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई बैठक के बारे में ट्वीट कर जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, हमने विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की, ये वो क्षेत्र हैं जहां टाटा ट्रस्ट और महाराष्ट्र सरकार, राज्य के विकास को गति देने के लिए सहयोग कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने टाटा ट्रस्ट और राज्य सरकार के बीच मजबूत और स्थायी साझेदारी को बढ़ावा देने पर विश्वास व्यक्त करने के लिए टाटा को धन्यवाद दिया। नोएल टाटा ने पिछले वर्ष टाटा ट्रस्ट के अध्यक्ष का पद संभाला था। उन्होंने 9 अक्टूबर, 2024 को रतन टाटा के निधन के बाद उनका स्थान लिया था। टाटा ट्रस्ट के पास नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाले टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

कभी करते थे 3500 रुपये की नौकरी, अब फूलों सा महक रहा कारोबार, सालाना कमाई 5 करोड़ से ज्यादा

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलाघाट के 33 वर्षीय अरूप कुमार घोष एक कॉलेज ड्रॉपआउट युवा हैं। लेकिन वह अपनी लगन और मेहनत के दम पर आज उस मुकाम पर हैं, जहां पहुंचने का सपना लगभग हर युवा देखता है। अरूप कुमार पर एक मोटिवेशनल शायरी की दो लाइन बिलकुल सटीक बैठती है। अरूप कुमार ने न केवल अपना रास्ता स्वयं बनाया, बल्कि मंजिल तक भी खुद ही पहुंचे। कभी 3500 रुपये की नौकरी करने वाले अरूप आज फूलों का कारोबार कर रहे हैं। वह गेंदा के फूल और उसके बीजों को बेचते हैं। उनके कारोबार का सालाना टर्नओवर 5 करोड़ रुपये से ज्यादा है। लेकिन यहां तक का सफर अरूप के लिए आसान नहीं रहा।

फूलों में बचपन से रुचि

अरूप की रुचि फूलों में बचपन से थी। कोलाघाट ऐसी जगह है जो पूरे भारत में फूलों की सप्लाई करता है। परिवार धान की खेती करता था, जिससे कमाई सीमित थी। अरूप को फूलों के कारोबार में अच्छी संभावनाएं नजर आ रही थीं। साथ इसमें इनोवेशन के भी मौके थे। ऐसे में अरूप ने कॉलेज छोड़ फूलों के कारोबार में उतरने का फैसला लिया। जब वह 17 साल के थे, तब उन्होंने फूल विक्रेताओं के साथ काम करना शुरू कर दिया।

3500 रुपये की नौकरी से शुरुआत

इस कारोबार को और अंदर से जानने के लिए वह हैदराबाद के गुडीमलकपुर फूल बाजार पहुंचे। वहां इसलिए आए क्योंकि यहां के कारोबारी कोलाघाट से फूल खरीदते थे। यहां उन्होंने एक दुकान पर 3500 रुपये महीने की नौकरी की। अरूप बताते हैं कि यहां सैलरी जरूर कम थी, लेकिन फूलों के कारोबार को सीखने का अच्छा अवसर मिला। नौकरी के दौरान उन्होंने फूलों के इस कारोबार की कई बारीकियां सीखीं।

जमीन पट्टे पर लेकर शुरू की खेती

कुछ समय नौकरी करने के बाद अरूप वापस कोलाघाट स्थित अपने घर आ गए। यहां उन्होंने अलग-अलग शहरों में फूलों की दुकानों पर गेंदा के फूलों की लड़ियां आदि बेचना शुरू किया। उन्हें शुरू में 100 लड़ियों पर 2000 से 3000 रुपये का मुनाफा हुआ। इससे उनके अंदर फूलों की खेती में रुचि जागी। साल 2011 में उन्होंने एक बीघा जमीन पट्टे पर लेकर गेंदे की खेती शुरू कर दी।

नुकसान से सीखा सबक

शुरुआत में अरूप को काफी नुकसान हुआ। क्योंकि उन्होंने उस एक बीघा जमीन में कोलकाता किस्म के गेंदे के पौधे लगाए। इसके फूल छोटे हो गए, जिनकी बिक्री मुश्किल हो गई। इससे उन्हें घाटा हुआ। लेकिन इससे अरूप ने हार नहीं मानी। साल 2011 में वह थाईलैंड गए और वहां तीन महीने रहे। इस दौरान उन्होंने थाईलैंड में हाई क्वालिटी वाले टेनिस बॉल गेंदे के फूलों और उनके बीज तैयार करने की तकनीक के बारे में सीखा। वह वहां से प्रत्येक गेंदे की किस्म के 25 ग्राम बीज लेकर कोलाघाट लौट आए।

फिर शुरू किया कारोबार

थाईलैंड से वापस आने के बाद उन्होंने और जमीन लीज पर ली। उस जमीन पर उन्होंने थाईलैंड की टेनिस बॉल किस्म वाला गेंदा उगाया। उन्होंने उस गेंदे को कोलाघाट बाजार में 100 रुपये प्रति किलो की दर पर बेचा। इसकी मांग बढ़ने पर उन्होंने और ज्यादा जमीन पर गेंदे के पौधे उगाना और बेचना शुरू किया। साथ ही उन्होंने इसके बीज भी बेचने शुरू कर दिए। आज वह गेंदे के फूल, पौधे और बीजों को बेचकर सालाना 5 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाते हैं।

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में 9.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी बैंक को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में अधिकतम 9.50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दे दी है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने शर्त रखी है कि यदि अनुमोदन पत्र की तारीख से सालभर के भीतर यह सौदा नहीं किया जाता तो, तो मंजूरी रद्द कर दी जाएगी।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयूएफबी) को 3 जनवरी, 2025 के आरबीआई के की ओर से एक पत्र मिला, जो एचडीएफसी बैंक लिमिटेड को संबोधित है। पत्र में एचडीएफसी बैंक और उसकी समूह संस्थाओं (एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी पेंशन मैनेजमेंट, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस और एचडीएफसी सिक्योरिटीज सहित) को एक वर्ष के भीतर एयू एसएफबी की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग अधिकारों का 9.50 प्रतिशत तक अधिग्रहण करने की मंजूरी दी गई है।

एचडीएफसी बैंक ने भी एक्सचेंज को बताया है कि उसे कोटक महिंद्रा बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में 9.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी आरबीआई मिल गई है। यह मंजूरी आरबीआई के अनुमोदन पत्र जारी होने के बाद एक वर्ष तक के लिए वैध है। इसकी वैधता 02 जनवरी 2026 को समाप्त हो जाएगी।

एफपीआई ने 2025 के पहले 4 दिन में ही भारतीय बाजार से 4285 करोड़ नकाले

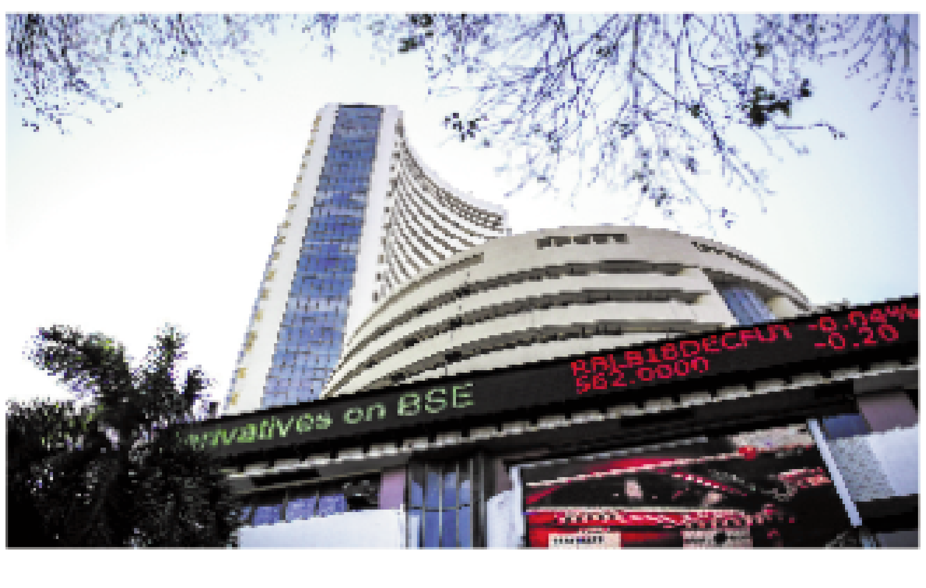

नईदिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार में 2025 की शुरुआत सावधान रवैये के साथ की। नए साल के पहले तीन कारोबारी सत्रों में ही एफपीआई की ओर से 4,285 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली हो चुकी है। नेशनल सेक्युरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 के पहले ही दिन एफपीआई ने इक्विटी में सबसे बड़ी बिकवाली की। उस दिन एफपीआई ने 5,351 रुपये भारतीय इक्विटी बाजार से निकाले।

बीते साल की तुलना में एफपीआई की खरीदारी में 99 फीसदी की कमी: हालांकि, दिसंबर महीने के आंकड़े बताते हैं कि पिछले महीने एफपीआई का बाजार में निवेश सकारात्मक रहा। दिसंबर में एफपीआई ने शुद्ध रूप से 15,446 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। ऐसे तो 2024 का समापन हरे निशान पर हुआ, पर भारतीय इक्विटी बाजार में एफपीआई का शुद्ध खरीद मूल्य, इस दौरान 427 करोड़ रुपये कम हो गया। पिछले साल की तुलना में भारतीय बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की खरीदारी में 99 प्रतिशत की भारी गिरावट आई।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मजबूती लौटने से भारतीय बाजार में नरमी: अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन, शेयर बाजार में लचीलापन और ब्याज दरों के लंबे समय तक उच्च रहने के कारण अमेरिकी बॉन्ड्स, मुद्रा व इक्विटी बाजार में निवेशकों का पर्याप्त झुकाव बढ़ा। इस बदलाव की कीमत भारत जैसे उभरते बाजारों को चुकानी पड़ी। इसके अलावे, भारतीय शेयरों के उच्च मूल्यांकन, जीडीपी के अनुपात में मार्केट कैप अधिक रहने, वृद्धि दर में सुस्ती, कमजोर औद्योगिक उत्पादन और कंपनियों की आय में कमी से शेयर बाजार में नरमी आई।

रिजर्व बैंक जारी करेगा 5000 रुपये का नोट

नईदिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर अक्सर ऐसे कई मैसेज वायरल होने शुरू हो जाते हैं जिनके के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं होती। कई बार ये सच भी होते हैं तो कई बार फर्जी निकलते हैं। इन समय भी ऐसा ही एक मैसेज काफी वायरल हो रहा है। इसमें दावा किया जा रहा है कि रिजर्व बैंक की ओर से 5000 रुपये के नोट जारी किए जाएंगे। इस मैसेज के साथ एक फोटो भी वायरल हो रही है। दावा किया जा रहा है कि यह फोटो 5000 के नोट की है। इस मैसेज के बारे में पीआईबी फैक्ट चेक ने एक्स पर एक पोस्ट की है। इसमें 5000 के नोट की सच्चाई के बारे में बताया है। पीआईबी फैक्ट चेक ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में इस मैसेज को फर्जी बताया है। साथ ही लोगों को सतर्क रहने को कहा है। अपनी पोस्ट में पीआईबी फैक्ट चेक ने लिखा है, सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से 5000 रुपये के नए नोट जारी किए जाएंगे। पीआईबी ने ऐसे दावे को पूरी तरह फर्जी बताया है। अपनी पोस्ट में लिखा है कि रिजर्व बैंक की ओर से ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

ढाई दिन में सिडनी टेस्ट हारा भारत

ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया, 10 साल बाद बीजीटी गंवाई

• डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस से बाहर • स्कॉट बोलैंड प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय टीम सिडनी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट से हार गई है। इस हार के साथ भारतीय टीम को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 3-1 की पराजय झेलनी पड़ी है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को इस सीरीज में 10 साल के बाद हराया है। इससे पहले कंगारू टीम ने 2014-15 के सीजन में एमएस धोनी की कप्तानी वाली टीम इंडिया से सीरीज जीती थी।

रविवार को मुकाबले के तीसरे दिन भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 162 रन का टारगेट दिया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरी पारी में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ट्रैविस हेड 34 और ब्यू वेबस्टर 39 रन पर नाबाद रहे। इन दोनों के अलावा, उस्मान ख्वाजा ने 41 और सैम कोंस्टास ने 22 रन बनाए। भारत से प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 विकेट झटके। दिन के पहले सेशन में भारतीय टीम दूसरी पारी में 157 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 181 रन पर ऑलआउट हुई, जबकि भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाए थे। इस तरह भारत को पहली पारी में 4 रन की बढ़त मिली थी।

भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस से बाहर, ऑस्ट्रेलिया लगातार दूसरी बार फाइनल में – इस हार के बाद भारतीय टीम (50.00 प्रतिशत) वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल में फाइनल की रेस से बाहर हो गया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया (63.73 प्रतिशत) ने लगातार दूसरी बार फाइनल में प्रवेश कर गई है।

गेंदबाजों को ज्यादा जिम्मेदारी लेनी थी: कप्तान जसप्रीत बुमराह – यहां गेंदबाजी ना कर पाना निराशाजनक है। एक बॉलर कम था। गेंदबाजों को ज्यादा जिम्मेदारी लेनी थी। ऐसा नहीं हुआ कि हम एकतरफा मैच हारे। हमारे पास सीखने के लिए काफी कुछ है। टेस्ट क्रिकेट में आपको परिस्थिति के हिसाब से खेलना होता है। हमारे ग्रुप में काफी टैलेंट है और युवा खिलाड़ी जोश से भरे हैं। युवाओं ने इस दौरे से बहुत कुछ सीखा है। ऑस्ट्रेलिया को बधाई। वे इस जीत के हकदार हैं।

यह काफी अच्छी सीरीज थी: ऑस्ट्रेलिया कप्तान पैट कमिंस – यह काफी अच्छी सीरीज थी। हमारी कोशिश थी कि हम भारत को कम से कम स्कोर पर रोकें, क्योंकि विकेट काफी ट्रिकी थी। इन खिलाड़ियों के साथ खेल कर मजा आया। जीत का श्रेय सबको जाता है क्योंकि यह सभी की मेहनत का परिणाम है। 5 टेस्ट मैच की सीरीज में तीन खिलाड़ियों को डेब्यू का मौका मिला, कुल मिलाकर इस सीरीज का अनुभव बेहद अच्छा रहा। यहां खेलना हमेशा खास रहा है। यह एक खास दिन है। यहां खेलना सुखद है।

सिडनी टेस्ट के लिए दोनों टीमें

भारत – जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, नीतीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया – पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और स्कॉट बोलैंड।

वेबस्टर के चौके से ऑस्ट्रेलिया जीता – ब्यू वेबस्टर ने 27वां ओवर डाल रहे वॉशिंगटन सुंदर की आखिरी बॉल पर चौका जमाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी है। कंगारू टीम ने 6 विकेट से यह मुकाबला जीत लिया है। टीम ने 5 मैचों की सीरीज 3-1 से अपने नाम की।

सिडनी टेस्ट में भारत की हार के 5 कारण

दोनों इनिंग में टॉप ऑर्डर फ्लॉप, चोट के चलते बुमराह ने गेंदबाजी नहीं की

सिडनी (एजेंसी)। भारत की सिडनी टेस्ट में 6 विकेट से हार के साथ ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से जीत ली है। रविवार को मुकाबले के तीसरे दिन भारत ने दूसरी पारी में 162 रन का टारगेट दिया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम इंडिया का टॉप ऑर्डर इस मैच में भी फेल रहा। यही भारत की हार की सबसे बड़ी वजह रही। इस मैच में कप्तानी कर रहे जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी इनिंग में गेंदबाजी नहीं की। बुमराह ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान इंजर्ड हो गए।

भारत की हार के 4 कारण...

1. बैटिंग ऑर्डर फिर फ्लॉप – टीम इंडिया का बैटिंग ऑर्डर एक बार फिर फेल हो गया। ऋषभ पंत ही दोनों पारियों में टॉप स्कोरर रहे, उनके अलावा कोई बैटर 30 रन भी नहीं बना सका। यशस्वी, राहुल, शुभमन और विराट चारों ही प्लेयर्स अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके।
2. पंत अच्छा खेले पर साथ नहीं मिला – पहली पारी में अच्छी बॉलिंग के बाद भारत ने 4 रन की बढ़त बनाई। दूसरी पारी में पंत ने 61 रन बनाए, उनके अलावा बाकी बैटर्स कुछ खास नहीं कर सके। पंत जब आउट हुए तब इंडिया का स्कोर 124 रन पर 5 विकेट था। इसके बाद अगले 5 बल्लेबाज 33 रन पर ऑलआउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया को 162 रन का मामूली टारगेट मिला। भारत को पहली पारी में 4 रन की लीड मिली थी। पंत मैच के टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने पहली पारी में 40 और दूसरी में 61 रन बनाए। भारत को पहली पारी में 4 रन की लीड मिली थी। पंत मैच के टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने पहली पारी में 40 और दूसरी में 61 रन बनाए।
3. बुमराह की इंजरी टर्निंग पॉइंट – जसप्रीत बुमराह दूसरे दिन पहली पारी में बॉलिंग करने के दौरान इंजर्ड हो गए। वह स्कैन कराने के लिए गए, जहां बैक स्पाज्म की शिकायत सामने आई। वह दूसरी पारी में बॉलिंग नहीं कर सके, जिससे टीम कंगारू बैटर्स पर दबाव नहीं बना पाई। बुमराह अगर फिट रहते तो ऑस्ट्रेलिया को टारगेट चेज करने में बहुत मुश्किल होती। पहली इनिंग में बुमराह ने उस्मान ख्वाजा और मार्नस लबुशेन के इम्पॉर्टेंट विकेट लिए थे।
4. अच्छी पिच का फायदा नहीं उठा सके बॉलर्स – बुमराह भले इंजर्ड थे, लेकिन टीम ने उनके बिना भी पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को ऑलआउट किया था। सिडनी की पिच बैटर्स के लिए चैलेंजिंग थी, इसके बावजूद भारत के बॉलर्स दूसरी पारी में कंगारू बैटर्स को रोक नहीं सके। पिच पर 7 एमएम की घास छोड़ी गई थी, जो पहले दिन से ही बैटर्स के लिए मुश्किल पैदा कर रही थी। तीसरे दिन दरारें आ गई थीं, जिससे उछाल भी मिल रहा था, गेंद में स्पिन भी थी, लेकिन भारतीय बॉलर्स इसका फायदा नहीं उठा सके। भारत के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने दूसरी पारी में सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

इरफान बोले- भारत को सुपरस्टार कल्चर नहीं चाहिए

ध्यान व्यक्तियों के बजाय टीम पर होना चाहिए

गावस्कर ने कहा- हमें क्रिकेट नहीं आता

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का कहना है कि भारत को सुपरस्टार कल्चर नहीं चाहिए। हमें टीम कल्चर की जरूरत है। प्लेयर्स का ध्यान व्यक्तियों के बजाय टीम पर होना चाहिए। वहीं सुनील गावस्कर ने उनकी सलाह न मानने पर कहा, हमें क्रिकेट नहीं आता है। रविवार को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत की हार के बाद, पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान और सुनील गावस्कर ने पोस्ट मैच के समय विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ी की आलोचना की। सिडनी टेस्ट में 6 विकेट की जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज 3-1 से जीती और 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया।

विराट ने डोमेस्टिक क्रिकेट एक दशक पहले खेला – इरफान ने मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मुझे याद नहीं, आखिरी बार विराट कोहली डोमेस्टिक क्रिकेट कब खेले थे। तो इस पर एंकर जतिन सप्रू ने कहा, 2012 में। इरफान ने कहा- घरेलू क्रिकेट खेले उन्हें एक दशक से भी ज्यादा का समय हो गया है। महान सचिन तेंदुलकर भी इतने समय तक डोमेस्टिक क्रिकेट से दूर नहीं थे। विराट बीजीटी 2024-25 सीरीज की 9 पारियों में 8 बार ऑफ स्टंप के बाहर की बॉल पर आउट हुए हैं।

सचिन ने घरेलू क्रिकेट तब भी खेला जब इसकी जरूरत नहीं थी – इरफान बोले, सचिन तेंदुलकर तब भी डोमेस्टिक क्रिकेट खेलते थे जब उन्हें इसकी जरूरत नहीं होती थी। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि चार दिन तक पिच पर टिके रहना और फिर दूसरी पारी में खेलने के लिए वापस आना उनके लिए अहम था। 2024 में कोहली का पहली पारी में औसत सिर्फ 15 का है और यदि आप पिछले पांच साल का आंकड़ा लें, तो उनका औसत 30 से भी नीचे चला जाता है। क्या भारत का एक सीनियर खिलाड़ी इसका हकदार है? बेहतर होगा कि किसी युवा को लगातार मौके दिए जाएं और उसे तैयार करने के लिए कहा जाए। यहां तक ??कि उनका औसत भी 25-30 के आसपास होगा। ध्यान टीम पर होना चाहिए, व्यक्तियों पर नहीं।

हमें कुछ नहीं आता- गावस्कर – सिडनी टेस्ट शुरू होने से पहले पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया मैनेजमेंट को प्रैक्टिस मैच कराने की सलाह दी थी। लेकिन उन्होंने इसको नजरअंदाज कर दिया था। भारत के यह मैच हार जाने के बाद उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स के पोस्ट मैच शो में कहा, अरे हमको कुछ नहीं आता। हमें क्रिकेट नहीं पता है, हम तो बस टीवी पर बोलने के लिए हैं। हमारी बात मत सुनिए। उसे सिर के ऊपर से जाने दीजिए।

कोहली का डिसरिस्पेक्ट नहीं कर रहे – 40 वर्षीय पेसर इरफान ने कहा, हम विराट कोहली की डिसरिस्पेक्ट नहीं कर रहे हैं। उन्होंने देश के लिए बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन मुद्दा यह है कि वह एक ही गलती के कारण बार-बार आउट हो रहे हैं। एक तकनीकी खामी है, जिसको उन्होंने अब तक नहीं सुधारा है। सुनील गावस्कर यहां मैदान पर हैं, कोहली को उनसे या किसी अन्य महान खिलाड़ी से बात करने और इस बारे में पूछने में कितना समय लगेगा? गलती को केवल कड़ी मेहनत से ही सुधारा जा सकता है, जो कोहली ने नहीं दिखाया है।

गंभीर बोले- रोहित-कोहली तय करें क्रिकेट के लिए क्या बेहतर

कोच ने टीम के हर खिलाड़ी को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने रविवार को रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर बात की है। उन्होंने सिडनी टेस्ट में 6 विकेट से हारने के बाद कहा- मैं किसी भी खिलाड़ी के भविष्य पर टिप्पणी नहीं कर सकता हूं। यह खिलाड़ियों पर निर्भर करता है, उनमें (रोहित-कोहली) भूख और कमिटमेंट्स है। उम्मीद है कि वे भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उनसे रोहित-कोहली के भविष्य पर सवाल पूछा गया था।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रोहित शर्मा और विराट कोहली का प्रदर्शन खराब रहा। ऐसे में इन दोनों के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। एक दिन पहले रोहित शर्मा ने स्टार स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में कहा था कि वे खेलना चाहते हैं और अभी रिटायरमेंट नहीं ले रहे। रोहित को खराब फॉर्म के कारण सिडनी टेस्ट से ड्रॉप किया गया था।

गंभीर यह बोले..

1. हार पर...अगर दूसरी पारी में 250-275 बनाते तो चीजें अलग होतीं –सिडनी टेस्ट में मिली हार पर गंभीर ने कहा- मैं यह नहीं कहना चाहता कि बुमराह के न होने से हम नतीजे तक नहीं पहुंच सके। हमारे पास अपने कई पल थे, अगर बुमराह होते तो अच्छा होता। एक अच्छी टीम जीती है। जो केवल एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। अगर हम दूसरी पारी में अच्छी बल्लेबाजी करते और 250-275 रनों का लक्ष्य रखते, तो ऑस्ट्रेलिया के लिए चीजें मुश्किल हो सकती थीं। मोहम्मद सिराज की बॉलिंग शानदार थी।

2. ड्रेसिंग रूम के माहौल पर...मुझे सभी के लिए निष्पक्ष होना होगा – ड्रेसिंग रूम को प्रफुल्ल रखने के लिए, मुझे ईमानदार और सभी के प्रति निष्पक्ष होना होगा। मैं अगर एक दो खिलाड़ियों के साथ पार्शल हूं तो ये मेरा काम नहीं। मेरा काम है कि सबके साथ एक समान रहूं। चाहे वह डेब्यू करने वाला खिलाड़ी हो या 100 टेस्ट खेलने वाला खिलाड़ी हो।

3. रोहित-कोहली की फॉर्म पर...सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें –रोहित-कोहली जैसे बड़े खिलाड़ियों की फॉर्म पर गंभीर ने साफ तौर पर कहा कि वे चाहेंगे कि टेस्ट क्रिकेट को लेकर अगर कमिटेड हैं, तो सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें। उनका इशारा शायद सीनियर खिलाड़ियों की ओर था जो रणजी ट्रॉफी नहीं खेलते हैं।

4. रोहित के फैसले पर...जवाबदेही दिखाई है – गंभीर ने रोहित के खुद को ड्रॉप करने के फैसले पर कहा कि रोहित ने टॉप लेवल पर जवाबदेही दिखाई है। उन्होंने ट्रांजिशन के सवाल पर कहा- इसके बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी। पता नहीं 5 महीने बाद हम कहां होंगे।

बॉर्डर ने ऑस्ट्रेलिया को ट्रॉफी दी, गावस्कर को नहीं बुलाया

लिटिल मास्टर भड़के तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गलती मानी; बॉर्डर-गावस्कर के नाम पर है बीजीटी

सिडनी (एजेंसी)। बीजीटी के प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन में पूर्व भारतीय ओपनर सुनील गावस्कर को नहीं बुलाए जाने पर विवाद हो गया है। हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने विवाद बढ़ता देख अपनी गलती मान ली है। मेजबान बोर्ड ने रविवार को जारी एक स्टेटमेंट में कहा- गावस्कर को पता था कि अगर भारतीय टीम सिडनी टेस्ट जीत जाती और ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखती तो वे भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह को पुरस्कार प्रदान करते। हम मानते हैं कि अगर एलन बॉर्डर और सुनील गावस्कर दोनों मंच पर होते तो यह बेहतर होता। लिटिल मास्टर के नाम से मशहूर सुनील गावस्कर ने मामले पर नाराजगी जाहिर की थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 1996 से खेली जा रही है। मौजूदा सीरीज ऑस्ट्रेलिया के नाम रही। इसे कंगारुओं ने 3-1 से जीता।

गावस्कर को नहीं बुलाया – ऑस्ट्रेलिया के सिडनी टेस्ट जीतने के बाद एलन बॉर्डर को प्राइज देने के लिए बुलाया गया। उन्होंने सीरीज जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को ट्रॉफी दी। जबकि सुनील गावस्कर 100 मीटर की दूरी पर थे, लेकिन उन्हें इस समारोह के लिए नहीं बुलाया गया।

सुनील गावस्कर ने कोड स्पोर्ट्स से कहा...मुझे पुरस्कार वितरण समारोह में जाकर खुशी होती। आखिरकार यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी है। जो कि ऑस्ट्रेलिया और भारत से जुड़ी है। मैं मैदान पर ही था। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया को दी जा रही थी। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला और जीते। ठीक है। सिर्फ इसलिए कि मैं एक भारतीय हूं। अपने अच्छे दोस्त एलन बॉर्डर के साथ ट्रॉफी प्रदान करके मुझे खुशी होती।

बॉर्डर-गावस्कर पर ही नाम रखा गया था – इस ट्रॉफी का नाम ऑस्ट्रेलिया और भारत के दो दिग्गज बल्लेबाजों (एलन बॉर्डर और सुनील गावस्कर) के नाम पर रखा गया था क्योंकि 1996 में जब सीरीज का नाम बदला गया, तब ऑस्ट्रेलिया से एलन बॉर्डर और भारत से सुनील गावस्कर का नाम ही सबसे दमदार पाया गया। तब टेस्ट खेल चुके करीब 2 हजार प्लेयर्स में ये दोनों ही ऐसे बैटर थे, जिनके नाम 10 हजार से ज्यादा टेस्ट रन थे। इसी वजह से भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज का नाम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी रखा गया।

देवजीत सैकिया ही बीसीसीआई के सेक्रेटरी बनेंगे

नॉमिनेशन फाइल किया, 12 जनवरी को बोर्ड मीटिंग में निर्विरोध चुने जा सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के इंटरिम सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ही बोर्ड के अगले सेक्रेटरी होंगे। उन्होंने सचिव पद के लिए नॉमिनेशन फाइल कर दिया है। 4 जनवरी को नॉमिनेशन की आखिरी तारीख थी, उनके अलावा किसी और ने नॉमिनेशन फॉर्म नहीं भरा। 12 जनवरी को बीसीसीआई में सचिव और कोषाध्यक्ष के पद पर उपचुनाव होंगे। दूसरा कोई उम्मीदवार नहीं होने के चलते सैकिया ही सचिव पद पर काम करेंगे। उन्होंने दिसंबर में जय शाह की जगह संभाली थी, जो अब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के चेयरमैन बन गए हैं।

प्रभतेज भाटिया कोषाध्यक्ष होंगे – बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष पद के लिए भी एक ही नॉमिनेशन फाइल हुआ। प्रभतेज सिंह भाटिया ने इस पद के लिए नामांकन भरा, ऐसे में उपचुनाव में उनका भी निर्विरोध ही चुना जाना कन्फर्म है। 4 जनवरी को शाम 5 बजे तक नामांकन भरना था। 6 जनवरी तक नॉमिनेशन की जांच होगी, फिर 12 जनवरी को इलेक्शन होंगे।

12 जनवरी को बीसीसीआई की मीटिंग भी – उपचुनाव कराने के लिए बीसीसीआई ने अब तक ऑफिशियल अपडेट नहीं दिया है। हालांकि, 12 जनवरी को ही बोर्ड की स्पेशल जनरल मीटिंग है। इलेक्शन कमिशन की पूर्व चीफ एके ज्योति बीसीसीआई उपचुनाव की इलेक्टोरल ऑफिसर हैं। वह ही इलेक्शन कंडक्ट कराएंगी।

बुलवायो टेस्ट: अफगानिस्तान 205 रन से आगे

रहमत शाह ने शतक लगाया, इस्मत आलम की फिफ्टी; मुजरबानी को 4 विकेट

बुलावायो (एजेंसी)। अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच बुलावायो में टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच खेला जा रहा है। शनिवार को मुकाबले के तीसरे दिन अफगानिस्तान ने दूसरी पारी में 205 रन की बढ़त बना ली है। टीम ने स्टंप्स तक 7 विकेट पर 291 रन बना लिए।

अफगानिस्तान के लिए दूसरी पारी में रहमत शाह ने सेंचुरी लगाई। वहीं इस्मत आलम फिफ्टी बनाकर नॉटआउट रहे। जिम्बाब्वे से ब्लेसिंग मुजरबानी 4 विकेट ले चुके हैं। बुलावायो में ही पहला टेस्ट 5 दिन चलने के बाद भी ड्रॉ हो गया था।

पहली पारी में 157 रन ही बना सका अफगानिस्तान – शुक्रवार को जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। अफगानिस्तान टीम पहली पारी में 157 रन ही बना सकी। राशिद खान ने सबसे ज्यादा 25 रन बनाए। 7 अन्य बैटर्स ने 10 रन का आंकड़ा पार किया, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका।

अफगानिस्तान से जिया-उर-रहमान 8 और अहमदजई 2 ही रन बना सके। इस्मत आलम तो खाता भी नहीं खोल सके। जिम्बाब्वे से पहली पारी में सिकंदर रजा और न्यूमैन न्यामुरी ने 3-3 विकेट लिए। ब्लेसिंग मुजरबानी को 2 और रिचर्ड नगारवा को 1 विकेट मिला।

जिम्बाब्वे की खराब शुरुआत– पहली पारी में जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 41 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। जॉयलॉर्ड गुम्बी 8, बेन करन 15 और डायन मायर्स 5 ही रन बना सके। टी कायतानो खाता भी नहीं खोल सके। सिकंदर रजा ने फिर कप्तान क्रेग इरविन के साथ पारी संभाली। दोनों ने फिफ्टी लगाई और स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया। रजा 61 रन बनाकर आउट हुए।

विलियम्स-इरविन ने दिलाई बढ़त – रजा के आउट होने के बाद जिम्बाब्वे ने 147 रन तक 7 विकेट गंवा दिए। ब्रायन बेनेट 2 और न्यूमैन न्यामुरी 11 ही रन बना सके। शॉन विलियम्स ने फिर कप्तान इरविन के साथ 73 रन की पार्टनरशिप की और स्कोर 220 तक पहुंचा दिया। विलियम्स 49 रन बनाकर आउट हुए। इरविन भी आखिर में 75 रन के स्कोर पर आउट हुए और टीम का स्कोर 243 रन तक पहुंच गया। अफगानिस्तान से राशिद खान ने 4 विकेट लिए। अहमदजई को 3 और फरीद अहमद को 2 विकेट मिले। एक सफलता जिया-उर-रहमान के हाथ भी लगी।

दूसरी पारी में अफगानिस्तान की वापसी – अफगानिस्तान पहली पारी में 86 रन से पीछे रहा, लेकिन टीम ने दूसरी पारी में वापसी की। ओपनर अब्दुल मलिक 1 और रियाज हसन 11 ही रन बना सके। रहमत शाह एक एंड पर टिक गए, लेकिन उनके सामने हशमतुल्लाह शाहिदी 14, जिया-उर-रहमान 6 और अफसर जजई 5 रन बनाकर आउट हो गए।

इस्मत ने 300 के करीब पहुंचाया – अफगानिस्तान ने 69 रन पर 5 विकेट गंवाए। यहां शाहिदुल्लाह कमाल ने रहमत के साथ 67 रन की पार्टनरशिप की और स्कोर 100 के पार पहुंचाया। उनके बाद इस्मत आलम ने फिफ्टी लगाई और रहमत शाह के साथ मिलकर स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया। रहमत 139 रन बनाकर आउट हुए और उनकी शाहिदुल्लाह के साथ 132 रन की पार्टनरशिप टूटी।

इस्मत ने फिर राशिद खान के साथ पारी संभाली। दोनों ने 23 रन की पार्टनरशिप की और स्कोर 291 रन तक पहुंचा दिया। तीसरे दिन स्टंप्स तक राशिद 12 और इस्मत 64 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। जिम्बाब्वे से ब्लेसिंग मुजरबानी ने 4 विकेट लिए। रिचर्ड एनगारावा को 2 और सिकंदर रजा को 1 विकेट मिला।

ईशा सिंह ने अविनाश मिश्रा पर कसा तीखा तंज, कहा- तुम अपनी ट्रॉफी का ध्यान रखो

'बिग बॉस 18' का कारवां अब धीरे-धीरे अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहा है। हाल ही में बिग बॉस के घर में प्रतिभागियों के घर वाले आए। इस दौरान सभी भावुक हो उठे साथ ही घरवालों के आने से शो में खूब सुर्खियां भी बटोरी। प्रतिभागियों के घरवालों में खासकर चाहत पांडे की मां ने अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह पर निशाना साधा। वहीं, ईशा सिंह और अविनाश मिश्रा अक्सर अपनी दोस्ती और प्यारी नोकझोंक की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। हालांकि, वह कहते हैं कि वे अच्छे दोस्त हैं।

यह तब 'बिग बॉस 18' के घर के अंदर चुम दरंग की मां के प्रवेश के साथ शुरू हुआ। जैसे ही वह घर के अंदर पहुंचीं अविनाश मिश्रा, रजत दलाल, शिल्पा शिरोडकर और श्रुतिका अर्जुन ने करण वीर मेहरा को चिढ़ाना शुरू कर दिया। शिल्पा शिरोडकर दोपहर का खाना बना रही थी, जब अविनाश मिश्रा ने मजाक में कहा, खाना बनाओ या ना बनाओ, आज मैं कुल्फी बनाऊंगा। फिर अविनाश ने शिरोडकर को बताया कि वह लड्डू वाले हैं और करण और ईशा को एक साथ लाने में मदद कर रहे हैं। अभिनेता ने कहा, बिग बॉस में एक बड़ी ट्रॉफी मैं उसके लिए रखूंगा, एक दोस्त के तौर पर, मैं अब भी मजाक कर रहा हूं। इस पर, ईशा सिंह ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, तुम अपनी ट्रॉफी का ध्यान रखो, आओ। अविनाश ने कहा कि वह कुछ और बात कर रहे थे और ईशा के पीछे खड़े हो गए।

बिग बॉस ने भी करण को चिढ़ाया

इस अवसर का लाभ उठाते हुए, बिग बॉस भी अविनाश के साथ मिलकर करण को चिढ़ाते हैं। वह कहते हैं कि करण आज अलग तरह से व्यवहार कर रहे हैं और मासूमियत से पेश आ रहे हैं। शिल्पा शिरोडकर कहती हैं कि वह पैरेंट-टीचर मीटिंग के लिए बैठे स्कूली लड़के की तरह हैं। बाद में, करण वीर मेहरा की मां ने भी 'बिग बॉस 18' के घर में प्रवेश किया। उन्होंने करण को सलाह दी कि वह अच्छा खेल रहे हैं।

फिल्म थामा में नजर आएंगी

रश्मिका मंदाना

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना फिल्म पुष्पा 2 के बाद आयुष्मान खुराना के साथ नजर आएंगी। दोनों साथ में हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा में दिखाई देंगे। हाल ही में एक्ट्रेस ने आयुष्मान के साथ फिल्म के सेट से एक वीडियो शेयर किया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए लिखा- उम्मीद है कि आप धमाकेदार छुट्टियां मना रहे होंगे। 2025 में मिलते हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन मुंज्या फिल्म के डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार कर रहे हैं।

साल 2025 में दिवाली पर रिलीज होगी फिल्म

रश्मिका और आयुष्मान की ये फिल्म साल 2025 में दीवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म थामा की स्टोरी वैम्पायर की दिल्ली और अमर का विजयनगर साम्राज्य पर आधारित है।

फिल्म थामा की अनाउंसमेंट 30 अक्टूबर 2024 को की गई थी। फिल्म में परेश रावल, नवाजुद्दीन सिद्दीकी समेत कई कलाकार नजर आएंगे। जानकारी के मुताबिक, 12 दिसंबर 2024 को इस की फिल्म की शूटिंग शुरू की गई थी। फिल्म की शूटिंग की शुरुआत करते हुए परेश रावल, रश्मिका और आयुष्मान ने अपने कैरेक्टर के इंट्रोडक्शन सीन्स शूट किए थे। ऐसा माना जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग दिल्ली से शुरू की गई थी।

फिल्म पुष्पा- 2, 5 दिसंबर 2024 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रश्मिका मुख्य किरदार में नजर आई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। फिल्म में रश्मिका ने अल्लू अर्जुन यानी पुष्पाराज की वाइफ श्रीवल्ली का रोल प्ले किया है। बता दें, अब रश्मिका साजिद नाडियाडवाला की फिल्म सिकंदर में सलमान खान के साथ दिखाई देंगी। ये फिल्म साल 2025 में ईद पर रिलीज होगी। इसके साथ एक्ट्रेस फिल्म द गर्लफ्रेंड में भी नजर आएंगी।

कियारा की बिगड़ी तबीयत

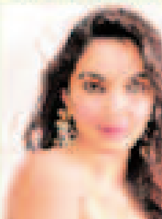

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी साउथ अभिनेता के साथ अपनी आगामी फिल्म 'गेम चेंजर' की रिलीज की तैयारियों में जुटी हैं। अभिनेत्री शनिवार को एक प्रमोशनल इवेंट में शामिल होने वाली थी। हालांकि, स्वास्थ्य समस्याओं के चलते वह इस कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बन सकीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब कियारा की टीम ने उनका हेल्थ अपडेट जारी किया है।

कियारा की टीम ने एक बयान जारी करते हुए कहा, कियारा आडवाणी को अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया है, उन्हें थकान के कारण आराम करने की सलाह दी गई है, क्योंकि वह लगातार काम कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कियारा आडवाणी राम चरण के साथ गेम चेंजर की प्रेस मीट में शामिल होने वाली थीं। हालांकि, तबीयत बिगड़ने की वजह से वह इसमें हिस्सा नहीं ले पाईं। अभिनेत्री शुक्रवार को सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' के वीकेंड का वार एपिसोड में दिखाई दीं। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ बातचीत भी की। शो के सेट से अभिनेत्री की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

इस जगह थामा के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग करेंगे आयुष्मान खुराना

2025 की शुरुआत के साथ ही अभिनेता और गायक आयुष्मान खुराना एक रोमांचक और एक्शन से भरपूर साल की तैयारी कर रहे हैं। अभिनेता ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म थामा का दूसरा शेड्यूल शुरू कर दिया है, जो मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। पिछले साल के अंत में मुंबई में एक शूटिंग शेड्यूल के बाद टीम अब दिल्ली में फिल्मांकन शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस शेड्यूल के जनवरी के मध्य तक चलने की उम्मीद है। इसमें कई रोमांचक दृश्य होंगे।

4 जनवरी, 2025 को आयुष्मान खुराना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक धूप सेंकते हुए सेल्फी शेयर की। वे सफेद टी-शर्ट और बेज पफर जैकेट पहने हुए नजर आए। उन्होंने सनग्लास और फेस मास्क भी पहना हुआ था। आयुष्मान ने कैप्शन में लिखा, 'वापस दिल्ली।' इसके साथ ही उन्होंने दिल वाली इमोजी जोड़कर अपना उत्साह जाहिर किया। थामा रोमांस और खून-खराबे की एक दिलचस्प कहानी है, जो एक खौफनाक बैकग्राउंड पर आधारित है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि अनुभवी अभिनेता परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी सहायक भूमिकाओं में हैं। हिट फिल्म मुंज्या में अपने काम के लिए मशहूर आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित थामा की कहानी को नीरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फुलारा ने मिलकर लिखा है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजन और अमर कौशिक ने किया है।

दिवाली पर रिलीज होगी फिल्म

अक्टूबर 2024 में थामा की आधिकारिक घोषणा की गई। घोषणा वीडियो में शीर्षक और कलाकारों का खुलासा किया गया और बैकग्राउंड में एक जोरदार गाना बज रहा था। कैप्शन में लिखा था, दिनेश विजन की हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की एक प्रेम कहानी को जरूरत थी, दुर्भाग्य से वह एक खूनी कहानी है। थामा दिवाली 2025 के लिए कुछ जगह तैयार रखें। यह फिल्म इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी।

मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अन्य आगामी फिल्में शक्ति शालिनी, भेड़िया 2, चामुंडा, स्त्री 3, महा मुंज्या, पहला महायुद्ध और दूसरा महायुद्ध हैं। थामा के अलावा आयुष्मान खुराना के पास धर्मा प्रोडक्शंस और सिख्या एंटरटेनमेंट के साथ एक अनटाइटल्ड स्पाई कॉमेडी है। आकाश कौशिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सारा अली खान मुख्य भूमिका में हैं।

कैंसर से जंग के बीच काम कर रहीं हिना खान? इस शो से मचाएंगी धमाल

अभिनेत्री हिना खान एपिक ऑन की नई सिरीज डॉक्टर गृहलक्ष्मी के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। स्ट्रीमर ने शो के कलाकारों का परिचय देते हुए सोशल मीडिया पर एक टीजर साझा किया है।

उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थापित, कहानी हिना के किरदार लक्ष्मी पर आधारित है। पिछले साल जून में हिना को स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर का पता चला था। तब से वह अपने प्रशंसकों को अपने इलाज और कीमोथेरेपी के बारे में बताती रही हैं। टीवी धारावाहिक ये रिश्ता क्या कहलाता है में अक्षरा के रूप में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्धि प्राप्त की थी।

22 सालों से इंडस्ट्री में काम कर रही, यही मेरे लिए एक बहुत बड़ी अचीवमेंट है

नेहा धूपिया इस साल फिल्म बैड न्यूज में अपनी भूमिका को लेकर चर्चा में रहीं। इसमें उन्होंने अहम रोल प्ले किया था। इस बारे में उनसे हुई खास बातचीत...

बैड न्यूज टेलीविजन पर आ रही है। इसकी एक्साइटमेंट किस तरह से है?

कोई फिल्म जब टेलीविजन पर आती है, तब साबित होता है कि वह अच्छी, इस्थेटिक और एंटरटेनिंग फिल्म है। सिनेमा से निकलकर फिल्म टेलीविजन पर आती है, तब उसकी ऑडियंस और ज्यादा बढ़ जाती है। ज्यादा लोग काम को देखते और सराहते हैं, तब अच्छा लगता है। यह फिल्म स्टार गोल्ड पर रविवार (आज) को आ रही है, इसे लेकर बहुत एक्साइटेड हूं। हम जब शूटिंग करते हैं, तब अपने को-स्टार के साथ बातें होती हैं। उस समय प्रमोशन का प्रेशर नहीं होता है। उसके लिए कुछ लाइनें याद करनी पड़ती हैं लेकिन टेलीविजन पर जब फिल्म आती है, तब थोड़ा रिलैक्स रहते हैं।

बैड न्यूज के दौरान की कोई ऐसी बात बताइए, जो आज भी जेहन में तरोताजा हो?

इस फिल्म की शूट कर रही थी, तब दूसरी बार मां बनी थी। मेरा बेटा मात्र दो महीने का था, इसलिए मेरे लिए शूटिंग करना थोड़ा टफ था। मैं बेटे से 8-10 घंटे से ज्यादा देर तक दूर नहीं रहती थी। यह मेरे लिए बहुत हैक्टिक हुआ था। उस समय मेरा शूट करने का मन नहीं था पर फिल्म इतनी अच्छी थी कि मना नहीं कर पाई। यह सेकंड टाइम मां बनने के बाद मेरा पहला प्रोजेक्ट था, जो हमेशा याद रहेगा। मां बनने के बाद यह मेरा पहला काम है, इसलिए यह मुझे प्यारा लगता है। इसके अलावा निर्देशक आनंद तिवारी, निर्माता करण जौहर और विक्की कौशल मेरे दोस्त हैं। यह फिल्म करने के दौरान तृप्ति डिमरी और एमी विर्क को जानने-पहचानने का मौका मिला।

रियल लाइफ में बैड न्यूज से निकलने का तरीका क्या होता है?

हमें बैड न्यूज के बारे में बात करना चाहिए। सबसे जरूरी बात है कि आपको रियलाइज करना है कि यह एक दौर है, जो हमेशा नहीं रहेगा। उससे ज्यादा जरूरी बात यह है कि अगर यह बैड न्यूज इमोशनल है और आप उसको सुधार सकते हैं, तब उसके बारे में अपने करीबी दोस्तों से बात करनी चाहिए। लाइफ में जो होता है, वह अच्छे के लिए होता है। बस हमें स्ट्रॉन्ग रहना चाहिए।

साल 2024 को किस रूप में देखती हैं। 2025 में क्या करेंगी?

मेरे लिए साल 2024 काफी अच्छा रहा। अभी दो महीने वेडिंग के लिए शूट करके आई हूं, जो 11 जनवरी 2025 से शुरू हो रहा है। साल 2025 में एक नया ओटीटी शो आ रहा है। मेरी एक इंटरनेशनल फिल्म है, जिसका नाम ब्लू 52 है। यह भी रिलीज होगी। इसके अलावा दो ओटीटी शो भी हैं।

आपको फैंस और ऊंचे पायदान पर देखना चाहते हैं। क्या कहेंगी?

फैंस और दर्शकों को धन्यवाद देती हूं। हमेशा उम्मीद रहती है कि हम भी पर्सनली-प्रोफेशनली और ऊंचाई पाएं। पर कई बार स्टेप बैक करना पड़ता है। 22 सालों से काम कर रही हूं, यही मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट है।

स्त्री 2 के साथ वेदा का क्लैश टालना चाहते थे निखिल आडवाणी

निखिल आडवाणी ने जॉन अब्राहम को लेकर कहा कि एक कम्फर्ट हो गया। हम इंडस्ट्री के बारे में बात नहीं करते। हम फुटबॉल और पॉलिटिक्स को लेकर बात करते हैं। वो हमेशा मुझे एक सरप्राइज करवाने की कोशिश भी करता है। वो हमेशा मुझसे वही डक्ट को लेकर बात करता रहता है। डिजिटल कमेंट्री से बातचीत में वेदा फिल्म को लेकर निखिल आडवाणी ने कहा कि वे सोच रहे थे कि फिल्म रिलीज न हो। मैं तो बहुत कोशिश कर रहा था।

पटियाला में वीडियो सिंगल शूट कर रहा था, तभी उनके फोन आ रहे थे कि सेंसर बोर्ड ने अभी तक सर्टिफिकेट नहीं आ रहा, मैंने कहा मत आने दो यार। उन्होंने कहा लोगों को फिल्म बहुत पसंद आई। ये बहुत अच्छी फिल्म है।

आपको बता दें कि निखिल आडवाणी की फिल्म वेदा और स्त्री 2 के साथ खेल खेल में भी बॉक्स ऑफिस पर साथ में रिलीज हुई थी। स्त्री 2 की हाइप इतनी ज्यादा हुई कि उसका असर वेदा पर भी हुआ। निखिल ने कहा कि वे फिल्म लोगों को बहुत पसंद आई। फिल्म में जॉन और अभिषेक बनर्जी की भूमिका को फैंस ने बहुत पसंद किया।

इस दिन रिलीज करना चाहते थे फिल्म

निखिल आडवाणी ने खुलासा किया कि वे चाहते थे कि फिल्म 5 या 6 दिसंबर पर रिलीज हो, क्योंकि ये जातिवाद से जुड़ी फिल्म है। उन्होंने कहा कि वे अपनी गलती और फेलियर से सीखते हैं। इस पर मेरा कंट्रोल नहीं था, मैं अगली बार ऐसी चीजों पर ध्यान रखूंगा।

यश चोपड़ा और यश जौहर को लेकर बोले निखिल

निखिल ने कहा कि यश राज फिल्म में हम जल्दी उठते थे, यश चोपड़ा इसके बाद आते थे और डिमांड करते थे कि जो ऐसा मांगते थे, वैसी चीजें करते थे। उन्होंने कहा कि मैं यश चोपड़ा और यश जौहर का आभारी हूं जिन्होंने मेरे बदलावों को भी अपनाया।

-साभार एजेंसी